सुप्रभात
रांची, सोमवार
28.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैशाख, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 283 | 12

आर्थिक आंकड़ों पर शेयर बाजार की नजर

न्यूज डायरी

कुएं में गिरी वैन, 10 लोगों की मौत, चार घायल

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में नारायणगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम काचरिया चौपाटी के पास रविवार दोपहर श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार वाहन, मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद कुएं में जा गिरी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गयी, जबकि चार लोग घायल हो गये। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सचेत ऐप से प्राकृतिक आपदा में पायें सहायता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी ने कहा कि अब प्राकृतिक आपदा की स्थिति में लोग मोबाइल पर सचेत ऐप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह ऐप, भारत की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी ने तैयार किया है। बाढ़, साइक्लोन, लैंड-स्लाइड, सुनामी, जंगलों की आग, हिम-स्खलन, आंधी, तूफान या फिर बिजली गिरने जैसी आपदाएं हो, सचेत ऐप आपको हर प्रकार से सूचित और सुरक्षित रखने का प्रयास करता है। इस ऐप से मौसम विभाग से जुड़े अपडेट्स प्राप्त कर सकते हैं।

युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

दुमका। जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती रामपुरहाट थाना के सालभादरा पेट्रोल पंप के समीप हथियारबंद अपराधियों ने 28 वर्षीय पत्थर व्यवसायी सुदीप बास्की की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट थाना क्षेत्र का था। अभी तक किसी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

झेलम नदी से पानी छोड़ा पीओके में मची तबाही

इस्लामाबाद/नयी दिल्ली। भारत की ओर से झेलम नदी से पानी छोड़े जाने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी गयी है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने पीओके के हट्टियन बाला जिले में जल आपातकाल की घोषणा की है। वहीं मुजफ्फराबाद क्षेत्र में जल स्तर में तेजी से वृद्धि देखी गयी। नागरिकों में भारी अफरातफरी मच गयी है।

भारत के कड़ी कार्रवाई से गिड़गिड़ा रहे बिलावल भुट्टो

नयी दिल्ली। पहलगाम मामले में भारत के एक्शन से पूरे पाकिस्तान में खौफ है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत को मुहतोड़ जवाब देने की धमकी दी थी। वहीं अब विलावल भुट्टो ने दोनों देशों से विवादों के समाधान के लिए बातचीत का सहारा लेने का आग्रह किया है। पाकिस्तान भी बैकफुट पर आ गया है। बातचीत से तनाव को कम करने के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि भारत ने पाकिस्तानी सरकार की बातचीत की पेशकश ठुकरा दिया। मतलब साफ है कि भारत आतंकी हमले पर पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए तैयार है।

पहलगाम को ले कर हर भारतीय का खून खौल रहा है: मोदी

पीड़ितों को न्याय और दोषियों को कठोर सजा दे कर रहेंगे

मन की बात कार्यक्रम

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों को न्याय अवश्य मिलेगा और हमले के साजिशकर्ताओं को कठोरतम दंड दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता इस लड़ाई की सबसे बड़ी ताकत है। श्री मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है, उनका दर्द देश का प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

मन की बात के 121वें में एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं। मुझे भी वैश्विक नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारतीयों के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा, मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूँ कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। आज दुनिया देख रही है कि इस हमले के बाद भारत एक स्वर में आतंक के खिलाफ खड़ा हुआ है।

> पहलगाम आतंकी हमले में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनका दर्द देश का प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है। हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारतीयों के साथ खड़ा है।
>
> **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

जम्मू-कश्मीर में शांति लौट रही थी, ये भारत के दुश्मनों को रास नहीं आया...

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में चहल-पहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आयी थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमायी बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश और जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। उन्होंने कहा कि आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर इस चुनौती का मुकाबला करें। उन्होंने कहा, हमें अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में एकजुट रहना है।

मोहन भागवत बोले- राजा, प्रजा की रक्षा का कर्त्तव्य निभाये

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हिन्दू संस्कृति में शत्रु का वध भी उसकी कल्याण की कामना के साथ अंतिम उपाय के रूप में किया जाता है, क्योंकि राजा का कर्त्तव्य प्रजा की रक्षा करना है और राजा को यह कर्त्तव्य अवश्य निभाना चाहिए। डॉ. भागवत ने यहां प्रधानमंत्री संग्रहालय में विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त महामंत्री स्वामी विज्ञानानंद की पुस्तक दि हिन्दू मैनिफेस्टो के विमोचन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। सर संघचालक ने कहा कि विश्व आज दो रास्तों पर चल रहा है लेकिन आज विश्व का तीसरे रास्ते की आवश्यकता है। दुनिया भर के चिंतकों को यह सोचना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ सदियों में कई प्रयोग हुए हैं लेकिन सफलता नहीं मिली। सुविधा, सुख बढ़े लेकिन समाधान नहीं निकला। भूमि अशुद्ध हो गयी। विकास हुआ। विश्व के पीछे जड़ता है चैतन्यता नहीं। दुनिया ने दोनों प्रकार के पर्याय देखे हैं। तीसरा पर्याय केवल भारत में है।

आतंक के खात्मे की तैयारी शुरू
सेना का सर्च ऑपरेशन भी जारी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले सीडीएस, बीएसएफ चीफ भी गृह मंत्रालय पहुंचे

■ भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े फैसले भी लिये।

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में सर्च ऑपरेशन लगातार चला रहे हैं, जबकि एनआइए इस मामले की गहन जांच में जुट गयी है। इस बीच, रक्षा और सुरक्षा से जुड़े शीर्ष अधिकारियों की बैठकों का दौर भी जारी है। इसी क्रम में रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस जनरल अनिल चौहान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक अहम बैठक के लिए पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक आतंकियों के खात्मे और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर केंद्रित रही। वहीं दूसरी ओर, बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी भी गृह मंत्रालय पहुंचे, जहां आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों और सीमा सुरक्षा पर चर्चा हुई।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन तेज : सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के जंगलों और संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, और आतंकियों की तलाश के लिए सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर।

भारत ने दिखायी एंटी शिप मिसाइल की ताकत, नेवी ने कहा- हम तैयार

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच, भारतीय नौसेना अपनी युद्ध तैयारियों को लगातार पुख्ता करने में जुटी है। रविवार को नौसेना ने बताया कि चालक दल की तत्परता को प्रदर्शित करने के लिए उन्होंने कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार है। नौसैनिक ने कई सफल एंटी-शिप फायरिंग टेस्ट को अंजाम दिया गया है। इंडियन नेवी ने अपनी युद्ध तैयारियों को लेकर वीडियो भी शेयर किए हैं, जिनमें जहाजों से

मिसाइलें दागी जा रही हैं। इंडियन नेवी के इस पोस्ट को भारत के दुश्मनों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

आइएनएस सूरत का सफल मिसाइल परीक्षण : भारतीय नौसेना ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए, युद्धपोत आईएनएस सूरत का परीक्षण किया। यह परीक्षण भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह टेस्ट महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाकिस्तान द्वारा अरब सागर में अपने आगामी मिसाइल परीक्षण के बारे में समुद्री चेतावनी जारी करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ।

चारधाम यात्रा पर आने वाले पाकिस्तान के हिंदू नागरिकों की यात्रा पर रोक

एजेंसी

देहरादून। पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तानी हिंदू नागरिकों की चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी है। भारत सरकार के इस फैसले के बाद चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके 77 पाकिस्तानी श्रद्धालु अब यात्रा नहीं कर पाएंगे। उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि चारधाम एवं हेमकुंड साहिब की यात्रा के लिए 77 पाकिस्तानी हिंदू यात्रियों ने पंजीकरण कराया था, उन सभी का पंजीकरण सुरक्षा कारणों से तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण करा चुके हैं। इनमें 185 देशों के 25 हजार से अधिक विदेशी श्रद्धालु भी हैं।

30 अप्रैल से चारधाम यात्रा हो रही शुरू : बता दें कि 30 अप्रैल से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की शुरूआत होने जा रही है। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

भारत से 537 लोग पाकिस्तान गये, 850 भारतीय स्वदेश आये

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत में वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी का सिलसिला जारी है। रविवार शाम तक 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान वापस गये। वहीं 850 भारतीय पाकिस्तान से वापस आये।

केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी के लिए दो दिन का समय और बढ़ा दिया है। पिछले चार दिन से अटारी-बाघा बार्डर पर लोगों का जमघट लगा है। अपने मुल्क लौटने वाले हरेक के मन में पीड़ा-टीस और आक्रोश है। यह इसलिए कि कुछ लोगों के कारण दोनों मुल्कों के रिश्ते खराब हुए और उसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली की रहने वाली और पाक में ब्याही राबिका वतन वापसी के दौरान काफी आक्रोशित दिखाई दी। वह बीते पांच सालों से मायके आने के लिए वीजा अप्लाई करती रहीं लेकिन नहीं दिया गया। इस बीच उनकी मां, दो भाई और भतीजे की मौत हो गई, लेकिन उस दौरान भी उनको नहीं आने दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बार उनको 45 दिन का वीजा मिला और मायके आयी लेकिन दो दिन में ही वापसी करनी पड़ रही है। वह दोनों ही सरकारों को कोसती हुई वापस चली गयी।

उधर, पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए हिंदुओं का एक दल रविवार को भारत लौट आया। सिंध प्रांत के रहने वाले इस दल में 45 व्यस्क और 15 बच्चे थे। गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और पंजाब के अन्य सीमावर्ती जिलों से भी कई पाकिस्तानी नागरिक रविवार को सीमा की ओर रवाना हुए। अधिकारियों ने हर स्थान पर दस्तावेजों की जांच की ताकि कोई भी बिना अनुमति भारत में न रह सके।

आतंकी हमले में मृतकों के प्रति जतायी संवेदना
पीड़ित परिवारों को चार महीने का वेतन देंगे मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया है। साथ ही दरियादिली का परिचय देते हुए इस आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अपने चार महीने का वेतन देकर श्रद्धांजलि देने की घोषणा की। इस बात का ऐलान उन्होंने सोशल मीडिया के अपने एक्स हैंडल पर किया है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने अपने पोस्ट के जरिये कहा है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किया गया हमला न केवल मानवता पर हमला है, बल्कि उन्होंने भारत की आत्मा

और प्रत्येक भारतवासी पर हमला किया है। इस घटना ने मुझे काफी अंदर तक झकझोर दिया है। मैंने निर्णय लिया है कि शहीद परिवारों को मैं अपने 4 महीने का वेतन श्रद्धांजलि के तौर पर दूंगा। यह मेरा फर्ज है कि मैं पीड़ित परिवारों के इस दुःख में उनके साथ खड़ा रह सकूं। शहीदों का बलिदान अमूल्य है। परिवारों के साथ मेरी पूरी संवेदनाएं हैं।

कार्टून कोना

जंगल में चुपचाप 22 घंटे पैदल चल कर पहलगाम पहुंचे और मचायी तबाही

एनआइए ने किया बड़ा खुलासा, स्थानीय आदिल थोकर ने आतंकियों को बैसरन घाटी तक पहुंचाया

एजेंसी

नयी दिल्ली। गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी-एनआईए ने पहलगाम आतंकी हमले का मामला औपचारिक रूप से अपने हाथों में ले लिया है। इस क्रम में एनआइए की टीम बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को लेकर घटनास्थल पर साक्ष्य एकत्र कर रही है। इधर जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आये हैं। एनआइए ने खुलासा किया कि आतंकियों ने घने जंगलों के रास्ते घंटों पैदल चलकर इस वारदात को अंजाम दिया। जांच में सामने आया है कि आतंकी जंगलों के रास्ते

लगभग 20 से 22 घंटे का कठिन सफर तय कर बैसरन घाटी पहुंचे थे। वह घनी झाड़ियों और पहाड़ी रास्तों से चुपचाप आगे बढ़ते रहे ताकि किसी को भनक तक न लगे। स्थानीय आतंकी आदिल थोकर ने उन्हें सही रास्ता दिखाने और गाइड करने का काम किया।

आधुनिक और घातक एके-47 और अमेरिकी एम-4 से किया हमला

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि हमले में आतंकियों ने आधुनिक और घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। घटनास्थल से एके-47 राइफल और अमेरिकी एम-4 असॉल्ट राइफलों के कारतूस बरामद किये गये। ये हथियार उनकी तैयारी और मंशा दोनों को दर्शाते हैं कि वह कितनी बड़ी तबाही फैलाने आये थे। आतंकियों ने पहले पर्यटकों के मोबाइल फोन छीने थे। इसका मकसद यह था कि किसी भी तरीके से सुरक्षा एजेंसियों को खबर न हो और लोकेशन ट्रैकिंग से बचा जा सके। फोन छीनने के बाद उन्होंने हमला तेज कर दिया। बताया जा रहा है कि एक स्थानीय फोटोग्राफर ने हमले के समय डरते-डरते ऊंचाई से इस वीडियो को रिकॉर्ड किया। वीडियो में आतंकियों की हरकतें साफ दिखाई दे रही हैं। इससे एनआइए को हमले की जांच में मदद मिल रही है।

आदिल थोकर था गाइड की भूमिका में : जांच में यह बात भी पक्की हो गयी है कि आदिल थोकर नामक स्थानीय आतंकी ने न सिर्फ बाहर से आये पाकिस्तानी आतंकियों को जंगल के रास्ते बैसरन घाटी तक पहुंचाया बल्कि हमले के दौरान भी उनका साथ दिया। फिलहाल आदिल थोकर की पहचान पूरी तरह हो चुकी है और सुरक्षाबलों ने उसकी तलाश तेज कर दी है।

सेना के अफसर बने चश्मदीद : सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना के एक अफसर भी घटना के समय घाटी में मौजूद थे। वह छुट्टी पर थे और पहलगाम घूमने गये थे। हमले के बाद उन्होंने तुरंत कुछ महत्वपूर्ण सुराग सुरक्षाबलों और एनआइए को सौंपे हैं जो जांच में बेहद अहम साबित हो रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित पोस्ट
सात राज्यों में 28 हुए गिरफ्तार, इनमें विधायक, पत्रकार, वकील और स्टूडेंट

कार्रवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। देशभर में पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित पोस्ट करने पर कई राज्यों में गिरफ्तारियां की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल हैं। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियों हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गयी है।

विधायक की विवादित टिप्पणी,

राजद्रोह का केस दर्ज : पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम ने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को सरकार की साजिश बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। इधर विधायक की विवादित टिप्पणी पर पुलिस 24 अप्रैल को गिरफ्तारी के लिए उनके घर पहुंची।

संविधान बचाओ रैली का उद्देश्य संविधान की मूल प्रस्तावना को बचाना है : केशव कमलेश

- संविधान बचाओ रैली की सफलता को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने की अग्रिम संगठनों के साथ बैठक, नेताओं को दिए दिशा निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। संविधान बचाओ रैली की सफलता हेतु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष, महासचिव एवं प्रमुख कांग्रेसजन, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल, इंटक, ओबीसी, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, फिशरमैन कांग्रेस, विधि विभाग, पंचायती राज, पूर्व सैनिक विभाग, रांची जिला एवं रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष की बैठक रविवार को हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने विभिन्न मोर्चा संगठनों, अग्रिम संगठनों के अध्यक्षों को रैली के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस क्रम में श्री कमलेश ने कहा कि देश के छात्रों, युवाओं विभिन्न समुदायों का अधिकारों का हनन किया जा रहा है। संविधान के अनुसार देश की शासन व्यवस्था नहीं चल रही है बल्कि संविधान के प्रावधानों को कुचल कर तानाशाही रवैये के साथ निरंकुश शासन प्रणाली अपनायी जा रही है। छात्रों का भविष्य, युवाओं के सपने, महिलाओं का सम्मान, नागरिकों का आत्म सम्मान कुचला जा रहा है। अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरे लोगों की आवाज कोई नहीं सुन रहा, न्यायपालिका को परोक्ष रूप से धमकाने की कोशिश की जा रही है, संविधान की मूल प्रस्तावना को तार तार करने का प्रयास किया जा रहा है, इसके विरोध में कांग्रेस खड़ी है, कांग्रेस उनके मंसूबों को जन सहयोग से पूरा नहीं होने देगी।

बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि अग्रीम मोर्चा संगठनों को संविधान के संदर्भ में महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, युवाओं, महिलाओं और किसानों के बीच विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। समाज के इन प्रमुख वर्गों के बीच जागरूकता फैलने से आम लोगों को स्वतः संवैधानिक अधिकारों के बारे में जानकारी होगी। संविधान बचाओ अभियान अगले 40 दिनों तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा और गंभीरता के साथ इस अभियान की समीक्षा प्रतिदिन की जाएगी। एनएसयूआई को विशेष कर पोस्टर एवं पंपलेट के माध्यम से शिक्षण संस्थानों, महिला कांग्रेस को स्वयंसेवी संस्थाओं एवं महिला समिति से संपर्क कर अभियान की जानकारी देकर रैली में सम्मिलित करने की मुहीम चलाने का निर्देश दिया गया, युवा कांग्रेस को विभिन्न युवा संगठनों धार्मिक-सामाजिक संगठनों के माध्यम से सामाजिक गतिविधियां चलाने वाले युवाओं से संपर्क कर अभियान एवं रैली के संबंध में जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, प्रदीप तुलस्यान, जयशंकर पाठक, संजय पांडे, अमूल्य नीरज खलको, आलोक कुमार दुबे, राजेश गुप्ता छोटू,सोनाल शांति, अभिलाष साहू, शकील अंसारी, अमरिंदर, राजन वर्मा, राकेश किरण महतो, कुमार राजा, विनय उरांव, सूर्यकांत शुक्ला, सुरजीत नागवाला, अख्तर अली, जोसाई मार्डी, प्रशांत पांडेय, बबलू शुक्ला, पप्पू अजहर, मेरी तिर्की, राजू वर्मा, नीतू देवी, धीरज सिंह, संजय कुमार, अनीता टोप्पो, मो रूसतम अली, महमूद अली, सीमा साहु, पार्वती सिंह, आदि उपस्थित थे।

मन की बात कार्यक्रम में आतंकवाद के खिलाफ कड़े संदेश : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रविवार को भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज फिर एक बार कहा कि आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कठोर कार्रवाई करने के लिये भारत संकल्पित है। इसमें भारत के 140 करोड़ जनता का भरोसा और विश्वास प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता प्रधानमंत्री के साथ खड़ी है। आतंकवाद, उग्रवाद विकास का दुश्मन है। विकास और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते हैं। इसलिये, आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कड़ी कार्रवाई का समय आ चुका है।

हेमंत सरकार आतंकवाद के खिलाफ गंभीर नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुये आतंकी हमले के बाद पूरा देश एकजुट होकर इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद के सफाये के लिये प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने का निर्देश दिया था। लेकिन, झारखंड में हेमंत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध ठोस कदम उठाने के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, झामुमो के मंत्री और प्रवक्ता गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी, राजनीति करने के लिये आपको कई अवसर मिलेंगे। लेकिन, इस कठिन समय में साढ़े तीन करोड़ झारखंडवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुये राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कीजिये। उन्होंने कहा कि राज्य में आतंकियों की बढ़ती सक्रियता ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस भले ही समय-समय पर आतंकियों को गिरफ्तार कर रही हो। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन आतंकियों को पनाह कौन दे रहा है। इन्हें संसाधन कौन उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ आतंकियों की गिरफ्तारी से आतंकवाद की समस्या को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता। जब तक इनके पूरे नेटवर्क और मददगारों का पदार्फाश नहीं होगा, तब तक राज्य पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो सकता है।

शिक्षकों के पारस्परिक अंतर जिला स्थानांतरण के लिए 20 जिलों ने नहीं भेजी सूची

- अंतर जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ ने काम जल्द पूरा करने की मांग की

खबर मन्त्र ब्यूरो

राची। शिक्षकों के पारस्परिक अंतर जिला स्थानांतरण के लिए प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिलों से सत्यापित ऑनलाइन सूची मांगी थी। तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी मात्र चार जिलों ने सूची भेजी है। 20 जिलों ने अभी तक सूची नहीं भेजी है। वहां अभी भी सत्यापन का काम चल ही रहा है। अंतर जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के मुख्य प्रदेश प्रतिनिधि प्रेम प्यारे लाल ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधीक्षक से इस काम को जल्द पूरा करने की मांग की है। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में 18 दिसंबर, 2024 को एक पत्र (ज्ञापांक-1511) जारी किया गया था। पत्र के आलोक में 18 अप्रैल, 2025 तक सभी जिलों से सत्यापित कर राज्य को ऑनलाइन सूची भेजी जानी थी। हालांकि अभी तक मात्र 4 जिलों से शिक्षकों की सूची का सत्यापन किया गया है। अभी भी 20 जिलों में सत्यापन का कार्य जारी है।

इस संबंध में प्रदेश प्रतिनिधि प्रेम प्यारे लाल ने निदेशालय में जाकर संयुक्त सचिव नंदकिशोर लाल से मिलकर बात भी की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी जिलों को पुनःसुचित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक शिक्षा मंत्री के आदेश पर सभी शिक्षकों के स्थानांतरण नियमावली संशोधन का कार्य किया जा रहा है। उसमें एक अवसर सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को अंतर जिला स्थानांतरण का मौका मिले। ऐसा प्रावधान करने को लेकर श्री लाल शीघ्र ही शिक्षा सचिव से मिल कर बात करेंगे। श्री लाल ने इस मुद्दे पर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव राम मूर्ति ठाकुर एवं प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी से बात की। उनसे आग्रह किया है कि स्थानांतरण नियमावली संशोधन में सुझाव मांगे जाने पर एक अवसर अंतर जिला स्थानांतरण के लिए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं देने के लिए नियमावली में प्रावधान करने की दें, ताकि शिक्षक-शिक्षिकाओं की परेशानियां दूर हो सके। श्री लाल ने कहा कि काफी शिक्षक मानसिक तनाव में रहकर दूसरे जिले में कार्य कर रहे हैं। इसकी वजह से बहुत शिक्षक-शिक्षिकाएं दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। कई काल के गाल में समा चुके हैं। इसीलिए एक बार अंतर जिला स्थानांतरण होना बहुत जरूरी है।

टाटानगर रेलवे स्टेशन चौक से बनेगा रिंग रोड, डीपीआर बनाने का निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्वी सिंहभूम के टाटानगर रेलवे स्टेशन के पास रिंग रोड बनेगा। यह रिंग रोड टाटानगर रेलवे स्टेशन चौक से टाटा हाता मेन रोड तक बनाया जायेगा। पथ निर्माण विभाग ने इस रिंग रोड निर्माण योजना की मंजूरी दी है और इंजीनियरों को इसका डीपीआर बनाने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि जमशेदपुर रेलवे स्टेशन चौक के पास आये दिन जाम लगता है। रेलवे स्टेशन होने की वजह से वाहनों का आवागमन काफी है। ऐसे में बाहर ही बाहर वाहन निकल जायें, इसके लिए काफी समय से रिंग रोड निर्माण की योजना पर काम चल रहा था। अब जाकर विभाग ने इसके निर्माण कार्य के लिए कदम बढ़ाया है। विभाग की ओर से कंसलटेंट की तलाश शुरू कर दी गयी है। वहीं इसका सर्वे करने के बाद डीपीआर तैयार किया जायेगा। डीपीआर की मंजूरी सरकार से मिलते ही निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है समय की मांग को देखते हुए सरकार ने रिंग रोड बनाने का फैसला लिया है। रिंग रोड के बन जाने से न केवल स्थानीय लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी, बल्कि शहर का भार भी कम होगा।

झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का तेलंगाना के कृषि मंत्री टी नागेश्वर राव ने किया स्वागत

- प्रारंभिक बैठक में धान की खेती और उन्नत तकनीक पर हुई चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। तेलंगाना के कृषि एवं सहकारिता सह हैंडलूम टेक्सटाइल विभाग मंत्री टी नागेश्वर राव ने हैदराबाद में झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का रविवार को गर्मजोशी से स्वागत किया। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के साथ हैदराबाद में प्रारंभिक बैठक के दौरान तेलंगाना कृषि विभाग के सचिव एम रघुनंदन राव के साथ हॉर्टिकल्चर डायरेक्टर शेख यास्मीन बाशा भी मौजूद थीं। प्रारंभिक बैठक में तेलंगाना में धान फसल के पैदावार और उसके संग्रहण पर लेकर चर्चा हुई। तेलंगाना सरकार ने कृषि के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए कृषि पदाधिकारियों को बड़ी संख्या में बहाल कर रखा है, जो किसानों के लिए उनकी खेती-बाड़ी में सबसे ज्यादा मददगार साबित हो रहे हैं। कृषि के क्षेत्र में तेलंगाना सरकार के द्वारा अपनाए जा रहे उन्नत तकनीक को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। 28 अप्रैल से मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की झारखंड के अधिकारियों के साथ तेलंगाना के संस्थानों का दौरा और उनके अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी।

राज्य के स्कूलों को अब मिलेंगे मिड-डे मील को अधिक पैसे, एक मई से होगी लागू नयी दर

- केंद्र ने बढ़ाई कुकिंग कॉस्ट की राशि, केंद्रांश एवं राज्यांश दोनों बढ़े

खबर मन्त्र ब्यूरो

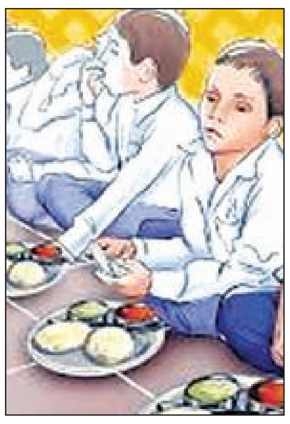

रांची। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत सरकारी स्कूलों को मिड-डे मील के लिए अब अधिक राशि मिलेगी। केंद्र सरकार ने इसके कुकिंग कॉस्ट के रूप में स्कूलों को मिलने वाली राशि में वृद्धि की है। यह वृद्धि एक मई से लागू होगी। बाल वाटिका एवं प्राथमिक (पांचवीं कक्षा तक) स्कूलों को कुकिंग कॉस्ट के रूप में प्रति छात्र अब 6.19 रुपये की जगह 6.78 रुपये मिलेंगे। इसी तरह, उच्च प्राथमिक (छठी कक्षा से आठवीं) स्कूलों को प्रति छात्र अब 10.17 रुपये मिलेंगे। पहले इस श्रेणी के स्कूलों को इस मद में प्रति छात्र 9.29 रुपये दिए जाते थे।

केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर करेंगे खर्च वहन : बाल वाटिका एवं प्राथमिक स्कूलों को कुकिंग कॉस्ट के रूप में प्रति छात्र मिलने वाले 6.78 रुपये में 4.07 रुपये केंद्र सरकार देगी, जबकि 2.71 रुपये का वहन राज्य सरकार करेगी। इसी तरह, उच्च प्राथमिक स्कूलों को प्रति छात्र मिलने वाले 10.17 रुपये में 6.10 रुपये केंद्र सरकार देगी, जबकि 4.07 रुपये का वहन राज्य सरकार करेगी। बताते चलें कि इस योजना के तहत मिड-डे मील बनाने के लिए खाद्यान्न अलग से उपलब्ध कराए जाते हैं। कुकिंग कास्ट की राशि में ईंधन, सब्जी, तेल, मसाला, नमक आदि का खर्च सम्मिलित होता है।

राजस्व उपनिरीक्षक संघ की बैठक में आठ प्रस्ताव पारित

- राजस्व उपनिरीक्षक के रिक्त पदों को अविलंब भरने की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजस्व उपनिरीक्षक के रिक्त पदों को अविलंब भरने, हल्का इकाई का पुनर्गठन करने और ग्रेड पे बढ़ाने समेत 8 मांगों को लेकर झारखंड राज्य राजस्व उप निरीक्षक संघ की बैठक रविवार को शहर अंचल कैंपस में हुई। कार्यकारिणी की इस बैठक की अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष अमर किशोर प्रसाद ने की। बैठक में राज्य के सभी 24 जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें सर्वसम्मति से आठ प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें वैसे राजस्व उप निरीक्षक, जिनका सेवाकाल तीन वर्ष हो गया है, उनका ग्रेड पे 2400 तत्पश्चात वैसे राजस्व उप निरीक्षक जिन्होंने हिंदी टिप्पण प्रारूपण परीक्षा एवं क्षेत्रीय भाषा उत्तीर्ण हैं, उनका ग्रेड पे 2800 रुपए किया जाये। वहीं, जिन्होंने सेवा संपुष्टि एवं विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और जिनका सेवाकाल 10 वर्ष हो गया है उनका ग्रेड पे 4200 करने की मांग की गयी। सभी मांगों को 2018 में बने नियमावली में शामिल किया जाये।

इसके अलावा राजस्व प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाये। अंचल निरीक्षक के रिक्त पदों को वरीयता एवं सीमित परीक्षा के माध्यम से प्रोन्नति दी जाए, सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के लिए अनुभव 5 वर्ष निर्धारित किए जायें, हल्का इकाई का पुनर्गठन किया जाए और राजस्व उप निरीक्षक के रिक्त पदों को अविलंब भरा जाए।

संघ ने कहा कि सरकार अगर उनकी मांगों पर दो माह के भीतर कार्रवाई नहीं करती है तो संघ आंदोलन करने को बाध्य होगा।

बैठक को संघ के मुख्य संरक्षक भारत कुमार सिन्हा, महामंत्री दुर्गेश मुंडा, कार्यकारी महामंत्री राजेश कुमार, संयुक्त मंत्री रविंद्र प्रसाद, महावीर प्रसाद, धर्मराज मिश्रा, बिंदेश्वर प्रसाद, रविंद्र शुक्ला, राजेश्वर पंडित, आनंद कुमार, प्रीत लाल रजक, आशुतोष चौबे, मनोज कुमार सिंह, दीपक कुमार पांडे, सुनील कुमार सिंह और बसंत कुमार ने भी संबोधित किया।

मौके पर रितेश कुमार महतो, राजेश्वर पंडित, मुरारी महतो, गुरदेव सिंह मुंडा, साइमन, सुनील कुमार महतो, सुनील कुमार सिंह, संदीप प्रजापति, बेंजामिन कुजूर, प्रवीण कुमार, रवींद्र शुक्ला, आशुतोष चौबे, अमृत पाणिग्रही समेत बड़ी संख्या में राजस्व उप निरीक्षक मौजूद थे।

लगभग 15 सौ दिनों से लोकायुक्त का पद रिक्त

भ्रष्टाचार व लोक शिकायत से संबंधित लगभग तीन हजार से अधिक मामले लंबित हैं, नहीं हो रही सुनवाई

- तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के असामयिक निधन के बाद से रिक्त है पद

उदय चौहान

रांची। अब झारखंड में लोकायुक्त का पद बेमानी हो गया है। करीब 15 सौ दिनों से लोकायुक्त का पद रिक्त है। दरअसल, तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के असमय निधन के बाद से राज्य सरकार इस पद पर बहाली की औपचारिकता पूरी करने से परहेज कर रही है। इसके कारण भ्रष्टाचार से संबंधित दर्ज मामलों की सुनवाई नहीं हो पा रही है। जबकि भ्रष्ट आचरण, भ्रष्टाचार व लोक शिकायत से संबंधित लगभग तीन हजार से अधिक मामले लंबित हो गये हैं। वर्ष 2025 में भी दर्जनों मामले दर्ज किये जा चुके हैं। इसके अलावा, हाइकोर्ट ने भी जल्द से जल्द लोकायुक्त के पद पर बहाली के लिये कड़े निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार के तंत्र में भ्रष्टाचार, कदाचार एवं निष्क्रियता से निपटने के लिये लोकायुक्त कार्यालय की स्थापना की गयी है। ताकि आम व्यक्ति का विश्वास एवं आस्था राज्य प्रशासन में कायम रह सके। झारखंड लोकायुक्त का पद 29 जून 2021 से रिक्त पड़ा हुआ है। तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के आकस्मिक निधन के बाद से ही यह खाली है।

लोकायुक्त कार्यालय में दर्ज किसी परिवाद पर रिपोर्ट मंगाना या समन की कार्रवाई करना जैसे कार्य भी फरवरी 2022 से पूरी तरह से ठप हो गया है। कार्यालय में किसी प्रकार का कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। हालांकि, अधिकारी व कर्मचारी प्रतिदिन समय पर कार्यालय आते हैं। कार्यालय अवधि समाप्त होने पर घर लौट जाते हैं। वेतन की निकासी भी होती है। कार्यालय कर्मी लोकायुक्त की नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, लोकायुक्त का पद रिक्त रहने के कारण परिवाद दायर करनेवाले लोग मायूस हैं।

इधर, राज्य सरकार ने लोकायुक्त के पद पर शीघ्र नियुक्ति का भरोसा दिया है। वहीं, प्रमुख विपक्षी दल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हेमंत सरकार भ्रष्टाचार के मामलों को संरक्षण देने में जुटी है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के रहते भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को लोकायुक्त, सूचना आयोग, महिला आयोग एवं मानवाधिकार आयोग जैसे संस्थाओं को क्रियाशील बनाने के लिये संवेदनशील होना चाहिये।

सेठी परिवार ने शादी की 25वीं वर्षगांठ पर कराया 25 जोड़ों का सामूहिक विवाह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में रविवार को सेठी परिवार ने अपनी शादी की 25वीं वर्षगांठ पर जरूरममंद 26 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया। जीतो संस्था की पूर्व अध्यक्ष पायल सेठी का विवाह श्रवण सेठी के साथ 25 वर्ष पूर्व हुआ था।

इस मौके उन्होंने अपनी शादी की 25वीं वर्षगांठ को यादगार वर्षगांठ बनाने के लिए जरूरममंद 26 जोड़ों का सामूहिक विवाह डंगरा टोली स्थित स्वर्णभूमि हॉल में कराकर इसे एक यादगार पल बना दिया।

सामूहिक विवाह के सभी रस्म पायल-श्रवण सेठी व अन्य गणमाण्य व्यक्तियों द्वारा आचार्य शंकरलाल शर्मा के सान्निध्य में पूरे किये गये। जहां वर-वधू पक्ष के अलावा सैकड़ों लोग विवाह के साक्षी बने।

भगवान की कृपा से 25 वर-वधू का विवाह कराने का सौभाग्य मिला : पायल सेठी

पायल सेठी ने कहा कि आज भले ही हम अपने शादी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि भगवान की कृपा से 25 वर-वधू का विवाह कराने का सौभाग्य मिला। यह मेरे अब तक के जीवन का सबसे बेहतर पल है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विशिष्ट अतिथि उमादेवी-प्रदीप नारसरिया के अलावा बंधु तिर्की, सांसद महुआ माजी, आईजी अखिलेश झा, डीटीओ अखिलेश कुमार, पूर्व उपमहापौर अजयनाथ शाहदेव, धार्मिक न्यास बोर्ड अध्यक्ष जयशंकर पाठक, नरेंद्र कुमार गंगवाल, झूमरमल सेठी, नरेंद्र पांड्या, अनंत काला, अमित रारा, प्रतिक मोर, पिंटू मुरारका, प्रियंका पाटनी, सरोज पांड्या, अनिता पांड्या सहित कई अन्य समाजीक, धार्मिक संस्थाओं के लोग उपस्थित थे।

राजधानी रांची में विभिन्न संगठनों ने निकाला कैंडल मार्च, आतंकवादियों को मिटाने के लिए देश का बढ़ाया हौसला

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ लोगों में आक्रोश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों को लेकर पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। पासवा के वॉलंटियर्स ने राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव और डॉ. राजेश गुप्ता के नेतृत्व में रांची के बापू वाटिका मोरहाबादी में मोमबत्तियां जलाकर और दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है। हम सब मिलकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे, जो लोग धर्म की राजनीति कर देश को बांटना चाहते हैं, उन्हें भारत की जनता ने पहले ही नकार दिया है। हमारा भारत एक था, एक है और एक रहेगा।

वहीं, लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि आतंकवादी ताकतें हमें तोड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन हम भारतवासी एक हैं और एकजुट रहकर आतंकवाद और नफरत फैलाने वालों को करारा जवाब देंगे। डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर किया गया हमला भारतीय आत्मा को झकझोरने वाला है। आतंकवादी ताकतें यह भूल जाती हैं कि भारत की ताकत उसकी एकता में है। हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं कि आतंकवाद और नफरत फैलाने वाली ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देंगे। पासवा वॉलिंटियर्स विशाल सिंह एवं सिमरन कुमारी ने कहा भारत न तो किसी धर्म के नाम पर बंटेगा, न किसी जाति के नाम पर। हम सब मिलकर एक ऐसा भारत गढ़ेंगे, जहां अमन, शांति और भाईचारा सर्वोपरि होगा।

कार्यक्रम में मेहुल दुबे, विशाल कुमार सिंह, मिलेश भारती, कृष कुमार, अर्जुन कुमार, सैयद अकबर, अजहर आलम, सिमरन कुमारी, रामकुमार प्रसाद, विश्वजीत कुमार, प्रीति सिंह, विपिन कुमार, प्रिंस राज, वीणा कुमारी, अंजलि कुमारी, इमरान खान और अर्जुन कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी उपस्थित जनों ने संकल्प लिया कि वे देश की एकता और अखंडता के लिए हर मोर्चे पर मजबूती से खड़े रहेंगे।

सोना चांदी व्यवसायी समिति ने आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ किया प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में सोना चाँदी व्यवसायी समिति ने रविवार को मोमबत्ती जुलूस निकाला। रैली में बड़ी संख्या में जेवर व्यवसायी और समाज के लोग शामिल हुए, जिन्होंने काला बिल्ला लगाकर हाथों में तिरंगा और जलती मोमबत्तियां लेकर आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

रैली में शामिल सदस्यों ने पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश व्यक्त करते हुए, सरकार से इस हमले का बदला लेने, आतंकवाद मुक्त भारत बनाने और पाकिस्तान का नामोनिसान मिटा देने की मांग की। समिति के मुख्य संरक्षक रवि कुमार पिंकू ने कहा की आतंकवादियों द्वारा किया गया सनातनी हमला राष्ट्र की एकता व अखंडता पर सीधा हमला है। मौके पर सुरेश प्रसाद साहू,केसो लाल, नंदलाल साहू,अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल कुमार बर्मन, नवीन कुमार वर्मा, मंत्री दीपू डे सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

आतंक को परोसने वाले पाकिस्तान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की अपील

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पहलगाम आतंकी हमले में दिवगंत लोगों की आत्मा की शांति के लिए कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी से पाकिस्तान के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की अपील की गई। इस कैंडल मार्च में श्री महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, इंदर सिंह, राजीव सिंह, गोपाल पारीक, लंकेश सिंह, सुनील रंजन सहाय, कैलाश केसरी, राहुल सिन्हा चंकी, पीयूष आनंद, टिंकू महतो सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया।

कायस्थ महासभा ने कैंडल मार्च निकाला

रांची। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने रविवार को रांची विश्वविद्यालय परिसर से अल्बर्ट एक्का चौक तक कैंडल मार्च निकालकर प्रतिरोध जताया गया। कैंडल मार्च का नेतृत्व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय ने किया। इस अवसर पर श्री सहाय ने कहा कि आतंकी घटना का मुंहतोड़ जवाब जरूरी है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के नापाक मंसूबे को ध्वस्त करने के लिये देशवासियों में एकजुटता जरूरी है।

युवा महावीर दल ने निकाला कैंडल मार्च

नफरत फैलाने वालों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पंचमुखी मंदिर धुर्वा से रविवार को युवा महावीर दल के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोशपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। यह कैंडल मार्च सेक्टर-2 बाजार होते हुए ऐतिहासिक पुरानी विधानसभा भवन तक पहुँचा। सभा स्थल पर शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर आलोक कुमार दुबे ने कहा धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों को देश ने नकार दिया है। भारत की असली पहचान गंगा-जमुनी तहजीब में है, जिसे हर भारतीयों ने अपनाया है। आज का भारत एकजुट है। नफरत फैलाने वालों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। मार्च मे संजीत यादव, मंटू यादव, बिट्टू कुमार, अभिषेक साहू, रविशंकर सिंह, परमेश्वर राम, बबलू शर्मा, रंजन यादव, परमेश्वर राम, मेंहुल दूबे, अमित कुमार, माहेश्वरी कुमारी, रिया कुमारी, संध्या कुमारी, काव्या कुमारी, सत्या कुमारी और तान्या कुमारी ने भाग लिया।

बार में देर रात तक चल रही थी पार्टी पुलिस ने मारा छापा, दो गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में सुबह चार बजे तक शराब पार्टी करना नियमों के खिलाफ है। शनिवार की रात को थाईलैंड की तर्ज पर पार्टी करवा रहे रांची के एक बार में पुलिस की रेड में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

क्या है पूरा मामला : राजधानी रांची के चर्च कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित एक बार में शनिवार की रात एक बजे के बाद तक डीजे के तेज साउंड में शराब पार्टी की जा रही थी। रात में विदेशी डीजे की धुन पर हर तरह के कानून को तोड़ा जा रहा था। डीजे का साउंड इतना तेज था कि मेन रोड तक उसकी आवाज जा रही थी। इसी बीच इस बात की जानकारी एक स्थानीय व्यक्ति ने डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को दी। मामले की जानकारी मिलते ही एसएसपी ने तुरंत अपने स्तर से मामले की जांच कराई और रात के करीब एक बजे पुलिस अफसर को निर्देश देकर बार पर रेड करवा दिया।

मच गया हड़कंप : एक साथ दर्जन भर पुलिस वाहनों में सवार होकर जब 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी बार में पहुंचे तब वहां हड़कंप मच गया। जिस समय पुलिस ने बार में रेड किया, उसे समय पार्टी पूरे शबाब पर थी। लड़के और लड़कियां अस्त व्यस्त कपड़ों में नाच रहे थे और शराब पी रहे थे। पुलिस ने सबसे पहले डीजे को बंद करवाया और मैनेजर को हिरासत में ले लिया। देर तक पार्टी कर रहे कई युवाओं को उनके परिजनों से बात करवा कर उन्हें घर जाने दिया गया।

पुलिस से उलझी नशे में धुत लड़कियां : बार में कुछ लड़कियां नशे में इतनी धुत्त थी कि जब उन्हें बार से बाहर निकाला जाने लगा तो वह पुलिस वालों से ही भीड़ गयीं। यहां पर महिला पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला और नशे में धुत्त लड़कियों को सबक सिखाते हुए उन्हें वापस उनके घर भेजा।

डीजे जब्त, दो गिरफ्तार : इस मामले में कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने बार के फ्लोर मैनेजर और इवेंट मैनेजर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं डीजे को भी जब्त किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोनी ने बताया कि मामले में नियमों का उल्लंघन कर समय अवधि खत्म हो जाने के बाद भी शराब पार्टी का आयोजन किया गया था। जिस पर कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई अन्य को लेकर जांच चल रही है।

संविधान बचाओ रैली व संगठन सृजन अभियान की तैयारी प्रारंभ

रांची। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान बचाओ रैली एवं संगठन सृजन अभियान के तहत सभी प्रखंडों में बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। जिलाध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो द्वारा प्रखंड कांग्रेस कमिटियों को तीन मई को पुराना विधानसभा मैदान, धुर्वा,रांची में आयोजित इस रैली को ऐतिहासिक रुप से सफल बनाने के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया है। रांची जिला के ग्रामीण प्रखंडों से 10 हजार लोगों को रैली में शामिल करने का लक्ष्य है। साथ ही, संगठन सृजन अभियान के तहत प्रखंड अध्यक्षों को अपनी प्रखंड, मंडल, पंचायत एवं ग्राम कमेटियों को पुनर्गठित करने का निर्देश दिया गया है। इस कार्य के लिए सभी प्रखंडों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। सभी कमिटियों में दो उपाध्यक्ष एवं नौ महासचिव की नियुक्ति करना है। वहीं मंडल अध्यक्ष के लिए तीन नाम जिला कमिटी को अनुमोदन के लिए भेजना है।

आलम बाजार मार्केट में लगी आग बच्चों को बचाने गये बुजुर्ग की मौत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के कांटाटोली चौक के पास स्थित आलम बजार नामक मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार को अहले सुबह आग लग गयी जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं कुछ लोग दम घुटने की वजह से बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

एक दुकान में लगी आग : राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र स्थित कांटाटोली चौक के पास मार्केट कॉम्प्लेक्स में स्थित एक दुकान में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। आग लगने की वजह से दुकान के उपर स्थित एक घर में आधा दर्जन से ज्यादा लोग फंस गए। तेज आग और धुआं की वजह से कोई भी घर से बाहर नहीं निकल पा रहा था। हालांकि कुछ लोगों को स्थानीय लोगों के द्वारा एस्बेस्टस की सीट को तोड़कर बाहर निकाला गया। जिसमें 59 वर्षीय बुजुर्ग एनुल आलम की दम घुटने की वजह से मौत हो गई। लोअर बाजार थाना प्रभारी ने बताया कि बुजुर्ग एनुल आलम की मौत दम घुटने से हो गयी है। वहीं घर में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। फायर बिग्रेड के सहयोग से समय रहते आग पर काबू पा लिया गयाहै जिससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

एक का पैर टूटा, एक की मौत : पूरा कॉम्प्लेक्स ही एनुल आलम के परिवार का है। कॉम्प्लेक्स के ऊपर एक कपड़े की दुकान है और कपड़े की दुकान के ऊपर बने घर में एनुल आलम का पूरा परिवार रहता है। कपड़े की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लगी थी। इस बीच एनुल के साथ अन्य लोगों ने मिलकर घर में फंसे सभी बच्चों और महिलाओं को बाहर निकाला। एनुल आलम दोबोरा दोबारा अंदर गए कि कहीं कोई रह गया ह, लेकिन वे अंदर ही फंस गए और बेहोश हो गए। उन्हें किसी तरह घर से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बीच आग से बचने के दौरान भागते समय एक व्यक्ति गिर गया, जिससे पैर टूट गया है।

डीडीयू-जीकेवाई के प्लेस्ड अभ्यर्थियों के लिए बेंगलुरु में एलुमनी मिलन समारोह आयोजित

देश-दुनिया में अलग पहचान बना सकते हैं झारखंड के युवा, सरकार भी निभायेगी साथ : दीपिका पांडेय

- स्किल आइकन एवं प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटिंग एजेंसियों को किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/बेंगलुरु। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा कि झारखंड के युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले, तो वे देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं। हम सभी को आप पर गर्व है। सरकार की यह जिम्मेवारी है कि वह न केवल आपके कौशल विकास में सहयोग करे, बल्कि आपकी सुरक्षित और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने में भी हर संभव मदद करें। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। श्रीमती पांडेय रविवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग की ओर से बेंगलुरु में आयोजित डीडीयू-जीकेवाई के अंतर्गत प्लेस्ड अभ्यर्थियों के लिए एक एलुमनी मिलन समारोह-2025 को संबोधित कर रही थीं।

कार्यक्रम में डीडीयू-जीकेवाई पर आधारित विशेष पुस्तक कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर का विमोचन किया गया। श्रीमती पांडे ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के युवाओं की कौशल विकास और उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ है, चाहे वे झारखंड में हों या देश के किसी अन्य हिस्से में।

डीडीयू योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सराहनीय : मंत्री पांडेय ने जेएसएलपीएस द्वारा डीडीयू-जीकेवाई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि इस फ्लैगशिप कार्यक्रम ने झारखंड के हजारों युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। मंत्री ने विशेष रूप से बेंगलुरु में जेएसएलपीएस द्वारा स्थापित माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर का उल्लेख किया, जो झारखंड के बाहर कार्यरत युवाओं को सहयोग प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

झारखंड के युवाओं को एक साझा मंच प्रदान करना कार्यक्रम का उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न भागों में कार्यरत झारखंड के युवाओं को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकें। एक-दूसरे से संवाद कर सकें और अपने विकास की यात्रा का उत्सव मना सकें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल और संवेदनशील नेतृत्व में झारखंड सरकार अपने हर युवा विशेषकर महिलाओं को कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जेएसएलपीएस द्वारा अबतक 85 हजार से ज्यादा युवाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

बेंगलुरु-हरियाणा में स्थापित माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर युवाओं की समस्याओं का करता है समाधान : कार्यक्रम में जेएसएलपीएस की सीईओ कंचन सिंह ने ग्रामीण विकास मंत्री, पीआईए के प्रतिनिधियों, भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं उपस्थित सभी अभ्यर्थियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। उन्होंने बताया कि इस तरह के एलुमनी मीट का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्ति करना है कि प्लेस्ड युवाओं को निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहे। उन्होंने जेएसएलपीएस द्वारा बेंगलुरु एवं हरियाणा में स्थापित माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि यह केंद्र न केवल कार्यरत झारखंड के युवाओं की समस्याओं के समाधान में मदद करता है, बल्कि उन्हें सामाजिक और मानसिक समर्थन भी प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में लगभग 850 प्लेस्ड अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जो विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल रहा, जिसमें युवा प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया। नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुति जैसी गतिविधियों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्किल आइकन सम्मान समारोह आयोजित : समारोह के दौरान स्किल आइकन सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में योगदान देने वाली प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटिंग एजेंसियों को सम्मानित किया गया।

गुरु अंगद देव जी व गुरु अर्जुन देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर सजा दिवान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गुरु नानक सेवक जत्था और गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु अंगद देव जी और श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय नौवें महान कीर्तन दरबार में रविवार को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब में सुबह 11:00 बजे से विशेष दीवान सजाया गया। दीवान की शुरूआत स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा हमरी गणत न गणिआ काई अपणा बिरद पछाण हाथ देए राखे कर अपणे सदा सदा रंग माण.......शबद गायन से हुई।

कथावाचन करते हुए गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने गुरु अर्जुन देव जी की महिमा का गुणगान करते हुए संगत को बताया कि गुरु रामदास जी के पुत्र थे। उन्होंने सिख धर्म को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, खासकर अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की नींव रख कर। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का संपादन भी किया और सिख धर्म की शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया। गुरु अर्जुन देव जी की रचनाएँ, जैसे कि श्री सुखमनी साहिब आज भी सिख धर्म के अनुयायियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस मौके पर रक्त दान शिविर का आयोजन भी किया गया। ये जानकारी मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने दी।

झारखंड का केंद्रीय विश्वविद्यालय बना एएनएसआई का फील्ड स्टेशन

- एमओयू के बाद अब, सीयूजे के विद्यार्थी कर सकेंगे एएनएसआई के संस्थानो में इंटर्नशिप

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीयूजे और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएनएसआई), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू हुआ। इसमें सीयूजे को एएनएसआई का फील्ड स्टेशन बनाया गया है। समझौते के दस्तावेज पर सीयूजे में दोनों पक्षों के उच्च अधिकारियों के समक्ष हस्ताक्षर किए गये। कुलपति प्रो क्षितिज भूषण दास ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय के लिए काफी लाभकारी होगा। इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को एंथ्रोपोलॉजी के क्षेत्र में उच्च ट्रेनिंग और अंतर्विषयक शोध को बढ़ावा मिलेगा। खुशी की बात है कि सीयूजे के साथ एएनएसआई ने यह समझौता किया है, जिसमें सीयूजे को झारखंड में फील्ड स्टेशन के तौर पर स्थापित किया गया है।

प्रो बीवी शर्मा, निदेशक, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता ने इस समझौते के तहत सीयूजे को मिलने वाले सहयोग से सबको अवगत कराया। इस समझौते के तहत सीयूजे को एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के फील्ड स्टेशन के तौर मान्यता दिया गया है। इस समझौते के अनुसार सीयूजे के विद्यार्थी एएनएसआई के संस्थानो में इंटर्नशिप कर सकते हैं। यह समझौता एनईपी-2020 के तहत सारे जरूरतों को पूरा करता है। विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के बाद कभी भी इंटर्नशिप कर सकते हैं। वहीं, एएनएसआई अब इस क्षेत्र से संबंधित सीयूजे के प्रोजेक्ट को भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। सीयूजे के विद्यार्थी और शिक्षक एएनएसआई के हर प्रकार के संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं, जैसे कि किताबें, लाइब्रेरी, उच्च तकनीकी प्रयोगशाला, वैज्ञानिक और तकनीकी स्टाफ, तथा एएनएसआई के भाषाविद, लोककला विशेषज्ञों द्वारा शैक्षिक सहयोग भी प्राप्त होगा।

इसके अलावा एएनएसआई का स्टेट ऑफ आर्ट, जैविक प्रयोगशाला, जिसमें ह्यूमन जीनोम सीक्वेंसिंग, डीएनए एक्ट्रेक्टिंग भी किया जाता है। उसका सदुपयोग सीयूजे के शिक्षक और शोधार्थी कर सकते हैं। इससे अंतर्विषयक शोध को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही दोनों पक्ष मिलकर सारे अकादमिक कार्य जैसे वर्कशॉप, सेमिनार, कांफ्रेंस का संयुक्त आयोजन भी करेंगे। इस समझौते के तहत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े सारे संस्थानों के साथ मिलकर भी कार्य करने की सहूलियत होगी। साथ ही एएनएसआई के जितने भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के समझौते हैं, उन सब का लाभ सीयूजे को भी एएनएसआई के सहयोगी के तौर पर मिलेगा।

सीयूजे की तरफ से कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास, कुलसचिव, के कोसल राव, डीन शोध एवं विकास, प्रो अरुण कुमार पाढ़ी सहित अन्य मौजूद थे। एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की तरफ से प्रो बीवी शर्मा, निदेशक, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता, डॉ उमेश कुमार, सीनियर साइंटिस्ट, हेड ऑफिस, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता, राज किशोर महतो, सुदीप्त कुमार बेहरा भी मौजूद थे।

झारखंड के पांच मजदूरों का नाइजर में अपहरण

- अबतक नहीं मिला सुराग, परिजन परेशान

खबर मन्त्र टीम

रांची। पश्चिमी अफ्रीका के नाइजर से पांच भारतीय प्रवासी मजदूरों का अपहरण किये जाने का मामला सामने आया है। सशस्त्र अपराधियों के द्वारा मजदूरों का अपहरण किया गया है।

अपहृत सभी मजदूर झारखंड के गिरिडीह जिला अंतर्गत बगोदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। परिजनों का कहना है कि अपहरण के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी मजदूरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इससे मजदूरों के परिजनों के घर में मायूसी का माहौल है।

जिन मजदूरों का अपहरण किया गया है उनमें दोंदलो पंचायत के संजय महतो, चंद्रिका महतो, राजू महतो, फलजीत महतो और मुंडरो के उत्तम महतो शामिल हैं।

इधर घटना की सूचना मिलने पर बगोदर के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने रविवार को दोंदलो और मुंडरो पहुंचकर अपहृत मजदूरों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि सभी मजदूरों की सकुशल वतन वापसी होगी।

पूर्व विधायक ने मामले को लेकर झारखंड सरकार के श्रम विभाग सहित वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए मजदूरों की सकुशल वापसी की दिशा में पहल किये जाने की मांग की है।

अपहृत मजदूरों के परिजनों ने बताया कि वे सभी 2024 के जनवरी महीने में नाइजर गये थे। वहां वे केपीटीएल नामक ट्रांसमिशन कंपनी में काम करते थे। परिजनों ने बताया कि उसी कंपनी में काम करने वाले मजदूरों ने घटना की जानकारी दी है। बताया कि सशस्त्र अपराधियों का जत्था कैंप में पहुंचकर सुरक्षा में तैनात कर्मियों पर हमला किया। अपहर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच फायरिंग हुई। इसमें 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत होने की बात कही गयी। इसी दौरान वहां काम कर रहे पांचों मजदूरों ने अपराधियों के पास खुद को सरेंडर कर दिया। इसके बाद अपराधियों ने सभी को अपने कब्जे में ले लिया है।

घटना को लेकर बगोदर एसडीएम नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि काम के दौरान आतंकी हमला के बाद बगोदर के पांच लोग गायब हैं। अभी ये लोग मिले नहीं हैं और जिस कंपनी के द्वारा इन्हें काम पर लगाया गया था, वह भी अपने स्तर से खोज में लगी हुई है।

एसडीएम ने कहा कि गिरिडीह से जो अन्य लोग नाइजर में हैं। वे भी कंपनी के साथ मिलकर स्थानीय स्तर से सभी चीजों का पता कर रहे हैं।

एसडीएम ने कहा कि प्रवासी सेल के अलावा वरीय पदाधिकारी को घटना की सूचना दी गयी है। उन्होंने कहा कि हमलोग सभी के सकुशल होने की कामना भी कर रहे हैं और सभी के परिवार के साथ प्रशासन खड़ा है।

छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। छात्रों के कैरियर काउंसलिंग का आयोजन कैम्पस व्यू के द्वारा रविवार को किया गया। इसमें कक्षा 12वीं के छात्रों ने भाग लिया। इस सत्र में छात्रों को विभिन्न कैरियर विकल्पों और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। लेखक और शैक्षिक मार्गदर्शक डॉ. अमरदीप सिन्हा ने छात्रों को अपने कैरियर के लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। संतोष देव ठाकुर ने छात्रों को विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी दी और उन्हें अपने कैरियर के लक्ष्यों के अनुसार सही संस्थान चुनने के लिए सुझाव दिए।

संताल सांस्कृतिक सोसाइटी के अध्यक्ष बने मानेल टुडू

- संताल सांस्कृतिक सोसाइटी की आम सभा संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रविवार को मोराबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में पूर्व निर्धारित समयअनुसार संताल सांस्कृतिक सोसाइटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सुखदेव टुडू ने की। सभा में सर्वसम्मति से पूर्व की कार्यकारिणी समिति को भंग किया गया और नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसके तहत नये अध्यक्ष मानेल टुडू चुने गये। जबकि, उपाध्यक्ष- सुखदेव टुडू, महासचिव - नीरज कुमार सोरेन, सचिव- दिनेश कुमार मुर्मू, संयुक्त सचिव- सन्तोष हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष- सेत सुप्रभा सोरेन और संरक्षक सनातन मरांडी चुने गये।

इसके अलावा सलाहकार के रूप में मार्शल भीम सोरेन एवं पटवारी सोरेन, संगठन महामंत्री लक्ष्मी टुडू, संगठन मंत्री- सुसमिता मुर्मू, रोहित मुर्मू, निर्मल मुर्मू, बेनीराम मुर्मू, छात्र-छात्रा प्रतिनिधि- डॉ डुमनीमय मुर्मू, नीरज मुर्मू, आशाकिरण मुर्मू, उषा किरण हांसदा मनोनीत किये गये। नव निर्वाचित सदस्यों का स्वागत करते हुये सनातन मरांडी ने उन्हें शुभकामनायें दी।

बालाजी मंदिर में अमावस्या को लेकर हुई विशेष पूजा

रांची। रविवार को तिरुपति बालाजी मंदिर में वैशाख कृष्ण अमावस्या तिथि पर भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर का विशेष पूजा की गयी। माना जाता है कि भगवान श्रीहरि श्रीनिवास की अर्चना, वंदना, जप, तप और होम अक्षय होते हैं। प्रातः से रात्रि तक भक्तों ने भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर के चरणों में संकल्प पूर्वक अर्चना करायी और अपने-अपने अभीष्टों की पूर्ति के लिये मंगल प्रार्थना की। दिनभर का भोग- आयुष कात्याल और स्पर्श कात्याल की ओर से लगाया। अर्चक- सत्यनारायण गौतम और गोपेश आचार्य ने दिन भर के अनुष्ठान को विधिवत संपन्न कराया। राम अवतार नरसरिया, अनूप अग्रवाल, प्रदीप नरसरिया, रंजन सिंह, गौरी शंकर, साबू प्रभास मित्तल, सीता शर्मा, यशोदा देवी, छाया दुबे, शंभू नाथ पोद्दार, सुशील गरोदिया ने भगवान के दरबार में उपस्थिति दर्ज करायी।

खबर एक नजर में

संकट मोचन हनुमान मंदिर का 11वां वार्षिकोत्सव महाभंडारे के साथ संपन्न

रांची। संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति शिव शक्ति नगर न्यू मधुकम मे संकट मोचन हनुमान मंदिर का 11 वां वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को महाभंडारे के साथ संपन्न हुआ। तीन दिवसीय वार्षिकउत्सव समारोह की पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी युगल पाठक,मुकेश पंडित,अरविंद पांडे द्वारा विधि विधान से कराई गई। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी भैरव सिंह,टिंकू चौधरी,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा आदि मौजूद थे।

घासी समाज के बुद्धिजीवियों की मंथन गोष्ठी संपन्न

रांची। रविवार को घासी समाज के द्वारा मंथन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में समाज के बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। गोष्ठी में झारखंड के बहुसंख्यक जिलों से आए प्रतिनिधियों ने घासी समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने की मांग के संभावित लाभ और हानि पर गहन चर्चा की गई। गोष्ठी में मुख्य रूप से पद्मश्री मुकुंद नायक, पद्मश्री महावीर नायक, नंदु बाबा, डॉ. अशोक नाग, डॉ. रिझु नायक, डॉ. बीरबल नाग, राजेश नायक, सुमंत मुखी, रामप्रवेश नायक, मुकेश नायक, संदीप नायक टाइगर, विनीता पाठक नायक, राजन नायक, सुबोध राम, नरेंद्र नायक, विजय शंकर नायक, कृष्ण नायक, विनोद नायक, डॉ. इंद्रजीत राम नायक, पुनु नायक और रवि मुखी ने अपने विचार साझा किए। सभा की अध्यक्षता पद्मश्री मुकुंद नायक ने की, संचालन लालधन नायक ने किया।

कला संस्कृति विभाग के समर कैंप में मिलेगा पारंपरिक लोक नृत्य और नाटक में हुनरमंद बनने का मौका

रांची। पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से निःशुल्क समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय ऑड्रे हाउस में आयोजित होने वाले इस कैंप के लिए 15 मई से 5 जून तक का समय सुबह 8 बजे से 11 बजे तक निर्धारित है। इस कैंप में चित्रकला, शास्त्रीय नृत्य- भरत नाट्यम, कथक एवं ओडिसी, गजल गायन, योग एवं ध्यान, मेंहदी रंगोली, आर्ट एंड क्राफ्ट, फैशन एवं फैंसी ड्रेस शो, नाटक, पारंपरिक लोक नृत्य और व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास जैसी विधाओं का प्रशिक्षण मिलेगा। संस्कृति निदेशक का कहना है कि इस कैंप में कक्षा 1 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स आवेदन करने के योग्य होंगे। इसके लिए ऑड्रे हाउस, झारखंड कला मंदिर, होटवार (रांची) स्थित कार्यालय में कार्यावधि के दौरान निर्धारित फॉर्मेट में आवेदन पत्र जमा करने होंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 मई है। इच्छुक प्रतिभागी सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की वेबसाइट से विस्तृत जानकारी और आवेदन प्राप्त कर सकते हैं।

एसबीयू में सुपर सैटरडे फैकल्टी एंपावरमेंट टॉक सीरीज आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में सुपर सैटरडे फैकल्टी एंपावरमेंट टॉक सीरीज (भाग-2) के अंतर्गत शनिवार को नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान का व्याख्यान हुआ। 'सैटेलाइट्स फॉर सोसाइटीः इंडियन पर्सपेक्टिव' विषय पर बोलते हुए उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास और इसमें हो रहे नवीनतम प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भारत के छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत से लेकर अब अंतरिक्ष में सशक्त मौजूदगी की चर्चा की।

इसरो के प्रमुख क्षेत्रों, अंतरिक्ष तकनीक के उपयोग, मानव अंतरिक्ष मिशन, सैटेलाइट और लॉन्चिंग सिस्टम तथा वैज्ञानिकों और युवाओं को ट्रेनिंग देने पर भी उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को बताया। साथ ही भारत के रॉकेट और मिशनों, विभिन्न देशों के उपग्रहों, उनसे मिले डेटा का उपयोग तथा भविष्य की योजना के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने डॉ. चौहान से सवाल पूछे। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने सत्र के विषय में बोलते हुए इसे छात्रों के लिए उपयोगी करार दिया। उन्होंने बताया कि इसरो की मदद से अब तक छात्र 300 से ज्यादा स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरोही आनंद ने किया। इस अवसर पर विवि के शिक्षकगण और शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़े हैं डॉ. चौहान

डॉ. प्रकाश चौहान ने आईआईटी रूड़की से एप्लाइड जियोफिजिक्स में स्नातकोत्तर और गुजरात विश्वविद्यालय से भौतिकी में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने 1991 में इसरो में वैज्ञानिक के रूप में कार्य शुरू किया और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोगों, जैसे कि भूविज्ञान, महासागर, वायुमंडलीय अध्ययन और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में योगदान दिया। वे चंद्रयान-1 और 2 जैसे ग्रह मिशनों से जुड़े रहे हैं और चंद्रमा की सतह पर जल अणुओं की खोज में निर्णायक भूमिका निभाई। वर्तमान में वे संयुक्त राष्ट्र की अंतरिक्ष उपयोग समिति के कार्य समूह के अध्यक्ष हैं और पहले ढअरअ-क्रफ्ढ ग्रह विज्ञान समूह और उएडर कार्य समूह में भी योगदान दे चुके हैं। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 2023 का एशिया पैसिफिक क्षेत्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार भी शामिल है। उन्होंने 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और वे कई वैज्ञानिक संस्थाओं के फेलो हैं।

देश से वफादार होना जरूरी : तहजीबुल हसन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुस्लिम नाम रखने से कोई मुसलमान नहीं होता। दाढ़ी, टोपी, पहनने से कोई मुसलमान नहीं होता। लिबास, कपड़ा से कोई मुसलमान नहीं होता। बल्कि अपने अंदर अच्छे अखलाक और ला इलाहा इल्लल्लाह के मफहूम को समझ कर उस पर अमल करने से होता है। अपने अंदर अच्छे अखलाक पैदा करो। मजहब ए इस्लाम में कोई जबर नहीं है। कोई भी मजहब बुराई नहीं सिखाता। मुल्क से वफादार होना जरूरी है। ये बातें झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य सह मस्जिद जाफरिया के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं। वह रविवार को समाजसेवी सैयद शाहरुख हसन रिजवी के आवास पर स्वर्गीय सैयद हसन अली रिजवी की बरसी कि मजलिस को संबोधित कर रहे थे। मौलाना ने कहा के दीन की रस्सी को मजबूती से पकड़ लो। अहले बैत से मोहब्बत ईमान है। पैगंबर मोहम्मद ने कभी किसी को डरा कर धमका कर कलमा नहीं पढ़ाया। इस मौके पर सैयद शाहरुख हसन रिजवी, शजर रिजवी, जावेद हैदर, सोहेल सईद, इकबाल फातमी, मास्टर उस्मान, एस एम जसीम रिजवी, सैयद अता इमाम रिजवी, नेहाल हुसैन सरियावी, शमीमुल हसन, जोहोर बाकर, अमूद अब्बास, नदीम रिजवी, समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बेहतर उत्पादकता के लिए प्रमाणित बीज और रोपण सामग्री का ही करें प्रयोग : डॉ बर्णवाल

- बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में पौधों के वायरस पर व्याख्यान आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आधुनिक जांच उपकरणों द्वारा विषाणु जनित रोगों की पहचान एवं प्रबंधन विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पौधा रोग प्रभाग के नेशनल प्रो डॉ वीके बर्णवाल ने बीज वाहित नुकसानदेह विषाणुओं से बचाव और बेहतर उत्पादकता सुनिश्ति करने के लिए केवल प्रमाणित बीज एवं रोपण सामग्री का ही उपयोग करने पर जोर दिया। वायरस स्क्रीनिंग के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि नियंत्रण की तुलना में बचाव हमेशा श्रेयस्कर है। डॉ बर्णवाल ने कहा कि सब्जी फसलों में बीजोपचार और मल्चिंग विषाणुओं तथा वायुजनित कीड़ों के नियंत्रण का एक प्रभावी उपाय है, क्योंकि उच्च तापक्रम से भी वायरस का नियंत्रण नहीं हो पाता। दुनिया भर के शोध संस्थाओं द्वारा अब तक 10 हजार से अधिक विषाणुओं की पहचान की गई है, जिनमें से लगभग 4000 पौधों के विषाणु हैं। ये सतह पर तथा हवा में, दोनों तरफ से फैलते हैं तथा बीज और प्रसार सामग्री सामग्री इनके लिए वाहक मेजबान का काम करते हैं।

पौधों में एक साथ कई विषाणु रोगों का प्रकोप हो सकता है : उन्होंने विषाणु रोगों की जांच सम्बन्धी नवाचारों, उनकी पहचान में आने वाली चुनौतियों, जांच संबंधी उपकरणों, धान के उभरते रोगों की हेतुकी (इटियोलॉजी) तथा विषाणु रोगों की प्रबंधन तकनीकों पर भी प्रकाश डाला। डॉ बर्णवाल ने कहा कि वायरस की प्रजातियों की पहचान, जांच और विश्लेषण के लिए पिछले 5 दशकों में एलिसा और पीसीआर दो महत्वपूर्ण तकनीक विकसित हुई है। पौधों में एक साथ कई विषाणु रोगों का प्रकोप हो सकता है। वे पौधों और कीड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन पौधों के माध्यम से मनुष्य में नहीं फैलते। अमेरिका में पौधों के विषाणुओं के प्रबंधन और नियंत्रण का कड़ा कानून है। यदि 3000 के सैंपल में एक भी पौधा इन्फेक्टेड पाया जाता है तो वह पूरे लॉट को नष्ट कर देते हैं। उन्होंने कहा कि समुचित ढांचागत सुविधाओं तथा तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता के बगैर वायरस संबंधी कोई भी जांच कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। भारत सरकार ने स्वच्छ और सुरक्षित पौधा कार्यक्रम के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1800 करोड रुपए का बजट प्रावधान किया है। नयी दिल्ली स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर प्लांट वायरोलॉजी इस प्रबंधन कार्यक्रम का समन्वयन एवं मार्गदर्शन कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने की। कृषि संकाय के डीन डॉ डीके शाही ने स्वागत भाषण तथा डॉ लाम दोर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पौधा रोग विभागाध्यक्ष डॉ एचसी लाल ने अतिथि वक्ता डॉ बर्णवाल का परिचय दिया। व्याख्यान के बाद डॉ एमके गुप्त, डॉ एस कर्मकार तथा डॉ नन्दनी कुमारी द्वारा पूछे गये सवालों का भी डॉ बर्णवाल ने जबाव दिया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'स्पलैश बैश'- किड्स पूल पार्टी का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने प्री-प्राइमरी विंग के छात्रों के लिए एक मजेदार 'स्पलैश बैश'- पूल पार्टी का आयोजन किया, जो नन्हे-मुन्नों के लिए एक आनंददायक और तरोताजा कर देने वाला अनुभव था। यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। नन्हे-मुन्नों ने चमकीले स्विम सूट पहनकर जल के छींटों से सराबोर, ठंडे-ठंडे पानी का आनंद लिया। शिक्षकों ने छात्रों को रोमांचक एवं संगीतमय खेलों में शामिल किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित करने के साथ-साथ एक आरामदायक माहौल में शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित किया। 'स्पलैश बैश' गर्मी को मात देने और स्थायी यादें बनाने का एक बेहतरीन तरीका साबित हुआ, जिससे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि नन्हे-मुन्नों को खेल-खेल में सीखते हुए आनंद लेते देखना दिल को छू लेने वाला क्षण होता है। इसके अलावा इस तरह के आयोजन रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मित्रता को बढ़ावा देते हैं, जो बाल्यवस्था के समग्र विकास के लिए एक आवश्यक तत्व हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ बेड़ो में आक्रोश, दुकानें बंद सड़कों पर सन्नाटा

बेड़ो में बंद पड़ीं दुकानें।

बेड़ो में बंद पड़ा सब्जी मंडी।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में रविवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आह्वान पर बेड़ो पूरी तरह से बंद रहा। इस बंद को कई हिंदूवादी संगठनों ने समर्थन दिया। बंद का असर प्रखंड मुख्यालय में व्यापक रूप से देखा गया। सुबह से ही प्रखंड मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा रहा। लोहरदगा रोड, गुमला रोड, महावीर चौक, जिला परिषद, बाजार टांड़ व देवी मंडप चौक की सभी दुकानें बंद रहीं। वहीं बेड़ो का प्रसिद्ध सब्जी मंडी नहीं लगा। बेड़ो से गुजरने वाली रांची गुमला मुख्य मार्ग व लोहरदगा मार्ग के सड़कों पर वाहन कम चले। यात्री वाहनों का संचालन भी बेहद कम रहा। जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतर कर नारेबाजी किया। वहीं आपातकालीन व आवश्यक सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया। वहीं लगभग सभी दुकानें और प्रतिष्ठान स्व स्फूर्त बंद रहे। बंद के मद्देनजर प्रखंड प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। प्रखंड मुख्यालय के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिससे विधि व्यवस्था बनी रहे। बंद पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

तुको में दुकानदारों ने बंद रखे अपने-अपने प्रतिष्ठान

बेड़ो प्रखंड के तुको क्षेत्र में भी भारी आक्रोश देखने को मिला। जहां रविवार को व्यापारियों और दुकानदारों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान स्वतः बंद रखे। वहीं लोहरदगा मार्ग पर गाड़ी नहीं चलने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को प्रखंड स्तरीय बैठक

भक्ति जागरण में 29 को आयेंगी शहनाज

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक में उपस्थित विभिन्न गांव से पहुंचे लोग।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के कुच्चू में नवनिर्मित शिवशक्ति हनुमत मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ सह श्रीराम कथा को लेकर मंदिर परिसर कुच्चू में प्रखंड स्तरीय सनातन धर्मावलंबियों व समाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने लोगों से आयोजन सफल बनाने की अपील किया। बताया एक से नौ मई तक होने वाली धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ से पूर्व 29 अपैल को भक्ति जागरण की प्रसिद्ध गायिका शहनवाज अख्तर का कार्यक्रम होगा। वहीं कलश यात्रा में लगभग पांच हजार महिलाएं शामिल होगें। पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा जिस प्रकार से आयोजन के लिए क्षेत्र के लोगों में उत्साह है। आयोजन भव्य होगा। इसमें सभी गांव समाज के लोगों को सहयोज्ञात्म भुमिका निभाने की जरूरत है।

वहीं प्रखंड के विभिन्न गांव से पहुंचे लोगों ने भी आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संचालन महेंद्र महतो व धन्यवाद ज्ञापन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने किया। मौके पर पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, सत्यनारायण तिवारी, दुर्गाशंकर साहू, उमाशंकर साहू, समुंदर पाहन, कैलाश पाहन, निलमोहन पाहन, चतुर साहू, रोहित साहू, राजधाम साहू, दीपक बड़ाइक, दिलीप मेहता, अमरनाथ चौधरी, नीतीश साहू, सत्यमराज कुशवाहा, भीम मुंडा, अमित राज साहू, नागेंद्र प्रसाद, अरविंद कुमार, शशि भूषण, उज्जवल साहू, संजय कुमार, रामकुमार महतो, नारायण साहू, योगेंद्र मुंडा, नेवालाल महतो, उल्लास महतो, दीनदयाल लाहरा, सिकंद्र महतो, विक्रांत तिवारी, सुबोध कुमार, सुनील नायक, रविंद्र महतो, अरूण कुमार साहू, अखिलेश कुमार, दिलेश्वर साहू, विवेक राज सहित सैकड़ों की संख्या में धार्मिक समिति के सदस्य व विभिन्न गांव से पहुंचे लोग उपस्थित थें।

खबर एक नजर में

खिलाड़ी छात्रा का किया गया जोरदार स्वागत

राहे। मणिपुर में आयोजित 68वीं अंडर 19 बालिका वर्ग स्कूली फुटबॉल टूर्नामेंट में झारखंड की टीम ने फाइनल में मेजबान मणिपुर को 2-0 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस जीत में राहे प्रखंड क्षेत्र के बंसिया गांव की खिलाड़ी हेमंती कुमारी झारखंड टीम में शामिल थीं। फाइनल मैच में झारखंड की बालिकाओं ने मेजबान मणिपुर की टीम को 2-0 हराकर चैंपियन बना। शनिवार देर शाम गांव ओर डे-बोर्डिंग पहुंचने पर खिलाड़ी छात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर बंसिया पंचायत के मुखिया नव कृष्णा लोहरा, बसंतपुर पंचायत के मुखिया चित्यतमा देवी विधायक प्रतिनिधि रोहिताश चौधरी, प्रधान दुबराज पाहान समेत प्रशिक्षु केंद्र के बालक बालिकायें मौजूद थे।

भांवरों के डंक से दो लोग गंभीर

मांडर। थाना क्षेत्र के कैंबो गांव में शादी समारोह में पहुंचे दो लोगों को भाँवरों ने काट कर जख्मी कर दिया। घटना रविवार शाम लगभग 4:00 बजे की है। बताया जाता है कि बेड़ो थाना क्षेत्र के चचकोपी गांव से कैम्बो गांव शादी समारोह में शामिल होने 35 वर्षीय सोमरा उरांव और 32 वर्षीय मांगी उराईन अन्य लोगों के साथ पहुंचे थे। ये लोग गांव के निकट बगीचे से गुजर रहे थे, इसी दौरान उनकी नजर बरगद पेड़ के नीचे गिरे भंवरे के घोसलों पर पड़ी। मधुमक्खी का छत्ता सोचकर वे दोनों छत्ते के काफी नजदीक चले गए। जैसे ही उन्होंने उस छत्ते को हाथ लगाया भंवरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। तत्काल दोनों को रेफरल अस्पताल मांडर पहुंचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया।

चर्च में उजला धूमधाम से मनाया गया

मांडर। संत अलोईस कैथोलिक चर्च, मांडर में उजला रविवार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पल्ली के 61 बच्चे-बच्चियों ने पहला परमप्रसाद ग्रहण किया। मिस्सा पूजा के मुख्य अनुष्ठाता मांडर पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर बिपिन कंडुलना के द्वारा सम्पन कराया गया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि पवित्र यूखीस्त सभी प्रकार के कृपाओ का श्रोत है। प्रभु येसु रोटी और दाखरस के रूप में अपना शरीर और रक्त देते है जो हमारे जीवन के लिये आध्यात्मिक भोजन देते हैं। मौके पर फादर चोन्हास तिग्गा, फादर संजय, काथलिक सभा के सदस्य, महिला संघ के सदस्य, युवा संघ के सदस्य, सिस्टर सरोज, सिस्टर शिवानी, नवीन टोप्पो नेल्सन तिर्की, बिबियाना एक्का, अंजलुस खलखो, एवं हजारों की बड़ी संख्या में मसीही विश्वासी उपस्थित थे।

मुरी स्टेशन पर वाटर मशीन बंद, यात्री परेशान

सिल्ली/मुरी। मुरी स्टेशन परिसर एक नंबर प्लेटफॉर्म एवं दो नंबर प्लेटफार्म पर वाटर एटीएम मशीन कई महीनो से बंद पड़ा हुआ है जिससे यात्रियों को पानी की समस्या से परेशानी उठानी पड़ रही है। बताते चले की क्षेत्र में भीषण गर्मी शुरू हो चुकी है वही पानी को लेकर क्षेत्र में समस्या बनी हुई है दूसरी ओर मुरी स्टेशन परिसर में एक नंबर एवं दो नंबर पर पानी की समस्या बनी हुई है ट्रेन आते ही लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आते हैं अंत में स्टेशन पर स्टॉल के माध्यम से 20 रुपया बोतल पानी खरीद कर पीते हुए नजर आते हैं स्टॉल वाले का पानी ज्यादा सेल होता है जिससे मुनाफा अधिक कमाते हैं। स्टेशन परिसरों पर केंद्र सरकार के द्वारा यात्रियों को सुविधा के लिए वाटर एटीएम मशीन लगाया गया है जहां 5 रुपया में पानी दिया जाता है। मगर मुरी स्टेशन में वाटर मशीन बंद पड़ा हुआ है जिससे स्टॉल पानी बेचकर मुनाफा ज्यादा कमाने में लगे हुए हैं। वही रेलवे के अधिकारी द्वारा किसी प्रकार का कार्रवाई नहीं किया जाना समझ से परे बना हुआ है।

अज्ञात अपराधी ट्रैक्टर छीन कर भाग निकले

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के हुटाप घाटी में अज्ञात अपराधियों ने ट्रैक्टर की छीनतय किया। घटना 23 अप्रैल की लगभग रात्रि 1:30 बजे का बताया जाता है। जानकारी के अनुसार खलारी थाना क्षेत्र स्थित ईटभट्ठा से ट्रैक्टर चालक विनोद मुंडा व सहयोगी मनीष गंझू के साथ कार्य कर अपने घर करम्बा थाना बुढ़मू जा रहा था। इसी दौरान हुटाप घाटी में रात्रि 1:30 बजे पांच की संख्या में अज्ञात अपराधी ट्रैक्टर रोक कर ट्रेक्टर मालिक का नाम पूछा गया। मालिक का नाम बताने पर अपराधियों ने मालिक का रंगदार बनता है जैसे बात कही। उसके बाद ट्रैक्टर को जबरजस्ती छीन कर सभी अपराधी बलथरवा की ओर भाग गए। घटना की सूचना ट्रैक्टर मालिक अजय मुंडा को दिया गया। ततपश्चात ट्रैक्टर मालिक खलारी थाना में पहुँचकर मामला दर्ज कराते हुए बताया कि आदित्या गंझू ग्राम भगिया थाना बालूमाथ निवासी और उनके साथी ने घटना का अंजाम दिया है। थाना में मामला दर्ज करते हुए पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है।

आजसू पार्टी पुरुलिया जिला कमेटी की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। आजसू पार्टी पुरुलिया जिला कमेटी की एक बैठक रविवार को सिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय परिसर में जिला सभापति अतुल माहातो की अध्यक्षता में की गई। आजसू पार्टी प्रमुख सह पुर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में पार्टी की मजबूती एवं विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।इस दौरान सुदेश महतो ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरे बंगाल में संगठन को विस्तार देने की तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि बागमुंडी विधानसभा के लोगों का आजसू पर विश्वास बढ़ा है। इसे बरकरार रखने के लिए हमें एक जुटता से काम करना होगा। संगठन में अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर सरकार की ओर से बनाई जा रही हर गलत नीतियों को आवाज उठाने होंगे। उन्होंने सर्वसम्मति से पंचायत स्तर पर प्रभारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य कन्वेनर अजय महतो, धिरेन रजक, श्रीधर माहातो, झालदा प्रखंड अध्यक्ष बंकिम माहातो, जिला सचिव गोऊर माहातो, बागमुंडी प्रखंड अध्यक्ष आशुतोष पांडे आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, राजेश माहातो, विकास माहातो, रिझु माहातो, बैद्यनाथ कुइरी, नितिश कुइरी, दिपक माहातो, हरे कृष्ण माहातो, महेश्वर कालिंदी, रतन माहातो, अम्बुज माहातो, जयपाल माहातो, अननुप गोस्वामी समेत आजसू कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस की बैठक में संगठन के सृजन पर चर्चा

संविधान बचाओ सभा सफल बनाने का निर्णय

- तीन मई को है कार्यक्रम
- जुटेंगे हजारों कार्यकर्त्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जिला के निर्देश पर रविवार को पार्टी प्रखंड इकाई की बैठक लहना के पूर्व मुखिया लक्ष्मीनारायण भगत के मखमंदरो स्थित आवासीय परिसर में हुयी। इसमें संगठन सृजन 2025 को लेकर चर्चा की गयी। इसके उपरांत, तीन मई को पुराने विधानसभा मैदान में आहूत संविधान बचाओ सभा को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। इसमें प्रखंड की खास भागीदारी होगी। कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्त्ताओं का जुटान होगा। अध्यक्षता कुशल उरांव ने की, जबकि संचालन लक्ष्मी नारायण भगत ने किया। वहीं, धन्यवाद ज्ञापन अतुल राज ने दिया।

बैठक में लिया हिस्सा

प्रखंड पर्यवेक्षक ऐनुल हक, हटिया विधानसभा प्रभारी सईद अंसारी समेत रामकुमार तिवारी, सुखमणि उरांव, जसीम अंसारी, मंजूर आलम, वीरेंद्र मुंडा, अनिल उरांव, महादेव उरांव, नुसरत प्रवीण, मधुपाल, रुस्तम अंसारी व सोमनाथ उरांव आदि दजनों लोग मौजूद थे।

वक्फ कानून को लेकर केंद्र पर चौतरफा हमला

महागठबंधन करे आंदोलन की घोषणा : आजाद

- मंत्री को मांग पत्र सौंपा
- काले कानून की दी संज्ञा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। देश की हालिया वक्फ संशोधन कानून को लेकर केंद्र सरकार पर चौतरफे हमले हो रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को मोमिन कॉन्फ्रेंस की जिला इकाई के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद की ओर से मंत्री हफीजुल हसन और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप कर महागठबंधन से आंदोलन की घोषणा करने की मांग की गयी। पत्रकारों से बातचीत करते हुये श्री आजाद ने कहा कि मुसलमानों के लिये यह काला कानून है। इसके जरिये संविधान में प्रदत मौलिक अधिकारों के हनन की साजिश है। इसकी रक्षा करना धर्म निरपेक्ष दलों का कर्तव्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस तरह परिसीमन, डीलिस्टिंग, सरना कोड व डॉ भीमराव अंबेडकर मामले में सड़क पर उतर कर आंदोलन किया गया, उसी तर्ज पर वक्फ के खिलाफ भी जोरदार और चरणबद्ध आंदोलन होने चाहिये।

दिलाया गया भरोसा

श्री आजाद ने जानकारी दी कि मंत्री हसन और कमलेश ने उन्हें सेक्युलर दलों से इस एजेंडे पर मशविरा कर इसकी रूपरेखा तय किये जाने का भरोसा दिलाया गया है। उन्होंने दोनों से हुयी मुलाकात को रचनात्मक बताया और कहा कि समाज को ईसाई, बौद्ध, जैन व सिख समुदाय से भी सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

तेज रफ्तार मोटर साइकिल ने कार को टक्कर मारी

रातू। बेलांगी मोड़ के समीप रविवार की दोपहर तेज रफ्तार बाईक जेएच 01 इसी 6420 अनियंत्रित होकर स्कूल वैन से टकरा गयी। इससे उसपर सवार तीनों लोग घायल हो गये। वह एक ही परिवार के बताये जा रहे हैं। इसमें लोहरदगा किसको निवासी 38 वर्षीय धनेश राम, उसकी पत्नी 32 वर्षीया मीणा देवी और 12 साल के पुत्र ओंकार कुमार शामिल हैं। दुर्घटना में मीणा और ओंकार को गंभीर चोटें आयी है। घायलों का इलाज मादी मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में चल जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, तीनों शादी समारोह से पैतृक गांव लौट रहे थे। तेज गति होने के कारण बाईक असंतुलित होकर घर के बाहर खड़ी विंगर कार से टकरा गयी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाईक को जब्त कर लिया है।

ओरमांझी में खरवार भोगता समाज की बैठक

अमरनाथ व निलांबर बने अध्यक्ष सचिव

बैठक में उपस्थित खरवार भोगता समाज के लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के बंडा (जतरा मेला) बघिन बंडा के मंच पर खरवार भोगता समाज विकास संघ की गए बैठक हुई। अमरनाथ भोगता की अध्यक्षता में हुई बैठक में समाज में भोगता की पिछड़ेपन पर चिंता जताया गया। वहीं भोगता समाज को शिक्षा व विकास के लिए समाज को संगठित करने व जागरूका लाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए खरवार भोगता विकास संघ का गठन किया गया। केंद्रीय प्रवक्ता तुलसी खरवार, परमेश्वर भोगता व लहरू गंझु की उपस्थिति में सर्वसम्मति से अमरनाथ भोगता को अध्यक्ष व निलांबर खरवार को सचिव बनाया गया। वहीं उपाध्यक्ष, प्रेमसागर खरवार, राजबली गंझु, करमा भोगता, प्रभु भोगता को बनाया गया। वहीं सह-सचिव सुनील खरवार राजू भोगता, शंकर भोगता को व कोषाध्यक्ष जय खरवार व मिडिया प्रभारी परमेश्वर गंझु को बनाया गया। इसके अलावे चमरलाल भोगता को मुख्य संरक्षक बनाया गया। वहीं सिकेंद्र सिंह खरवार, राहुल भोगता, जगेश्वर भोगता, जगदीश भोगता, कामेश्वर भोगता, धर्मनाथ भोगता, मुकेश भोगता, लशन भोगता, मुकेश साहू, राजकिशोर भोगता को सक्रिय सदस्य बनाया गया है। बैठक में उपस्थित लोगों द्वारा चुने गए पदाधिकारियों को बधाई दी गई।

भाजपा नेता ने शादी के लिए की आर्थिक मदद

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के करांजी गांव निवासी एक लड़की आंचल कुमारी का शुभ विवाह एक मई को होने वाली है। उसके विवाह में भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने आर्थिक सहयोग किया है। उनके पहल व निर्देश पर बेड़ो व नरकोपी भाजपा मंडल के बलराम सिंह, राजेश कुमार, आदित्य ताम्रकार व ओम प्रकाश साहू आदि ने लड़की के घर जा कर आंचल कुमारी को सहायता देकर उसे विवाह में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। वहीं मौके पर सहयोग प्रदान करते हुए बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि सन्नी टोप्पो क्षेत्र के गरीबों के मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इधर स्वजनों ने कहा कि सन्नी टोप्पो के मदद मिलने पर वे अब बेटी की शादी संभव हो सकी। इसके लिए स्वजनों ने सन्नी टोप्पो के प्रति आभार व्यक्त किया है। वहीं मौके पर संदीप गोप विजय गोप,बसंत गोप, पारस गोप व बबलू गोप समेत कई लोग मौजूद थे।

हुटुप गौशाला की गायों को एक माह मिलेगा तरबूज

गौशाला धाम की गाय को तरबूज भोग लगाते।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के हुटुप गौशाला धाम ओरमांझी में रविवार को तजबूज की भोग लगाया गया। हुटुप गौशाला न्यास समिति के मुकेश काबरा व वासुदेव भल्ला ने भोग लगाकर गाय को तरबूज खिलाया, कहा कई ऐसे लोग हैं। जिनके सहयोग से गौशाला के गाय की सेवा होती है। कई गाय सेवक व दान दाताओं द्वारा गायों को चारा तरबूज देने की इच्छा जताया है। कहा भोग लगाकर गायों को तरबूज खिलाया गया। रविवार से एक माह तक गौशाला के सभी गाय को चारा में तजबूज दिया जायेगा। मौके पर न्यास समिति व गौशाला धाम के कई लोग उपस्थित थें।

तमाड़ प्रखंड मुख्यालय में सभागार में रुआर 2025 कार्यशाला

खबर मन्त्र संवाददाता

प्रखंड। तमाड़ मुख्यालय में रुआर 2025 कार्यशाला झारखंड सरकार स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा दिये गये आदेश के तहत समग्र शिक्षा अभियान को सफल बनाने के लिए रुआर 2025 कार्यशाला का आयोजन प्रखंड तमाड़ मुख्यालय सभागार में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संतोष कुमार महतो निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी तमाड़ ने की। कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों का भव्य स्वागत छात्राओं शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी तमाड़ ने अध्यक्षीय भाषण में रुआर 2025 कार्यक्रम के उद्देश्य, आवश्यकता एवं उद्देश्य को पूरा करने की रणनीति एवं समय सीमा की जानकारी प्रदान की। अभियान पूरे प्रखंड में 21 अप्रैल से 15 मई तक चलाया जायेगा। कार्यक्रम प्रतिदिन विभाग द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जन प्रतिनिधि सरकारी पदाधिकारी परियोजना कर्मी तथा शिक्षकों की पूर्ण सहभागिता होनी चाहिए। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मुमताज अंसारी ने प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की तथा इसकी सब सफलता कैसे मिलेगी इस पर भी चर्चा की। परियोजना पदाधिकारी ए.पी.ओ. अखिलेश कुमार ने रुआर कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। जिला परिषद सदस्य भवानी मुंडा ने विद्यालय में बच्चों को गुणवंता पूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी सावित्री कुमारी ने कहा कि कोई बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे उसके लिए नामांकन अभियान को मुख्य स्तर पर पूरा किया जाए। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो तथा गुणवंतता पूर्ण शिक्षा बच्चों को दिया जाये। जिससे सरकारी विद्यालय के बच्चे निजी विद्यालय से पीछे ना रहे साथ ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शांति मुनि तिर्की ने अपने प्रखंड के सभी आये हुए छात्रों के अभिभावक एवं शिक्षक से विनम्र अपील करते हुए कही की इस रुआर 2025 अभियान के तहत हर गरीब से गरीब बच्चों को स्कूली शिक्षा मे जोड़ने का काम करेंगे ओर इस अभियान को सफल बनाने मे मदद कर अपने प्रखंड को शिक्षा के क्षेत्र मे आगे ले जाने का काम करेंगे साथ ही मौजूद अन्य जनप्रतिनिधियों, कल्याण पदाधिकारी अमित कुमार, उप प्रमुख शकुन्तला खंडित, जिला परिषद सदस्य भवानी मुंडा, पंचायत समिति सदस्य रेशमा देवी, मुखिया अनिता देवी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कार्यालय से गंगाधर महतो JE लेखापाल पदाधिकारी विलकन हंस, अनिमेष कुमार कंचन कुमारी, सुमित कुमार, सविता दास, BRP आनंद महतो, संजीव कुमार, भवानी महतो, उफ्फ बासुदेव प्रियदर्शी, अशोक कुमार सिंह ललित कुमार महतो, उषा कुमारी वीरेंद्र कुमार महतो आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मौके पर मौजूद शिक्षक पिनाकी महतो, रामदयाल महतो, अर्जुन महतो धनेश्वर प्रामाणिक, तरणि कुमार महतो, सुबोध कुमार महतो, भगीरथ हजाम, आत्मीय प्रकाश पंडा बैद्यनाथ महतो, राजकिशोर महतो, नवलकिशोर सिंह मुंडा दलगोविंद सिंह मुंडा , रामपुकार सिंह मुंडा आदि उपस्थित रहे।

पानी को तरसेगा पाकिस्तान

आने वाले दिनों में जमीनी स्तर पर ऐसी कार्रवाई देखी जा सकती है जिससे 1960 की सिंधु जल संधि पर लगी रोक का प्रभाव दिखने लगेगा। इस संधि के जरिये भारत से पाकिस्तान की सिंधु नदी घाटी में बहने वाली नदियों के पानी के इस्तेमाल पर नियंत्रण किया जाता है। सूत्र ने इस तरह की धारणा को भी खारिज कर दिया कि पश्चिम की नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब पर भारत की जल भंडारण क्षमता बढ़ाए बिना कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है जिन पर संधि के मुताबिक पाकिस्तान का अधिकार है। पानी के एक नदी घाटी से दूसरी नदी घाटी में हस्तांतरण पर लगाया गया था। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के एक दिन बाद, भारत ने सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया और पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कम कर दिया। विश्व बैंक की मध्यस्थता में इस संधि पर भारत और पाकिस्तान ने 19 सितंबर, 1960 को हस्ताक्षर किया था। इस संधि के तहत, सिंधु नदी प्रणाली के उपयोग के संबंध में दोनों देशों के अधिकारों और दायित्वों को परिभाषित किया। इस संधि के तहत पश्चिम की नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी को पाकिस्तान और पूर्व की नदियों, रावी, व्यास और सतलुज के पानी को भारत को आवंटित किया गया था। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत से अधिक सिंचाई सिंधु नदी घाटी के पानी पर निर्भर करती है। इस समझौते के तहत, भारत ने पश्चिमी नदियों का उपयोग गैर-उपभोग वाले उद्देश्यों के लिए करने का अधिकार बरकरार रखा था जिसमें सीमित सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन शामिल है। हालांकि, उनके प्रवाह को इस तरह से संग्रहित करने या बदलने पर बाधाएं थीं जिससे पानी का प्रवाह प्रभावित हो सकता था। अब भारत 20 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन कर सकता है।

जल, बदल पायेगा पाकिस्तान का व्यवहार?

सिंधु जल समझौता (आईडब्ल्यूटी) स्थगित कर भारत ने एक तगड़ा कदम उठाया है। हालांकि, अभी देखना बाकी है कि यह कदम पाकिस्तान का व्यवहार बदलने के लिए क्वर्ष 2020 में चीन के साथ सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद भारत ने वहां की कंपनियों के लिए देश में कारोबार करना काफी मुश्किल बना दिया था। भारत ने चीन को झुकाने के लिए टिकटॉक सहित कई मोबाइल ऐप्लिकेशन (ऐप) पर भी प्रतिबंध लगा दिए थे। बिजनेस स्टैंडर्ड को दिए साक्षात्कार में पूर्व विदेश सचिव एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने कहा था, ह्यअगर आपको लगता है कि ऐप पर पाबंदी लगाकर चीन का व्यवहार बदला जा सकता है तो फिर मैं आपको शुभकामनाएं ही दे सकता हूं।ह्य मेनन ने कहा था, ह्यमुझे नहीं लगता कि इन ऐप को तैयार करने वाली कंपनियां और इनके मालिक चीन की सरकार पर किसी तरह का दबाव बना पाएंगे। इससे चीन के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आएगा।

मगर पाकिस्तान के मामले में सिंधु जल समझौता (आईडब्ल्यूटी) स्थगित कर भारत ने एक तगड़ा कदम उठाया है। हालांकि, अभी देखना बाकी है कि यह कदम पाकिस्तान का व्यवहार बदलने के लिए काफी होगा या नहीं। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुआ था। तब से दोनों देश कई बार भिड़ चुके हैं मगर इस समझौते पर युद्धों एवं आपसी विवाद का कोई असर नहीं हुआ। जब भी सिंधु नदी का पानी रोकने की बात उठती तो पाकिस्तान तुरंत हरकत में आ जाता था। पाकिस्तान ने पहले और अब एक बार फिर चेतावनी दी है कि सिंधु जल समझौते का उल्लंघन पाकिस्तान के खिलाफ ह्ययुद्ध का ऐलानह्ण ही माना जाएगा।

तिब्बत में हिमालय की ऊंची चोटियों से निकलकर सिंधु नदी जम्मू-कश्मीर से होते हुए पाकिस्तान में प्रवेश करती है। यह नदी पंजाब और सिंध के उपजाऊ इलाकों में बहती हुई बाद में अरब सागर में मिल जाती है। सिंधु नदी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए हमेशा से जीवन रेखा की तरह रही है। पाकिस्तान में कुल श्रम बल के आधे हिस्से को रोजगार देने के साथ ही यह नदी उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कम से कम एक चौथाई योगदान देती है।

अप्रैल 1948 में भारत ने पहली बार पाकिस्तान की तरफ सिंधु नदी का प्रवाह रोक दिया था। उस समय नए देश के रूप में अस्तित्व में आए पाकिस्तान के हुक्मरान को पहली बार एहसास हुआ था कि भारत इस नदी के पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है। पाकिस्तान को यह भी महसूस हुआ कि उसे सिंधु जल के मामले में भारत सरकार के रहमो करम पर निर्भर रहना होगा।

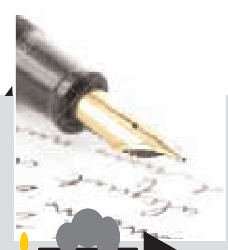

- आदिति

> विशेषज्ञों का कहना है कि सिंधु जल समझौते में दोनों देशों के बीच बातचीत एवं संवाद की व्यवस्था की गई थी। अक्सर आपसी बातचीत से दूर रहने वाले दोनों देशों में से किसी ने भी इस व्यवस्था का इस्तेमाल नहीं किया है। पाकिस्तान को जल रोकने के लिए क्या भारत तेजी से बांधों का निर्माण कर सकता है

जब भारत ने 2008 में बगलिहार बांध में पानी भरना शुरू किया तो चिनाब नदी में जल का प्रवाह अत्यधिक कम हो गया। इससे बौखला कर लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक हाफिज सईद ने धमकी दी कि पानी रुका तो फिर खून बहेगा। वर्ष 2009 में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी (एक अंतराल के बाद वह वर्तमान राष्ट्रपति भी हैं) ने अमेरिकी समाचार पत्र वॉशिंगटन पोस्ट में लिखे अपने एक आलेख में अमेरिका से अनुरोध किया कि वह भारत के साथ जल सहित तमाम विवादास्पद मुद्दों के समाधान में भूमिका निभाए। जरदारी ने कहा कि जल का मसला काफी गंभीर है और इसका समाधान नहीं होने के विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ ही दक्षिण एशिया में चरमपंथ और आतंकवाद को भी शह मिल सकती है।

2016 में उरी में आर्मी बेस पर जैश-ए-मोहम्मद के हमले में 19 जवानों की शहादत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संसाधन मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक बुलाई जिसमें सिंधु नदी जल समझौते पर चर्चा हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्यखून और पानी एक साथ नहीं बह सकतेह्ण। कुछ हफ्तों बाद बठिंडा में रावी नदी के किनारे उन्होंने कहा कि वह ह्यपाकिस्तान में रावी नदी का एक बूंद पानी जाने नहीं देंगेह्ण। हालांकि भारत को सिंधु जल समझौता स्थगित करने की घोषणा करने में 9 वर्षों का समय लग गया।

इस समझौते के निलंबित रहने से पाकिस्तान को कितना नुकसान होगा? इसे एक उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। पाकिस्तान के कृषि मंत्रालय के अनुसार लाहौर में इस समय एक क्विंटल (100 किलोग्राम) टमाटर की कीमत 3,600-4,000 पाकिस्तानी रुपये है। अगर सितंबर में चिनाब नदी का जल स्तर कम हो जाता है तो रबी फसलों की बुआई में देरी होगी। इससे टमाटर की उपलब्धता कम हो जाएगी और दाम काफी बढ़ जाएंगे जिससे महंगाई ऊंचे स्तरों पर पहुंच जाएगी।

सरकार नियंत्रित पाकिस्तान काउंसिल ऑफ रिसर्च इन वाटर रिसोर्सेस (पीसीआरडब्ल्यूआर) ने आगाह किया है कि 2025 में देश में जल संकट विकराल रूप ले सकता है। पाकिस्तान जल पर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की अपील करता रहा है। बगलिहार बांध भारत के खिलाफ अपील हारने के बाद वहां की सीनेट समिति ने उस समय सिंधु आयुक्त सैयद जमात अली शाह पर ह्यगद्दारीह्ण करने और भारत को जल आपूर्ति पर नियंत्रण हासिल करने की ह्यक्षमताह्ण मुहैया कराने का आरोप लगाया। शाह पाकिस्तान से भाग गए और कनाडा में शरण की मांग की। पाकिस्तान के समाचार पत्रों के अनुसार वह अब कनाडा के नागरिक बन चुके हैं जहां से उनके प्रत्यर्पण एवं पाकिस्तान में मुकदमा चलाए जाने की मांग खारिज हो चुकी है। वर्ष 2018 में नरेंद्र मोदी ने किशनगंगा बिजली संयंत्र का उद्घाटन किया और इस दौरान पाकिस्तान यह शिकायत करता रहा कि इस बांध ने सिंधु जल समझौते का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान ने विश्व बैंक से भी हस्तक्षेप की मांग की मगर उसकी अर्जी नहीं सुनी गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि सिंधु जल समझौते में दोनों देशों के बीच बातचीत एवं संवाद की व्यवस्था की गई थी। अक्सर आपसी बातचीत से दूर रहने वाले दोनों देशों में से किसी ने भी इस व्यवस्था का इस्तेमाल नहीं किया है। पाकिस्तान को जल रोकने के लिए क्या भारत तेजी से बांधों का निर्माण कर सकता है?

क्या जल अकेला सबसे बड़ा ऐसा मुद्दा बन सकता है जो पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने लगाने के साथ उसका व्यवहार बदलने के लिए विवश कर सकता है? अगर ऐसा होता है तो दुनिया की यह पहली घटना होगी और भारत एक भी गोली चलाए बिना ही जंग जीत जाएगा।

लेटर टू एडिटर

ग्लोबल वार्मिंग का असर

यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी।

– जीवीएस शास्त्री, रांची

ट्वीट

पहलगाम में हुआ दुस्साहसी आतंकी हमला एक भयावह त्रासदी है। मैं यहां के हालात को समझने और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयावह हमले की निंदा की है और पूरी तरह से देश का समर्थन किया है। जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं और स्नेह हैं। मैं सभी को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि पूरा देश एकजुट होकर साथ खड़ा है।

कल हमारी सरकार के साथ एक बैठक हुई, जिसमें संयुक्त विपक्ष ने इस हमले की निंदा की और स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार जो भी कदम उठाना चाहे, हम उसका पूरा समर्थन करेंगे।

– राहुल गांधी, सांसद

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यो में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

पंचायत को मजबूत बनाने की मुहिम और जमीनी स्तर पर शासन

देश की 2,16,000 पंचायतों को गरीबी उन्मूलन और बेहतर आजीविका, स्वास्थ्य, जल की पर्याप्तता, समुचित अधोसंरचना और सुशासन जैसे मानकों पर आंका गया और रैंकिंग प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में कहा कि बीते दशक में कई पहल की गई हैं। इस संबंध में हाल ही में पंचायती राज मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया और पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) शुरू किया। देश की 2,16,000 पंचायतों को गरीबी उन्मूलन और बेहतर आजीविका, स्वास्थ्य, जल की पर्याप्तता, समुचित अधोसंरचना और सुशासन जैसे मानकों पर आंका गया और रैंकिंग प्रदान की गई। यह सूचकांक देश के सतत विकास के एजेंडे में ग्रामीण स्थानीय निकायों की अहम भूमिका की साहसी स्वीकारोक्ति है। संयुक्त राष्ट्र जहां विभिन्न देशों के स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन की प्रगति की निगरानी करता है और नीति आयोग का एसडीजी इंडिया इंडेक्स राज्य स्तर के प्रदर्शन पर नजर रखता है वहीं हाल के वर्षों में इन लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर जोर दिया गया है ताकि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इस संदर्भ में पीएआई एक स्वागतयोग्य कदम है और भविष्य में इसकी कवरेज को सभी 2,69,000 पंचायतों तक बढ़ाया जाना चाहिए। बहरहाल, इसके परिणाम चिंताजनक हैं। एक भी पंचायत ऐसी नहीं रही जिसने अचीवर्स की श्रेणी में जगह बनाई हो।

केवल 699 पंचायतों को अग्रणी घोषित किया गया है। इसके अलावा बहुत बड़े पैमाने पर भौगोलिक असमानताएं भी हैं। 699 अग्रणी पंचायतों में से 346 गुजरात की, 270 तेलंगाना की और 42 त्रिपुरा की हैं, जबकि कई राज्य काफी पीछे हैं। पंचायतें शासन का वह स्तर हैं जो जनता के सबसे करीब होता है। शीर्ष से नीचे की ओर आने के मॉडल के बजाय

समाज

भविष्य में इसकी कवरेज को सभी 2,69,000 पंचायतों तक बढ़ाया जाना चाहिए। बहरहाल, इसके परिणाम चिंताजनक हैं। एक भी पंचायत ऐसी नहीं रही जिसने अचीवर्स की श्रेणी में जगह बनाई हो। केवल 699 पंचायतों को अग्रणी घोषित किया गया है।बहुत बड़े पैमाने पर भौगोलिक असमानताएं भी हैं। 699 अग्रणी पंचायतों में से 346 गुजरात की, 270 तेलंगाना की और 42 त्रिपुरा की हैं, जबकि कई राज्य काफी पीछे हैं।

पंचायत के नेतृत्व वाला रुख ऐसी रणनीतियां बनाने की इजाजत देता है जो हर गांव की खास सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रख सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो यह और भी अहम है जहां अक्सर सबके लिए एक समान नीतियां नाकाम साबित होती हैं। बहरहाल, अपर्याप्त वित्तीय संसाधन भी ग्रामीण स्थानीय निकायों के सुचारू कामकाज में एक बड़ी बाधा हैं। देश की अधिकांश पंचायतें फंड के लिए सरकार के ऊपरी स्तरों पर बहुत अधिक निर्भर रहती हैं और उनके पास अपने राजस्व के लिए बहुत सीमित संसाधन होते हैं।

संपत्ति, स्थानीय बाजारों या कारोबारों पर या तो समुचित कर नहीं लग पाता या फिर इन पर कर लगाना राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील होता है, खासतौर पर गरीब या छोटे गांवों में ऐसा करना मुश्किल होता है। रिजर्व बैंक द्वारा पंचायतों की वित्तीय स्थिति पर कराया गया एक अध्ययन बताता है कि 2022-23 में सभी स्रोतों से प्रति पंचायत औसत राजस्व महज 21.23 लाख रुपये था। इसमें से स्थानीय करों और शुल्क द्वारा उनका निजी राजस्व कुल राजस्व का केवल 1.1 फीसदी ही था। सीमित तकनीकी अधोसंरचना और डिजिटल साक्षरता की कमी भी समस्या को बढ़ाती है। इनकी वजह से निगरानी, आकलन और प्रगति की रिपोर्टिंग पर असर पड़ता है। जमीनी स्तर पर प्रयासों का विभाजित होना भी उतना ही दिक्कतदेह है। गांवों में कई सरकारी विभाग बहुत कम तालमेल के साथ एक ही समय पर काम करते हैं। इसका परिणाम काम के दोहराव और संसाधनों की बरबादी के रूप में सामने आता है। विभिन्न विभागों की गतिविधियों और योजनाओं में तालमेल नहीं होने पर अक्सर सतत विकास लक्ष्यों के अधीन परिकल्पित समग्र विकास दूर ही बना रहता है। पंचायतों की पूर्ण संभावनाओं का इस्तेमाल करने के लिए यह प्रयास किया जाना चाहिए कि उनकी सांस्थानिक क्षमता बढ़ाई जा सके। इसमें लक्षित प्रशिक्षण मुहैया कराना, डिजिटल समावेशन को बढ़ाना, निर्णय प्रक्रिया में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा और फंड का समय पर आवंटन शामिल है। विभागों के बीच बेहतर समन्वय भी महत्त्वपूर्ण है।

दुरुस्त हो सूर्य घर बिजली योजना

एनर्जी

मॉड्यूल के आकार और उपकरणों की गुणवत्ता में फर्क होने के कारण उपकरण को लगाने यानी इंस्टॉलेशन में समस्या आने लगी और उपभोक्ता उसे लगवाने से इनकार करने लगे।

भारत में सौर ऊर्जा के अपेक्षाकृत कम उत्पादन और ताप बिजली पर अधिक निर्भरता देखकर पिछले वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का ऐलान किया गया। इसे बड़ी क्रांतिकारी योजना माना गया था। मार्च 2027 तक 1 करोड़ घरों में सौर ऊर्जा आपूर्ति शुरू करने के मकसद वाली इस योजना के तहत रिहायशी घरों को 1 किलोवाट सौर ऊर्जा प्रणाली पर 30,000 रुपये, 2 किलोवाट पर 60,000 रुपये और 3 तथा उससे अधिक किलोवाट वाली प्रणाली पर 78,000 रुपये सब्सिडी दी जाती है। इससे घरों में बिजली का बिल तो घटेगा ही, वे बची हुई बिजली ग्रिड को बेच भी सकते हैं। इस योजना को सफल बनाने के लिए सब कुछ था। इसे जमकर रकम भी मिलीः 2024-25 के बजट में 6,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो बढ़ाकर 11,100 करोड़ रुपये कर दिए गए और 2025-26 के बजट में इसके लिए 20,000 करोड़ रुपये तय किए गए। सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल बनाकर आवेदन प्रक्रिया को सरल भी बनाया है और बैंक से कर्ज की प्रक्रिया सुगम की है। योजना के तहत मांग भी खूब रही और 47.3 लाख आवेदन आए। मगर साल भर गुजरने के बाद भी योजना का प्रदर्शन कमजोर ही रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष 10 मार्च तक 10 फीसदी लक्ष्य ही हासिल हो पाया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार हर महीने औसतन 70,000 घरों में सौर ऊर्जा प्रणाली लग रही हैं। इस रफ्तार से तो 2026 तक 30 फीसदी लक्ष्य ही पूरा हो पाएगा। देश के विभिन्न इलाकों में रफ्तार भी अलग है, मसलन दो-तिहाई प्रणालियां तो गुजरात और महाराष्ट्र में ही लगी हैं। हालांकि इन दोनों राज्यों में सबसे ज्यादा बिजली खपत होती है मगर योजना सभी राज्यों में समान गति से क्रियान्वित होती तो देश की बड़ी आबादी को इसके फायदे मिल पाते।

उपकरणों में गुणवत्ता और मानकीकरण की कमी इस सुस्ती की बड़ी वजह है मगर उसे आसानी से दूर किया जा सकता है। छत पर सौर ऊर्जा उपकरण (रूफटॉप सोलर सिस्टम) लगाने के बाजार में कम अनुभव वाली नई कंपनियां आ जाएं तो काम खराब होने ही लगता है। मरकॉम इंडिया के एक अनुसंधान में पता लगा कि सौर ऊर्जा का अपना कार्यक्रम छोड़कर सूर्य घर बिजली योजना अपनाने वाले राज्य केरल में नेट मीटरिंग मॉड्यूल जैसी अनिवार्य गुणवत्ता जांच को क्रियान्वयन एजेंसी ने नजरअंदाज कर दिया। मॉड्यूल के आकार और उपकरणों की गुणवत्ता में फर्क होने के कारण उपकरण को लगाने यानी इंस्टॉलेशन में समस्या आने लगी और उपभोक्ता उसे लगवाने से इनकार करने लगे।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय रूफटॉप सोलर सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न पुर्जों के लिए मानक तय कर इस समस्या को दूर कर सकता है। कुछ सरकारी बिजली वितरण कंपनियों में पुरानी दिक्कतों ने भी योजना में बाधा डाली है। गुजरात की कंपनियों जैसी कुछ वितरण कंपनियां योजना के क्रियान्वयन में बहुत आगे रही हैं मगर दूसरी कंपनियों को डर है कि सौर ऊर्जा को ग्रिड में लेने पर उनकी माली हालत पहले से भी ज्यादा खस्ता हो जाएगी। साथ ही वे सौर ऊर्जा लेने को इसलिए भी तैयार नहीं हैं क्योंकि यह केवल दिन में ही मिल सकती है।

सरकार वैसी ही सक्रियता दिखाए, जैसी उसने स्वच्छ भारत और हर घर नल से जल जैसी योजनाओं के लिए दिखाई थी तो प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रदर्शन और भी चमक सकता है। गर्मियों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, इसलिए भारत को ताप बिजली पर अपनी निर्भरता फौरन कम करनी चाहिए।

युवाओं को रोजगार मोदी सरकार की प्राथमिकता। केन्द्रीय समाज कल्याण मंत्री अन्नपूर्णा देवी नियुक्ति पत्र बांटने के बाद युवाओं के साथ।

कार्टून वर्ल्ड

रामगढ़ में नकली शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

स्कॉर्पियो और वैगन-आर से बिहार भेजी जा रही थी शराब

25 पेटी रॉयल चैलेंज शराब कुजू में बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। झारखंड से बिहार तक शराब की तस्करी अलग-अलग तरीके से होती रही है। इस बार रामगढ़ पुलिस ने एक ऐसे शराब तस्कर गिरोह को पकड़ा है, जो स्कॉर्पियो और वैगन-आर जैसी गाड़ियों से अवैध कारोबार कर रहा था। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस अवैध कारोबार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार भी किया गया है। साथ ही स्कॉर्पियो और वैगन-आर कार जब्त की गई है।

एसपी ने बताया कि रविवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो से नकली शराब हजारीबाग होते हुए बिहार के हाजीपुर और वैशाली जिला में ले जाया जा रहा है। इस सूचना के तत्काल बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर पड़ने वाले सभी थाना और ओप प्रभारी को विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

कुजू नया मोड़ पर पकड़ा गया स्कॉर्पियो : मांडू इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा के नेतृत्व में कुजू ओपी प्रभारी मो नौशाद ने नया मोड़ के सामने एक सफेद रंग के स्कॉर्पियो (बीआर 06 पी 2663) को रुकने का इशारा किया। लेकिन चालक पुलिस बल को देखकर तेजी से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उस स्कॉर्पियो को पकड़ा।

पूछताछ के दौरान स्कॉर्पियो ड्राइवर ने अपना नाम मो इस्लाम उर्फ राजा बताया। वह बिहार राज्य के वैशाली जिला अंतर्गत मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें 25 पेटी रॉयल चैलेंज शराब बरामद की गई। हर पेटी में 750 एमएल की 12 बोतलें थी। कुल 300 बोतल अवैध शराब किया गया।

स्कॉर्पियो ड्राइवर इस्लाम उर्फ राजा से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने वैगन-आर कार के बारे में भी जानकारी दी। उसने बताया कि उसके पीछे से बीआर (06 बीए 0716) वैगन आर कार भी आ रही है। जिसमें संजीव कुमार सिंह और अभिषेक कुमार मौजूद हैं। उन लोगों के जरिये भी नकली शराब की तस्करी की जा रही है। वाहन जांच के दौरान कुछ देर में वह कार भी नया मोड़ पहुंच गई। पुलिस ने उसे भी रोका और दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों में वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतापटांड निवासी संजीव कुमार सिंह और अभिषेक कुमार शामिल थे। उसे गाड़ी से भी पुलिस को पांच पेटी रॉयल चैलेंज की बोतलें मिली। पुलिस ने कुल 60 बोतलें उस गाड़ी से बरामद की। छापामारी में मांडू अंचल पुलिस निरीक्षक सुरेश लिंडा, कुजू ओपी प्रभारी मो. नौशाद, पुअनि रौशन कुमार और रिजर्व गार्ड शामिल थे।

वैशाली का संजीव सिंह अवैध कारोबार का सरगना

एसपी अजय कुमार ने बताया कि शराब तस्करी के अवैध कारोबार का मुख्य सरगना संजीव कुमार सिंह ही है। वह पहले भी कई बार शराब की तस्करी कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि दो-तीन अलग-अलग गाड़ियों से उसकी टीम हाईवे पर निगरानी करती थी। आगे चलने वाली गाड़ी पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी और अन्य गाड़ियों पर निगाह रखती थी। अगर कहीं भी वाहन जांच अभियान चलाया जाता था तो वह पीछे वाली गाड़ी को सूचना देता था।

स्पीड न्यूज़

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सेवा मंच ने इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह और सदस्यों द्वारा लगभग 150 गरीब- जरूरतमंद महिला-पुरूष और बच्चों के बीच पुरी-सब्जी और जलेबी का वितरण किया गया। मौके पर मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, लालू उरांव, विजय राम, लखन राम, सरिता देवी, सुकरा करमाली, महावीर घटवार, मो. शाहिद सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा।

समाजसेवी संघ ने बच्चों को दिया नाश्ता

भुरकुंडा (रामगढ़)। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित गरीब समाजसेवी संघ भुरकुंडा ने रविवार को भुरकुंडा बाजार क्षेत्र में कपड़े और नाश्ते का वितरण किया। इस सेवा कार्यक्रम में संघ के नए सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने द्वारा दान किए गए कपड़े जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। पप्पू सिंह के नेतृत्व में लक्ष्मी टॉकीज के समीप बच्चों के बीच विशेष रूप से कपड़े और नाश्ते का वितरण किया गया। मौके पर पप्पू सिंह ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा धर्म और पुण्य का कार्य है ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन मन धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने सभी से इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह भी किया। श्री सिंह ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक सहायता पहुंचाना है और इसके लिए संघ निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के उपाध्यक्ष उदय स्वर्णकार, समाजसेवी पप्पू सिंह, तीज राम, मनोज कुमार, सविता देवी, लीला सागर, सोमरी देवी, रोहिणी कुमारी, प्रदीप अग्रवाल और दयानंद केसरी सहित कई अन्य सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

अमीन परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत डीएमएफटी के माध्यम से संचालित ट्रेंड एंड सर्टिफाइड 180 अमीन परियोजना के तहत रविवार को प्रशिक्षणार्थियों के चयन हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ में किया गया। इस दौरान उपायुक्त चंदन कुमार ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त द्वारा परीक्षा के सफल आयोजन हेतु उपस्थित केंद्र अधीक्षक, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। परीक्षा में कुल 894 में 781 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि अमीन प्रशिक्षण हेतु लिखित परीक्षा का परिणाम भी यथासंभव परीक्षा के दिन ही जारी कर दिया जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला नियोजन पदाधिकारी मनोज मनजीत, श्रम अधीक्षक रामगढ़ श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

कराटेकारों का ग्रेडेशन टेस्ट संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू के रसदा इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स कराटे ट्रेनिंग सेंटर में रविवार को नन्हे कराटेकारों का ग्रेडेशन टेस्ट सह एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर लगा। संस्था के मुख्य प्रशिक्षक विकास पाठक एवं महिला प्रशिक्षक सुमित्रा (ब्लैक बेल्ट तृतीय डॉन) ने रामगढ़ जिले से आए लगभग 50 कराटे खिलाड़ियों को कराटे फाइट, कुमीते, कीहॉन बेसिक एवं एडवांस काता का गहन प्रशिक्षण दिया। तीन घंटे चले कठिन बेल्ट ग्रेडेशन टेस्ट में खिलाड़ियों की योग्यता का मूल्यांकन किया गया। सफल कराटेकारों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, विशिष्ट अतिथि एनटीपीसी भेल के अधिकारी देवेंद्र त्रिपाठी एवं अनंत प्रसाद ने बेल्ट सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। अतिथियों ने सभी सफल खिलाड़ियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। थाना प्रभारी कैलाश कुमार ने कहा कि बच्चों को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर बेटियों के लिए। उन्होंने कहा कि कराटे से शारीरिक और मानसिक विकास तो होता ही है यह हम सबको अनुशासन की भी सीख देता है। सफल कराटेकारों की सूची में ब्राउन बेल्ट चौथा क्यूं में रानी कुमारी, वैष्णवी कुमारी, चंद्रशेखर कुमार, दिव्यदर्शन कुमार, अचित्य कुमार, तेजल विश्वकर्मा, अपूर्वा राज, ब्लू बेल्ट में मुस्कान कुमारी, अनुष्का, कुमार आर्यन, येलो बेल्ट में चिराग कुमार, अर्णव आर्या, मोहित टोप्पो शामिल हैं। कार्यक्रम में विशेष तौर पर बेल्ट परीक्षा के मूल्यांकन के लिए जूनियर टाइगर ली (ब्लैक बेल्ट छठा डॉन) भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस के संविधान बचाओ रैली को ले बरही में बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। पूर्वी पंचायत भवन में प्रखंड स्तरीय एक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षत कांग्रेस नेता संतोष रजवार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से पर्यवेक्षक डॉ. प्रकाश कुमार और जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष दीपक गुप्ता, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तोखन रविदास, जिला नेता राजू चौरसिया समेत वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सभी नेताओं ने एक-एक कर कांग्रेस की मजबूती पर अपनी राय रखी। वहीं राजधानी रांची में आयोजित राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बैठक के समापन से पहले पहलगांव में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई और 2 मिनट का मौन रखा गया।

हिंदू मुस्लिम का मुद्दा बनाकर देश की मुख्य समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा : प्रकाश

डॉ. प्रकाश कुमार ने कहा कि भाजपा पूरे देश में हिंदू मुस्लिम का मुद्दा बनाकर देश की मुख्य समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। पहलगाम में आतंकवादी घटना में 26 निर्दोष लोग मारे गए और प्रधानमंत्री सीधे पहलगाम नहीं गए बल्कि सीधे बिहार चुनाव की तैयारी के लिए चले गए जबकि राहुल गांधी अमेरिका से सीधे जम्मू-कश्मीर चले गए - यही भाजपा और कांग्रेस पार्टी में अंतर है।

बैठक में डॉ. प्रकाश कुमार, जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, 20 जिला सदस्य दोखन रविदास, जिला के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौरसिया, ओबीसी जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, संतोष रजवार, मंडल मीडिया प्रभारीतौकीर रजा, अध्यक्ष जीतेंद्र गिरी, मंडल अध्यक्ष विष्णुधारी महतो, मंडल अध्यक्ष बब्लू सा, एससी प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक पासवान, अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मो. गुलजाज, मुखिया छोटन ठाकुर, पंचायत समिति सदस्य मो. तैय्यब अंसारी, विनोद यादव, मो. जमीरुद्दीन, मुकेश पासवान, प्रकाश विश्वकर्मा, रिजवान अली, अशोक सिंह, अब्दुल क्यूम, सुनील केशरी, अशोक वाडा, छोटे राम, मनोज पासवान, मनोज यादव, संतोष कुमार, संजय साव, सन्नी गुप्ता, प्रकाश दास, फिरदौस खान, मो. असीर, महेंद्र राम, सत्तार अली, अजय आनंद, अजीत पासवान, रामप्रकाश रविदास, बंटी राम, पंकज प्रसाद समेत कई लोग मौजूद थे।

रोटरी रामगढ़ सिटी ने लगाया वाटर कूलर

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सिटी के तत्वाधान में शहर के चट्टी बाजार स्थित दुर्गा मंडप के समीप भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर का उद्घाटन रविवार को रोटरी क्लब के दौरे पर निकले बिहार झारखंड 3250 के डिस्ट्रिक गवर्नर विपिन चचान ने किया। उन्होंने कहा कि रोटरी ने ठंडा जल का वाटर कूलर लगाने की यह उचित जगह चुनी है। यह मंदिर के सामने है और ठंडे पानी से कई लोग लाभान्वित होंगे। रोटरी रामगढ़ सिटी के अध्यक्ष अनिल गोयल ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम यह कार्य कर पा रहे हैं। दुर्गा मंडप के अध्यक्ष राहुल मजूमदार एवं सचिव विक्रम प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष कौशिक सिंह उर्फ भीम, युधिष्ठिर सिंह ने रोटरी की इस नेक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। मौके सूरज अग्रवाल, हरीश चौधरी, प्रकाश अग्रवाल, आदर्श चौधरी, उमेश राजगढ़िया व अन्य मौजूद थे।

मौत से लड़ रही पायल ने सुमित और थाना प्रभारी को बताया जिम्मेदार

रामगढ़। मौत से लड़ रही 23 वर्षीय पायल सिंह ने प्रेमी सुमित और महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजूर को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि उसका प्रेमी सुमित उसे घर छोड़ने के लिए रामगढ़ आया था। इसके बाद जब वह घर गया तो दोबारा बात नहीं हो पाई। 17 मार्च को वह रामगढ़ महिला थाना गई थी। उसके बाद लगातार पुलिस उसे टालती रही। पायल ने बताया कि 25 मार्च को सुमित थाना आया था। उसने झूठी शादी करने और शारीरिक संबंध बनाने की बात को स्वीकार भी किया था। लेकिन यह भी कहा था कि अब वह पायल को नहीं रखेगा।

बरही में बाइक से पेट्रोलिंग शुरू

संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें : एसडीपीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। पिछले एक माह से बरही में बढ़ती चोरी एवं छिनतई की घटनाओं को रोकने एवं नियंत्रित करने के लिए बरही थाना से बाइक पेट्रोलिंग की शुरूआत की गई है।

बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल के निर्देश पर थाना प्रभारी आभाष कुमार खुद के निगरानी में बाइक पेट्रोलिंग की व्यवस्था की है। जिसमें प्रत्येक बाइक पर दो दो पुलिस अधिकारी सवार होकर रात्रि पेट्रोलिंग कर रहे हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आभाष कुमार ने बताया कि बरही थाना क्षेत्र तीन तीन नेशनल हाईवे पर स्थित है। घटना हो सकती है। लेकिन घटना की सूचना पर बाइक पेट्रोलिंग जल्दी पहुंचा जा सकता है। साथ ही बाइक पेट्रोलिंग से गांव गांव में आसानी ने भ्रमण कर अवांछित लोगों की गतिविधियों को देखा जा सकता है। इस कारण बाइक पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। बाइक पेट्रोलिंग की व्यवस्था को बेहतर बताते हुए एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने कहा कि खासकर रेलवे स्टेशन रोड, करियातपुर, बरसोत, देवचन्दा, एवं रिआडा प्रक्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही है। संदिग्ध लोगों से लगातार पुलिस पूछ ताछ कर रही है। मेन हाईवे पर पेट्रोलिंग तेज की गई है। ताकि अपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। नशेड़ियों, शराबियों एवं जुआड़ीयों पर विशेष निगाह रखी जा रही है। एसडीपीओ ने आम लोगों से अपील ।की है कि जहां भी किसी तरह के संदिग्ध व्यक्ति की सूचना मिले, पुलिस को जरूर सूचना दें।

बरही : आतंकी हमले विरोध में भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में बरही के भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार शाम बरही धनबाद रोड स्थित एनएचएआई गेस्ट हाउस से बरही चौक तक मशाल जुलूस निकाला। इसका नेतृत्व विधायक मनोज कुमार यादव ने किया। जिसमें जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी एवं राजसिंह चौहान समेत सैकड़ो अन्य लोग शामिल हुए। विधायक ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले ने एक बार फिर देश को झकझोर कर रख दिया। हर बार आतंकी आतंक फैलाने के मकसद से घटना को अंजाम दिया करते थे, लेकिन इस बार निहत्थे बेकसूर हिंदू सैलानियों को उनका धर्म पूछकर, उनका कपड़ा उतारकर देखने के बाद हिंदू होने का कन्फर्म करने के बाद गोलियों से भून डाला. इससे साफ प्रतीत होता है कि इन आतंकियों का मकसद सिर्फ हिंदुओं को मारना था। आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां 28 लोगों की हत्या करने वाले आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस कड़ी में सुरक्षाबलों को बारामूला में बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। यहां एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए भारतीय सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के पास से दो राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और सामान बरामद किया है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि सिर्फ आतंकी को मारकर ही इस आतंकी घटना का बदला नहीं लिया जा सकता, बल्कि इस बार सर्जिकल स्ट्राइक नहीं बल्कि इसराइल स्टाइल से पाकिस्तान को भी उसकी औकात दिखा देना चाहिए। जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि जिस तरह से मंगलवार को पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम दिया गया है उससे साफ प्रतीत होता है कि आतंकी बिना स्थानीय लोगों की मदद से वहां इतना बड़ा घटना को अंजाम दे ही नहीं सकते। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीयों को है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पर हम सभी को विश्वास है कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जायेगा. पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कि पूरा देश इस समय पीड़ित परिवार, केंद्र सरकार और भारतीय सेना के साथ है। मशाल जुलूस में सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राज सिंह चौहान, पूर्व जिप सदस्य अर्जुन साव, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सुरेंद्र रजक, पूर्व मुखिया टेकलाल यादव, डीलो पासवान, राजकुमार यादव, बिपिन सिन्हा, नागेश्वर रजक, भाजपा नेता पप्पू चंद्रवंशी, मनोज उपाध्याय, सोनू यादव, मोती सिंह, अर्जुन रविदास, मुकेश राम, मुन्ना यादव एवं सचिन यादव समेत सैकड़ो अन्य लोग मौजूद थे।

इचाक में पत्रकारों ने निकाला कैंडल मार्च

इचाक। पहलगाम के बेसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में रविवार को प्रेस क्लब इचाक के बैनर तले प्रखंड के पत्रकारों ने कैंडल मार्च निकाला। मार्च का नेतृत्व प्रेस क्लब इचाक के अध्यक्ष अनिल राणा कर रहे थे। मार्च इचाक इंडियन बैंक के पास से निकलकर बाजार पहुंचा। पत्रकारों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। पत्रकारों ने पहलगाम के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष गौतम नारायण सिंह, पूर्व सैनिक शंकर सिंह, सरदार कर्णवीर सिंह, युवा नेता गौतम कुमार, राम सेवा संगठन के सुजीत कुमार मेहता, प्रेस क्लब के संरक्षक रामशरण शर्मा, अरुण खुशबू, सचिव गणेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष रामावतार स्वर्णकार, दीपक सिंह, महेश मेहता, किशोर प्रसाद व अन्य मौजूद थे।

एक नजर में

चरही में 140 पेटी शराब जब्त, चार गिरफ्तार

चरही। पुलिस ने वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर अवैध विदेशी शराब से भरा पिकअप वाहन जब्त किया। वाहन में विभिन्न ब्रांडों की कुल 140 पेटी शराब लोड थी। विष्णुगढ़ अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान एक तेज रफ्तार आर्टिका कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक भागने लगा। चरही ओवरब्रिज के पास कार छोड़कर भाग रहे दो व्यक्तियों को पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया। हालांकि कार से कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने पास से गुजर रहे सफेद पिकअप वाहन की जांच की, जिसमें भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। गिरफ्तार तस्करों में संदीप कुमार, छौधारी राय, जितेश कुमार यादव (सभी थाना दानापुर, बिहार) और अमरजीत कुमार (जिला गया) शामिल हैं। पुलिस ने दोनों वाहन जब्त कर लिए हैं। मौके पर थाना प्रभारी गौतम कुमार सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

डीटीओ पर ग्रामीणों ने लगाये भ्रष्टाचार के आरोप

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड के झरपो, भराजो, खैरा, डहरभंगा, डूमर, धरमपुर, बेड़म और टाटीझरिया पंचायतों में 27 और 28 अप्रैल को डीटीओ द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए शिविर लगा था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिविर में ब्लड जांच के नाम पर प्रति व्यक्ति 100 से 120 रुपए तक की अवैध वसूली की गई। साथ ही, रजिस्ट्रेशन शुल्क भी मनमाने ढंग से वसूला गया, जबकि विभागीय पत्र में शुल्क का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं था। झरपो पंचायत में लगे शिविर में व्यवस्था बेहद खराब रही। ग्रामीणों ने बताया कि जहां अन्य सरकारी योजनाओं के शिविरों में तीन से चार कंप्यूटर ऑपरेटर भेजे जाते हैं, वहीं इस शिविर में केवल एक ऑपरेटर मौजूद था। सीमित संसाधनों के कारण केवल 10-15 लोगों का ही रजिस्ट्रेशन हो पाया। समय समाप्ति का हवाला देकर ऑपरेटर जल्दबाजी में शिविर समेटकर चले गए, जिससे भारी संख्या में मौजूद ग्रामीणों को निराशा हाथ लगी। ऑपरेटरों के व्यवहार से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि जब उनसे रजिस्ट्रेशन कराने की गुहार लगाई गई, तो वे झल्लाकर जवाब देने लगे। शिविर में आई अव्यवस्थाओं और मनमानी वसूली के कारण ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। स्थानीय लोगों ने डीटीओ से पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

खदान शिक्षक मोर्चा का सम्मेलन संपन्न

चरही। सीसीएल क्लब में रविवार को कोयला खदान शिक्षक मोर्चा का एक दिवसीय सम्मेलन संपन्न हुआ। मोर्चा के अध्यक्ष प्यारेलाल यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि संचालन अरविंद कुमार सिंह ने किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि मांडू विधायक निर्मल महतो, गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। स्वागत कार्यक्रम में शिशु विकास विद्यालय के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया। सम्मेलन में सीसीएल द्वारा संचालित विद्यालयों की समस्याओं पर चर्चा हुई और सांसद को सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। मुख्य मांगों में शिक्षकों के वेतनमान के आदेश के अनुपालन, अनुदान राशि में वृद्धि, बीएड शिक्षकों के वेतन कटौती की समस्या का समाधान और सेवा निवृत्ति की उम्र 65 वर्ष करने की मांग शामिल थी। इसके साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद 25 लाख रुपये सहायता राशि तथा विद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षकों के आवास एवं चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की मांग भी की गई। सम्मेलन में क्षेत्र के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हाथियों ने मचाया उत्पात, किसान को भारी नुकसान

कटकमदाग । ग्राम ललकी पैरहरिया, पंचायत ढेंगुरा में विकास कुमार दांगी के खेत में हाथियों ने भारी उत्पात मचाया। विकास कुमार, जो अपने खेतों में तरबूज और टमाटर की खेती कर रहे थे, को भारी नुकसान झेलना पड़ा। हाथियों के झुंड ने लगभग 8 एकड़ में लगे तरबूज और 4 एकड़ में लगी टमाटर की फसल पूरी तरह नष्ट कर दी। विकास कुमार ने बताया कि उन्होंने खेती के लिए कर्ज लिया था और लगभग 16 लाख रुपये का निवेश किया था। वे जमीन भी लीज पर लेकर खेती कर रहे थे। हाथियों द्वारा इस प्रकार की बबार्दी से उनकी आर्थिक स्थिति संकट में आ गई है। विकास कुमार सरकार से नुकसान की भरपाई और मुआवजे की गुहार लगा रहे हैं। हाथियों के इस तरह के हमलों से क्षेत्र के अन्य किसानों में भी डर का माहौल बन गया है। प्रशासन से मांग की गई है कि प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए और हाथियों से बचाव के उपाय किए जाएं।

यशवंत सिन्हा बने अटल विचार मंच के अध्यक्ष

कुजू। अटल विचार मंच की बैठक डेमोटांड़ स्थित ऋषभ वाटिका में रविवार को संपन्न हुई। कार्यकर्ताओं ने पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा को अटल विचार मंच का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना है। पार्टी की स्थानीय इकाई ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अटल विचार मंच के रामगढ़ जिला मीडिया प्रभारी अंशु गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि पार्टी संगठन में उनके राजनीतिक अनुभव एवं कौशल से समाजवादी नीतियों को बढ़ाने में बल मिलेगा। अटल विचार मंच राष्ट्रीय स्तर पर नयी उंचाई पर पहुंचेगा और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजूर सस्पेंड

रामगढ़। शहर के नईसराय, महतो टोला में पायल कुमारी के साथ लैंगिक अपराध हुआ था। इस मामले की जांच में महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजूर ने भारी लापरवाही बरती थी। एसपी अजय कुमार के दिए गए निर्देशों का भी अनुपालन नहीं कर पाई थी। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने इस लापरवाही को बेहद गंभीर आरोप माना है। उन्होंने रविवार को स्पष्ट कर दिया कि आवेदिका के आवेदन की जांच में शिथिलता बरती गई। इसकी वजह से पायल ने अपने शरीर में आग लगा ली। इस मामले में उन्होंने महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजूर को निलंबित कर दिया है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पायल कुमारी के बयान पर 24 अप्रैल को महिला थाना में कांड संख्या 6/25 दर्ज किया गया था। बीएनएस की धारा 69, 352, 115 (2), 61(2) धारा के तहत सुमित कुमार, पप्पू सिंह, आलोक सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। सभी वेस्ट बोकारो ओपी के ड्राइवर हार्ट के रहने वाले हैं। उन तीनों लोगों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने विशेष टीम का गठन किया। जांच टीम गठित टीम के द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए बिहार राज्य के बाढ़ और दानापुर तथा रामगढ़ जिले के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। मुख्य आरोपित सुमित कुमार, पप्पू सिंह और आलोक सिंह को रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना हमारा कर्तव्य

श्रीराम माहेश्वरी

वर्तमान समय में युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षा, रोजगार, सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में वे अध्यात्म से जुड़कर प्रगति कर सकते हैं। अध्यात्म का अर्थ है आत्मा का विकास। आत्मा से जुड़कर आत्मा को जानना। ध्यान और योग के माध्यम से हम अध्यात्म से जुड़ सकते हैं। इसका निरंतर अभ्यास कर सकते हैं। इस साधना को करते हुए एक साधक का लक्ष्य रहता है-आत्म साक्षात्कार। साधनारत साधकों के लिए यही पूर्णता है।

प्राचीनकाल से भारतवर्ष में गुरुकुलों में जो शिक्षा दी जाती थी, उसमें अन्य विषयों के साथ-साथ विभिन्न कलाओं से जुड़ना, सेवा संस्कार, योग और ध्यान जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल रहते थे। बाद में यह गुरुकुल बंद होते गए। विकास को भौतिकता से जोड़ दिया गया। शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों को धीरे-धीरे अलग कर दिया गया। शैक्षणिक पाठयक्रमों में अनेक विसंगतियों के कारण युवाओं के समक्ष दिशाहीनता की स्थिति पैदा हुई। हम देख रहे हैं कि शिक्षित होने के बाद जब युवाओं को रोजगार या नौकरी नहीं मिलती तो उनमें निराशा होती है। कई बार प्रयास करने के बाद जब उन्हें सफलता नहीं मिलती तो वे अपराध के मार्ग पर चलने लगते हैं या आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठा लेते हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में उन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। हमारे युवा अध्यात्म से जुड़ेंगे तो उनकी समस्याओं का उन्हें समाधान मिल सकता है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जनचेतना आई है। नई शिक्षा नीति आने के बाद शिक्षण संस्थानों का स्वरूप बदल रहा है। युवाओं ने अध्यात्म के क्षेत्र में भी रुचि दिखाई है। अच्छी बात है कि उनका मन अब इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। योग भारत की देन है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 11 दिसंबर 2014 को हर वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की। इसके बाद दुनिया में योग का महत्व अधिक व्यापक हुआ। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत गीता में अर्जुन को उपदेश देते हुए योग का महत्व प्रतिपादित किया। श्रीकृष्ण योगेश्वर कहे जाते हैं। भगवान शिव आदियोगी हैं । उन्होंने ऋषियों को योग की शिक्षा दी। महर्षि पतंजलि ने योग शास्त्र की रचनाकर जनसाधारण के लिए इसे सुगम और सुलभ बनाया।

वैदिक शिक्षा में आरोग्य, दीघार्यु होने की भावना, अध्यात्म मार्ग से जुड़ना, ईश्वर आराधना, अनासक्ति भावना तथा विश्व कल्याण की भावना रखने पर बल दिया गया है। इसमें मानव कल्याण के साथ-साथ प्रकृति मित्र होने की भावना का भी वर्णन है।

मनु कहते हैंशब्दः स्पर्शश्च रूपञ्च रसो गंधश्च पंचमः ।

वेदादेव प्रसूयंते प्रसूति-गुण-कर्मतः।। मनु स्मृति 12.18

मनु कहते हैं-वेद से ही शब्द, स्पर्श, रूप, रस तथा गंध उत्पन्न होते हैं। यह पांच तत्व आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथ्वी के ही रूप हैं। इन पांच तत्वों से ही सृष्टि बनी है, इसलिए वेद को ब्रह्म कहना उचित है। एतरेय सूत्र के अनुसार चित चेतन है। प्राण ऊर्जा है। वाक पदार्थ है। पदार्थ से ऊर्जा सूक्ष्म है। ऊर्जा से चेतन सूक्ष्म है। सूक्ष्म का नियंत्रण स्थूल में रहता है। मंत्र से आह्वान किया जाए तो देवता प्रकट हो जाते हैं। इसके लिए कामना, इच्छा, संकल्प और श्रद्धा जरूरी है।

वेद, पुराण और उपनिषद राष्ट्र की अनमोल धरोहर हैं। युवाओं को इनका स्वाध्याय करना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में ये ग्रन्थ उपलब्ध कराना चाहिए। इन ग्रंथों के सार अंशों का छोटे-छोटे भागों में प्रकाशन होना चाहिए। गीताप्रेस गोरखपुर और गायत्री परिवार की तरह अन्य संस्थाओं को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की जरूरत है।

युवा अध्यात्म से जुड़ते हैं तो उनका शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास संभव हो सकेगा। यह सत्य है कि यम और नियम का पालन करने वाला मनुष्य संस्कारवान और अनुशासित रहता है। ऐसे स्वस्थ व्यक्ति देश के अच्छे नागरिक बनकर लोक कल्याण का ध्येय लेकर राष्ट्र की सेवा करते हैं। अतः युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेखन से व्यक्तित्व का होता है तेज विकास

डॉ मेरी ग्रेस

जब मानसिक स्वास्थ्य की बात हो तो हमारे दिमाग में कुछ शब्द आते हैं जैसे- अवसाद, मनोचिकित्सक, परामर्श व चिंता आदि, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य इससे कहीं अधिक है। हालांकि कोविड काल के बाद भारत में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में गंभीरता से बात होने लगी है, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक से लड़ने के साथ-साथ, हमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता लानी है। जागरूकता का उपयोग करने के साथ अपना ख्याल रखने की दिशा में भी काम करना होगा। हमें तनाव है, लेकिन हम नहीं जानते कि इसके बारे में किसी परामर्शदाता के पास जाने के अलावा क्या किया जाए, जो हर किसी के लिए सुविधाजनक विकल्प नहीं है। तो, सवाल है हम घर पर अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल कैसे शुरू करें?

चिकित्सीय जीवन शैली परिवर्तन (टीएलसी) अवधारणा का उपयोग हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में मददगार बन सकता है। टीएलसी के तहत पौष्टिक आहार, शारीरिक गतिविधि, ध्यान, रूटीन आदि आते हैं। यहां जर्नलिंग एक स्व-सहायता उपकरण है जो सक्रिय योगदान दे सकता है। जर्नलिंग केवल अभ्यास, लेखन और अनफि ल्टर्ड विचारों-भावनाओं को व्यक्त कर स्वयं-जागरूक होने और खुद के साथ सार्थक संबंध बनाने का एक तरीका है। एक मानसिक, भावनात्मक और व्यक्तिगत अभ्यास है जो हमें अपने आंतरिक संघर्षों और भ्रमों को सुलझाने के साथ-साथ अपने परिवेश के प्रति सचेत रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। जर्नलिंग कई प्रकार की है।

अभिव्यंजक जर्नलिंग : यहां, हम अपने विचारों और भावनाओं को बिना किसी फिल्टर के, जैसे ही वे आते हैं, लिखते हैं। यह हमें उन विचारों और भावनाओं से बाहर निकलने में मदद करता है जिन्हें साझा करने या स्वीकार करने में हम सहज नहीं थे। यह आपके सोचने के तरीके, ट्रिगर्स और भावनाओं के बारे में जागरूक होने में मदद करता है। सोच तर्कसंगत बनाने का भी मौका मिलता है।

कृतज्ञता : यह हमें उन चीजों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है जिनके लिए हम आभारी हैं। यह हमें वर्तमान जीवन, रिश्तों, स्थितियों, परिवेश और यहां तक कि स्वयं में भी अच्छाई खोजने में मदद करेगा। शोधकताओं का कहना है कि हम जिस चीज के लिए आभारी हैं, उसके बारे में प्रतिदिन पांच मिनट लिखने मात्र से हमारी दीर्घकालिक खुशी 10 फीसदी बढ़ सकती है।

एक शब्द की पत्रिका : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके और उसे लिखकर शुरू कर सकते हैं। समय के साथ, हम अपने लिए एक पंक्ति लिखने के लिए आगे बढ़ सकते हैं और कुछ डूडलिंग भी कर सकते हैं। खुद को अभिव्यक्त करना सीखने की दिशा में यह अच्छा कदम है।

न भेजा गया पत्र : ऐसे क्षण आते हैं जब हम किसी से कुछ कहना चाहते हैं लेकिन कह नहीं पाते। न भेजे गए पत्र जर्नलिंग का अर्थ स्वयं को वह सब कुछ लिखने की अनुमति देना है जो हम किसी से कहना चाहते हैं। इसमें हम प्रतिक्रिया की चिंता किए बिना लिख सकते हैं जो कहना चाहते हैं।

फोटोग्राफी : यदि हम कुछ भी लिखना नहीं चाहते हैं, तो हम बस एक दिन में उन चीजों की फोटो क्लिक कर सकते हैं जो हमें आभारी, खुश या प्रेरित महसूस कराती हैं। इन तस्वीरों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पत्रिका में जोड़ते हैं।

आर्ट जर्नलिंग : हम अपनी पत्रिकाओं में पेंटिंग, स्केचिंग, कलरिंग, डूडलिंग, क्राफ्टिंग आदि के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करना शुरू कर सकते हैं और यह आत्म-जागरूकता के माध्यम से जागरूक तरीके से मार्गदर्शन करने में मदद करेगा।

माइंडफुल और वेलनेस जर्नलिंग : यहां, हम यहां और अभी पर ध्यान केंद्रित करते हैं और लचीलापन प्रशिक्षण का उपयोग करके अपने दिन की योजना बनाते हैं। यह हमें आशावाद और हमारे दिन का समय-निर्धारण करने में मदद करता है। जर्नलिंग मदद करता है- हमारे दिमाग को शांत करने, आत्मनिरीक्षण करने और खुद को और अधिक जानने, वर्तमान के प्रति जागरूक होने, डिजिटल अवकाश, कृतज्ञता, आशावाद जगाने में। यह लचीलापन प्रशिक्षण बेहतर निर्णय लेने में योगदान देता है और स्थितियों को तर्कसंगत बनाता है। स्वस्थ आदतों के साथ उपचारात्मक विचारों को भी विकसित करता हे। जर्नलिंग हमारे मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित और सफल तरीका है वहीं सबसे किफायती, आसान और सुविधाजनक अभ्यास है। जर्नलिंग में अवसाद को रोकने, उत्साह को बढ़ावा देने की क्षमता है। ऐसे में हम अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना शुरू करें और इसके प्रति सचेत कदम उठाएं। तनाव अधिकांश मानसिक और शारीरिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जर्नलिंग के माध्यम से तनाव का प्रबंधन करना सीखना एक महत्वपूर्ण निवारक उपाय है।

प्राचार्या उर्सुलाइन इंटर कॉलेज

आयकर से संबंधित महत्पूर्ण सावधानी

अजय दीप वाधवा,

मुझे लगता है कि सबको यह ज्ञात है कि जब हम वर्ष 2024-25 का इनकम टैक्स रिटर्न भरेंगे तो हमसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट यह आशा करेगा कि हम बाइ डिफॉल्ट नए टैक्स रिजाइम में ही टैक्स कैलकुलेट करें और रिटर्न न्यू टैक्स रिज्यूम के अनुसार ही भरें। अगले वर्ष से न्यू टैक्स रिजाईम ही डिफॉल्ट टैक्स रिजाइम होगा।

वैसे तो अभी अगले साल में देर है पर आम कर दाता को चाहिए कि वह अभी से कूच बातों का ध्यान रखें, जिस प्रमुख निम्न हैं_ #अपने पैन आधार को अगर अभी तक लिंक नहीं किया गया है तो उसे अवश्य लिंक करवा दें, #यह सुनिश्चित करें कि इनकम टैक्स रिटर्न को टाइम पर भर जाए इनकम टैक्स रिटर्न भरने के पहले फॉर्म 26 एस और एसीएस आदि को ठीक से देखले, #इनकम टैक्स रिटर्न में हम अपना पता और मोबाइल नंबर वगैरह अपडेट रखें, #अगर कोई जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से की गई है तो हम उसका जवाब समय पर दें , #अगर कोई एडवांस टैक्स वगैरह बनता है तो उसे हर क्वार्टर में टाइम पर पेमेंट कर दें ताकि ब्याज का बोझ ना आए, #जब हम इमूवेबल जैसे जमीन आदि संपति खरीदें तो 50 लाख रुपए से ऊपर की प्रॉपर्टी पर टीडीएस वगैरह काट कर जमा कर दें जिससे बाद में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से कोई हमें समस्या ना खड़ी की जाएगा। #एक बात हमें याद रखना है कि जो वेतन या पेंशन लेते हैं वे प्रतिवर्ष यह निर्णय ले सकते हैं कि नए टैक्स रिज्यूम में रिटर्न भरेंगे या पुराने रिज्यूम में; पर जो व्यवसाई हैं वे सिर्फ एक बार निर्णय ले सकते हैं। वे अपना निर्णय बहुत सावधानी से लें। # हम जो भी पैसा प्रोविडेंट फंड, न्यू पेंशन स्कीम, जीवन बीमा, फिक्स्ड डिपॉजिट, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट आदि में बचत कर रहे हैं उसको हम करते रहें क्योंकि यह सिर्फ इनकम टैक्स बचाने के साधन नहीं है, बल्कि हमारे बुढ़ापे का सहारा भी हैं। (मोटिवेटर सह कर सलाहकार,

भारत से बढ़ता दोहरा प्रतिभा पलायन खतरनाक

आईबीएम के सीईओ और चेयरमैन अरविंद कृष्णा ने हाल में कहा कि वह कंपनी के भारत स्थित आर ऐंड डी सेंटर में विकसित हो रहे नवाचारों को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस बात पर हम अपनी देसी तकनीकी विशेषज्ञता पर खुद की पीठ थपथपा सकते हैं। असल में भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियां सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में जितना व्यापक और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कर रही हैं, वह दुनिया में हाई-टेक तेजी का काफी हद तक अनजाना पहलू है। उसके बारे में लोगों को बहुत कुछ नहीं पता।

ब्रेन-ड्रेन या प्रतिभा पलायन का यह एक पहलू है। पहले सरकारी खर्च पर देश के आला संस्थानों से शिक्षित और योग्य इंजीनियर और प्रबंधन छात्र रोजगार के अवसरों के लिए पश्चिम के देशों में चले जाते थे जो उनके कौशल का फायदा उठाकर उनको करियर में आगे बढ़ने का मौका उपलब्ध कराते थे। लेकिन अब ब्रेन-ड्रेन 2 खुद भारत में ही हो रहा है। आईबीएम जैसी अभिजात्य अमेरिकी कंपनी वास्तव में भारत में भारत की ही बौद्धिक क्षमताओं से मूल्य हासिल कर रही है।

इन नवाचारों से मिलने वाले वाणिज्यिक इस्तेमाल से न्यू यॉर्क में सूचीबद्ध और वहीं के मुख्यालय वाली कंपनी के मुनाफे में ही इजाफा होगा। देश के भीतर विकसित बौद्धिक संपदा का भारत स्थित विदेशी कंपनी को चले जाना देश के कार्यकारी रोजगार बाजार की मांग के तौर-तरीके में मौजूद विसंगति की झलक देता है।प्राथमिकता के क्रम में बात करें तो विदेशी कंपनियां, खासतौर पर टेक, इंजीनियरिंग या उपभोक्ता सामान, इसमें सबसे ऊपर हैं। भारतीय निजी क्षेत्र इसका अनुसरण करता है, पर उनकी संख्या बहुत कम है। इसमें आप टाटा समूह, रिलांयस, बजाज, महिंद्रा और भारत में विकसित इन्फोसिस, एचसीएल जैसी तकनीकी दिग्गज को शामिल है।

भारत बनाम इंडिया

सत्यनारायण गुप्ता

भारत में आयोजित की जी-20 शिखर सम्मेलन कितना सफल रहा या असफल या बहस जारी है ।इसकी क्या उपलब्धियां रहीं, सर्वसम्मत पारित प्रस्ताव ,भारत- मध्यपूर्व -यूरोप आर्थिक गलियारा पर बनी सहमति और ग्लोबल साउथ का नेतृत्व के लिए भारत की तैयारी जैसे मामलों पर अभी विमर्श जारी है। लेकिन एक बहस जो जी - 20 शिखर सम्मेलन के पूर्व से ही शुरू हो गया था वह था भारत बनाम इंडिया की बहस जी-20 के लिए सरकार की तरफ से प्रेषित निमंत्रण पत्र पर मेजबान का नाम ₹ प्रेसिडेंट ऑफ भारत₹ लिखा गया जो कुछ लोगों को नागवार गुजरा।

अब तक यही परंपरा थी कि अंग्रेजी बोलते समय हमारे देश का नाम इंडिया बोला जाता था और हिंदी बोलते समय देश के नाम के लिए भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाता था। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 1 में हमारे देश का नाम इंडिया डैट इज भारत लिखा हुआ है इसलिए विवाद का विषय यह है ही नहीं नहीं कि हम देश का नाम इंडिया बोलें- लिखें या भारत।अनेक संविधान विशेषज्ञो का भी यही मानना है कि हम कहीं भी कभी भी देश का नाम इंडिया अथवा भारत लिख-बोल सकते हैं। लेकिन जहां इंडिया समर्थक यह आरोप लगा रहे हैं कि सरकार धीरे-धीरे सभी जगह भारत का इस्तेमाल करना चाहती है । वहीं भारत समर्थक यह चाहते हैं कि अब देर नहीं करनी चाहिए और सविधान में संशोधन कर देश का नाम सिर्फ भारत रहने दिया जाना चाहिए। क्योंकि इंडिया शब्द गुलामी का प्रतीक है।

प्राचीन काल से भारत भूमि के अलग-अलग नाम रहे हैं जैसे जम्बूद्वीप ,भारत खंड, हिमवर्ष ,अजनाभबवर्ष, भारतवर्ष ,आर्यावर्त ,हिंद ,हिंदुस्तान और इंडिया मगर इनमें भारत सबसे ज्यादा लोकप्रिय और प्रचलित रहा है।

हिंद शब्द की उत्पत्ति सिंधु से हुई है लेकिन सिंधु नदी या सिंधु सागर ।दोनों से इसका संबंध जोड़ा जा सकता है। भारत में सिंधु नदी भी बहती थी और इसे सप्त सिंधु प्रदेश भी कहा जाता था। मध्य एशिया से आए लोग स नहीं बोल पाते थे और यूरोपीयों ने ह की जगह अ बोलना शुरू कर दिया। इस तरह सिंध हिंद हो गया और हिंद इंडिया। एक प्रचलित मान्यता है कि भारत देश का नाम दुष्यंत पुत्र भरत के नाम पर पड़ा ।किंतु दशरथ पुत्र भरत और भरत मुनि जैसे भरत भी हमारी परंपरा में हैं। अनेक इतिहासकार 10 राज युद्ध में विजयी राजा भरत को भी भारत शब्द की उत्पत्ति का कारण मानते हैं।

भारत ही नहीं अनेक देशों ने विभिन्न कर्म से अपने पुराने नाम बदलकर नए नाम रखे हैं अभी हाल ही में तुर्की तुर्की यह हो गया, बर्मा म्यांमार हो गया, हॉलेंड नीदरलैंड हो गया ,सीलोन श्रीलंका हो गया, चेक गणराज चकिया हो गया। ईरान, मेसिडोनिया,थाईलैंड,ईस्ट तिमोर, इराक आदि सैकड़ो ऐसे देश हैं जिनके नाम बदले गए हैं। भारत में भी चेन्नई ,पुदुचेरी, तिरुवनंतपुरम, प्रयागराज, दीनदयाल उपाध्याय नगर, गौतम बुद्ध नगर ,कोलकाता, मुंबई और गुरुग्राम जैसे शहरों के नाम बदलकर रखे गए हैं।

लेकिन यहां मसला नाम बदलने का तो है ही नहीं, देश का नाम क्या पुकारे बहस इस पर है भारत अथवा इंडिया। हिंदी प्रेमी तो यही चाहेंगे कि देश का नाम भारत ही पुकारा जाए। इसमें कोई संवैधानिक अड़चन भी नहीं है।

भारत से कौन-कौन से समझौतों को तोड़ने की गीदड़भभकी दे रहा पाकिस्तान, इसका क्या और कितना असर?

भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कितने द्विपक्षीय समझौते हुए हैं? ये समझौते किस-किस बात को लेकर हुए हैं? इनके मायने क्या हैं? अगर यह समझौते टूटते हैं तो इनका क्या असर हो सकता है?

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को खत्म करने का एलान कर दिया है। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी कई बड़े एलान हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने भी दबाव में आते हुए भारत के साथ शिमला, कराची समझौते समेत अलग-अलग द्विपक्षीय समझौतों को तोड़ने की धमकी दी है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कितने द्विपक्षीय समझौते हुए हैं? ये समझौते किस-किस बात को लेकर हुए हैं? इनके मायने क्या हैं? अगर यह समझौते टूटते हैं तो इनका क्या असर हो सकता है? आइये जानते हैं...

किस बारे में?

भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि पर 19 सितंबर 1960 को कराची में हस्ताक्षर हुए थे। समझौता सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के पानी के इस्तेमाल को लेकर हुआ था।

विश्व बैंक की तरफ से पहल के बाद समझौते करने के लिए भारत-पाकिस्तान के बीच अलग-अलग स्तर पर 9 साल तक बात चली थी। भारत की तरफ से प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान की तरफ से राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान ने संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

सिंधु जल समझौते पर रोक लगाए जाने के बाद पाकिस्तान में जल संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। पाकिस्तान की 80 फीसदी खेती योग्य भूमि सिंधु नदी प्रणाली के पानी पर निर्भर है। पानी रोके जाने के बाद अन्न संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। सिंधु और उसकी सहायक नदियों पर पाकिस्तान के प्रमुख शहर कराची, लाहौर, मुल्तान निर्भर हैं।

सिंध के पानी पर अब सिर्फ भारत का अधिकार, पाकिस्तान के लिए यह कितना बड़ा झटका, अब आगे क्या?

क्या है शिमला समझौता जिसे पाकिस्तान ने किया रद्द, कैसे, कब और कहां हुआ? जानें सबकुछ

धार्मिक तीर्थस्थलों के दौरे को लेकर समझौता

कब हुआ? सितंबर 1974 किस बारे में?

भारत और पाकिस्तान में मौजूद अलग-अलग धर्मस्थलों में पर्यटकों को आवाजाही की सहूलियत देने के लिए समझौता हुआ। पाकिस्तान की 15 जगहें और भारत की पांच जगहें 2018 तक इस समझौते के अंतर्गत रहीं।

इनमें भारत से अजमेर शरीफ दरगाह, निजामुद्दीन दरगाह, अमीर खुसरो का मकबरा सबसे ज्यादा पर्यटन वाला स्थल रहा है। वहीं, पाकिस्तान में शादानी दरबार, ननकाना साहिब स्थित गुरुद्वारा और पंज साहिब गुरुद्वारा शामिल है।

इसके तहत हर साल धार्मिक त्योहारों के दौरान 3000 सिख तीर्थयात्री को पाकिस्तान जाने की इजाजत मिलती है।

हवाई सीमा के उल्लंघन से जुड़ा समझौता

कब हुआ? 6 अप्रैल 1991 किस बारे में?

भारत और पाकिस्तान के बीच यह समझौता नई दिल्ली में हुआ था। इसका लक्ष्य पड़ोसी देशों के बीच गलती या अनैच्छिक तरीके से हवाई सीमा के उल्लंघन की घटनाओं को कम करना है। इसके तहत सैन्य एयरक्राफ्ट्स के दोनों देशों की सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में उड़ान भरने पर मनाही है।

भारत-पाकिस्तान के एयरक्राफ्ट एक-दूसरे की जल सीमा में भी बिना इजाजत के उड़ान नहीं भर सकते। हालांकि, इस समझौते का दोनों देशों के बीच सबसे ज्यादा उल्लंघन हुआ है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने भारत की नागरिक उड़ानों के लिए अपनी हवाई सीमा बंद कर ली।

बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण को लेकर समझौता

कब हुआ? अक्तूबर 2005 किस बारे में?

भारत-पाकिस्तान के बीच यह समझौता अक्तूबर 2005 में हुआ था। इसके तहत दोनों देशों को किसी बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण से कम से कम तीन दिन पहले ऐसे टेस्ट की जानकारी देनी होगी। फिर चाहे वह जमीन से लॉन्च होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हो या समुद्री क्षेत्र से।

इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे की सीमा से 40 किलोमीटर दूर पर लॉन्च साइट नहीं बना सकते। इसके अलावा इनका प्रभावी क्षेत्र भी सीमा से 75 किलोमीटर के दायरे में नहीं होना चाहिए। यह समझौता अब तक कायम रहा है।

एलओसी पर संघर्षविराम का समझौता

कब हुआ? नवंबर 2003

पाकिस्तान और भारत ने लाइन ऑफ कंट्रोल (नियंत्रण रेखा) पर संघर्षविराम को लेकर समझौता किया। हालांकि, पाकिस्तान ने समय-समय पर भारत के साथ इस समझौते का उल्लंघन किया है। भारत सरकार ने भी पाकिस्तान की इन नापाक कोशिशों का मुहंतोड़ जवाब दिया है।

वर्तमान समाज में शिक्षकों की भूमिका

मनोज कुमार

वर्तमान समाज एक वैश्विक समाज है , जिसमें विविध क्षेत्रो के लोग आपस में एक दूसरे से सुचना तकनिकी, आपसी संपर्क एवं संवाद के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इन व्यक्तियों को एक दूसरे से जोड़े रखने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा मूलतः वह माध्यम है जो लोगों को आपस में व्यवस्थित तरीके से जोड़ता है। शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है और उनसे यह उम्मीद की जाती है की वे बच्चों के चहुँमुखी विकास में अपने बहुआयामी व्यक्तित्व का प्रयोग करेंगे। बच्चे में विद्यमान मूल वृति को इस प्रकार से निर्देशित करेंगे की बच्चा अपने उस मूलवृत्ति को बेहतर तरीके से प्रयोग कर पाए एवं समाज में अपना सर्वोत्तम योगदान दे सके। बच्चे की इस मूल वृति को जागृत कर प्रस्तुत करने की मुख्य जिम्मेवारी शिक्षकों को दी जाती है और शिक्षकों को यहाँ पर अपने बहुआयामी व्यक्तित्व का सफल एवं सार्थक प्रयोग करना होता है। अधिकांश परिस्थितियों में शिक्षकों के सामने बहुतेरे संशय की स्थिति होती है की वे अपने ज्ञान का प्रयोग किस प्रकार से करें की वे बच्चों लग मूलवृत्ति को जागृत कर उसे कारगर बनने हेतु प्रेरित कर सकें। चूँकि शिक्षा एवं शिक्षण में दो पक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है- शिक्षक एवं शिक्षार्थी। शिक्षकों को शिक्षार्थियों के साथ विविध समयों पर अलग अलग तरीकों से अंतःक्रिया में संलग्न होना पड़ता है। ये संलग्नता कभी कोर्स के विषयों के साथ तो कभी कोर्स के इतर होती है। कोर्स के विषयों को पढ़ाते समय भी शिक्षकों को अपने विविध ज्ञानों का प्रयोग करना पड़ता हैं। जैसे कभी वे शिक्षार्थियों को लेक्चर देते हैं , कभी उनके असाइनमेंट का मूल्याङ्कन करते हैं , कभी परीक्षा लेते हैं तो कभी उनके उत्तरों की जाँच करते हैं। इन सभी परिस्थितियों में शिक्षकों को अपने अलग अलग व्यक्तित्व का प्रस्तुतीकरण करना चाहिए जैसे को एक जादूगर करता है. कहीं पर उन्हें कठोर तो कहीं मृदुभाषी , कहीं संयमित तो कहीं अन्वेषी माध्यमों का प्रयोग करना अति आवश्यक होता है। जादूगरी के इन पहलुओं का प्रयोग करते हुए शिक्षक अन्वेषी एवं नवाचारी व्यक्तित्वा को सामने ला पाते हैं , जो छात्रों के मूल प्रवृति को उद्घारित करने में सक्षम होता है। साथ ही साथ शिक्षकों को अपने ज्ञान मीमांशा के माध्यम से छात्रों नवाचारी बनाने में सक्षम होता है। इस ज्ञान का निर्माण शिक्षकों को इस प्रकार से करना चाहिए मानो वह बच्चों को सैद्धांतिक ज्ञान देने के साथ उसके व्यावहारिक पहलुओं को जोड़कर प्रस्तुत करें। किताबो में लिखी गयी ज्ञान की बातों का महत्व तब सिमित हो जाता है जब उसके व्यवहारिकता से उसका जुड़ाव न किया जाये। किसी भी ज्ञान का मूल उद्देस्य उसे व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना होता है। इसलिए शिक्षकों को अपनी जादुई कला का प्रस्तुतीकरण छात्रों के सामने सिद्धांत को व्यवहारिकता या दिन प्रतिदिन के जीवन से जोड़कर प्रस्तुत करने का प्रयास करना चाहिए। इसका प्रतिफल यह होता है की शिक्षक के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक पहलु मिल जाता है एवं विद्यार्थियों को ज्ञान को व्यावहारिक जीवन में उतारने का माध्यम। जैसे हम जब ल्लीछ३ङ्गल्ल के तीसरे नियम की बात करते हैं तो यह कहता है की ₹किसी भी क्रिया के प्रति सामान व विपरीत प्रतिक्रिया होती है। ₹ चूँकि यह भौतिक शास्त्र का सिद्धांत है और वस्तुओं के सन्दर्भ में इसका उपयोग किया जाता है। परन्तु क्या यह सिर्फ वस्तुओं के सन्दर्भ में ही उपयोगी है ? तो इसका उत्तर होगा नहीं। ज्ञान की इस विशिष्ठता का प्रयोग हम मनुष्य के सामाजिक जीवन में भी कर सकते हैं। जहाँ एक व्यक्ति की अन्तः क्रिया दूसरे व्यक्ति के साथ होती है और व्यक्ति जिस प्रकार के भी अंतःक्रियात्मक शब्दों का प्रयोग दूसरे के लिए करता है तो उसी तरीके का और उसी मात्रा में व्यक्ति को विपरीत जवाब भी मिलता है। इसका तात्पर्य है की ल्लीछ३ङ्गल्ल का वह तीसरा नियम सिर्फ वस्तुओं के सन्दर्भ में ही सही नहीं है बल्कि यह मानव जीवन के स्वभावगत अन्तः क्रिया का भाग है। इसलिए विज्ञानं का नियम होते हुए भी यह सामाजिक जीवन में भी सामान रूप से उपयोगी होता है।

दूसरी तरफ शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ विषय के इतर भी उनके व्यवहारिक या सामान्य जीवन की परिस्थितियों के साथ भी अन्तः क्रिया करनी होती है। यहाँ पर शिक्षकों को अपने बहुआयामी व्यक्तित्व के व्यावहारिक पक्ष के अंतर्गत छात्रों के जीवन में दिन प्रतिदिन के सन्दर्भ में आने वाली कठिनाइयों , उनके उपाय और उसके निवारण हेतु सुझाव भी देना पड़ता

फैशन फॉरवर्ड के रैंप पर दिखा कमाल के कस्टूम कलेक्शन

अरका जैन विश्वविद्यालय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रैम्प पर जलवा बिखेरते मॉडल।

जमशेदपुर। अरका जैन विश्वविद्यालय के फैशन डिजाइन विभाग ने बेल्डीह क्लब हल में फैशन फरवर्ड नाम से एक फैशन शो अंग्रेजी विभाग के सहयोग से आयोजित कर अपने इन-हाउस डिजाइन कलेक्शंस को दर्शकों के सामने रैंप वाक के माध्यम से रखा। 60 से अधिक मडल्स ने रैंप पर फैशन के ट्रेंड सेट करते हुए कस्टूम्स पेश किये जिसे काफी सराहा गया।

इस शो में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी जिन्होंने कहा कि अरका जैन विश्वविद्यालय कम ही समंय में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काफी ऊँचा मुकाम हासिल किया है और फैशन फरवर्ड जैसे फैशन शो से विश्वविद्यालय ने साबित किया है कि ये बड़े शहरों के संस्थाओं के समकक्ष खुद को स्थापित कर लिया है। विशिष्ट अतिथियों में को-ओपरेटिव कलेज के प्राचार्य डा अमर सिंह, टाटा स्टील के कर्पोरेट कम्युनिकेशन के पूर्व हेड रूना राजीव कुमार, बंगलोर के और लैक्मे फैशन वीक फेम डिजाइनर पद्म राज केसरी, समाज-सेवी सोनिया खनूजा समेत शहर के नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। विश्वविद्यालय के बोर्ड अफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष प्रो एसएस रजी, निदेशक-सह-कुलसचिव ड अमित कुमार श्रीवास्तव, कैंपस डायरेक्टर ड अंगद तिवारी, वित्त पदाधिकारी ऋचा गर्ग, संयुक्त कुलसचिव ड जसबीर सिंह धंजल, फैशन डिजाइन विभाग के प्रोग्राम कोअर्डिनेटर उषा किरण बारला ने अतिथियों का अभिनन्दन किया और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष ड राजकुमारी घोष ने औपचारिक स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर ड अंगद तिवारी ने विश्वविद्यालय की ओर से कहा कि इस शो के मनमोहक कस्टूम्स विश्वविद्यालय के फैशन डिजाइन के विद्यार्थियों ने बनाया है जो इस बात कि अब जमशेदपुर में भी फैशन डिजाइन में ऊँचे स्तर की स्किल बेस्ड पढ़ाई कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि अरका जैन विश्वविद्यालय के फैशन डिजाइन विभाग ने समय को जाना है और अपने विद्यार्थियों को नीड बेस्ड स्किल दिया है।

कुलसचिव ड अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि शहर और झारखण्ड राज्य से किसी भी क्षेत्र के शिक्षा के लिए किसी को बाहर पलायन न करना पड़े।

विदित हो कि मुख्य शो के बाद शहर के कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने एक रैंप वाक कांटेस्ट में भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के दरम्यान कंदिशा नृत्य ने भी काफी तालियां बटोरी। उक्त शो को सफल करने में फैशन डिजाइन के विभागीय प्रधान प्रो उषा किरण बारला, सहायक प्राध्यापक अनूप कुमार सिंह, मनीषा सिंह, पूनम कुमारी का विशेष योगदान रहा। साथ ही एमओयू पार्टनर्स कला मंदिर, स्वच्छता पुकारे एवं आदिवासी डट अर्ग के अलावे प्रोजेक्ट रिडेनीम, लैक्मे अकादमी, एक्टिव फर एवर और डर्टी पज का भी सहयोग रहा।

स्पीड न्यूज

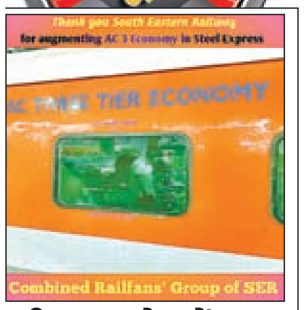

स्टील एक्सप्रेस में 3 एसी इकोनामी की वृद्धि : अरुण जोशी

जमशेदपुर। टाटानगर से हावड़ा के लिए परिचालित ट्रेन संख्या 12814/13 स्टील एक्सप्रेस में एक सेकंड सीटिंग (डी-12) डब्बे को हटाकर एक 3 एसी इकोनामी कोच का डब्बा लगाया जाने की मांग को पूरा होने पर खुशी व्यक्त करते हुए जेडआरयूसीसी के सदस्य अरुण जोशी ने कहा कि यात्रियों के हित में मेरी यह पुरानी मांग थी। इस मांग को कई बार जेडआरयूसी सही मीटिंग में भी उठाया गया था। श्री जोशी ने कहा कि आज जब स्टील एक्सप्रेस का इसी वर्ष 1 अप्रैल को 55 वर्ष पूरे हुए तो एक बार फिर से इस ट्रेन में वातानुकूलित शयनयान कोच की सुविधा मिलने जा रही है जो कि वर्ष 2018 से इस प्रकार के डब्बे को एलएचबी डब्बे मिलने के दौरान हटा दिया गया था। इस सुविधा से वृद्ध, बीमार लोगों को अब एक सेकंड सीटिंग कोच की जगह लगने से अब सोकर सफर करने की सुविधा मिल जाएगी एवं रेल के राजस्व में भी वृद्धि होगी। उन्होंने इस मांग को पूरा करने लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के उच्चाधिकारीयों एवं इस मांग को पूरा कराने में सहयोग के लिए टाटानगर के रेल फैंस शशांक शेखर स्वाई एवं सोमांको तिरु के प्रति आभार जताया।

पूर्व सैनिकों ने पाक के राष्ट्रीय ध्वज को रौंदा

जमशेदपुर। पहलगाम घटना के बाद पूरा देश गुस्सा से जल रहा है। आज उसी क्रम में पूर्व सैनिक सेवा परिषद पूर्वी सिंहभूम की फिटनेस टीम जय हो अपने सहयोगी एवं स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार सिविल समाज के नागरिकों के साथ मिलकर डिमना की वादियों में आक्रोश रैली निकाला। इस रैली में रविवार की छुट्टी होने की वजह से खेलने एवं घूमने आए युवा एवंआम नागरिक भी शामिल हुए। इस रैली में पाकिस्तान मुर्दाबाद आतंकियों को फांसी दो भारतीय सेना जिंदाबाद मोदी जी तुम एक्शन लो हम तुम्हारे साथ हैं आदि के नारे लगे। आक्रोशित भीड़ ने पाकिस्तान के जनरल मुनीर का पुतला एवं पाकिस्तान का झंडा जलाया। लोगों का कहना था की बीते दिनों में भारत सरकार एवं सेना की तरफ से पाकिस्तान को आतंकवाद का रास्ता छोड़ने एवं अमन शांति का पैगाम देने का अनेकों प्रयास हुआ। इसके बदले पाकिस्तान अपने फितरत के अनुरूप कारगिल युद्ध उरी अटैक पुलवामा अटैक और अभी-अभी पहलगाम की घटना को अंजाम दिलाया। जिसमें 28 निर्दोष भारतीय पर्यटकों को धर्म पूछकर मारा गया। आज पूरा देश पाकिस्तान पर हमला करने की मांग कर रहा है। और हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि भारतीय सरकार अपनी सशत्र सेना के अधिकारियों की सूझबूझ से इस निंदनीय घटना का बदला जरूर लेगी। जिससे 140 करोड़ भारतीयों के साथ-साथ पहलगाम में मारे गए नागरिकों के परिवार के कलेजा को ठंडक पहुंचेगी।

पहलगाम आतंकी घटना के खिलाफ कैंडल मार्च
देश के गद्दारों पर कार्रवायी की मांग

ओरमांझी में निकली कैंडल मार्च में शामिल लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के खिलाफ रविवार को प्रखंड क्षेत्र के पांचा में कैंडल मार्च निकाल कर आंतकी व देश के गदारों पर कार्रवायी की मांग की गई। कैंडल मार्च पांचा बस्ती से होते हुए मुख्य पथ पर पहुंची। इस दौरान लोग आतंकियों के साथ उनके पनहागार व पाकिस्तन मुर्दा बाद की नारे लगाते हुए, आरोपियों को फांसी देने की मांग की जा रही थी। कैंडल मार्च में शामिल राजधाम साहू व रवि साहू ने आतंकी घटना के प्रति आक्रोश जताते हुए बताया, रविवार को कैंडल मार्च में विभिन्न राजनीति पार्टी से जुड़े लोग एक साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं कैंडल मार्च के बाद मारे गये पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर नारायण साहू, राममोहन महतो, कृष्णा साहू, प्रमोद चौरसिया, सरोज महतो, राजकिशोर मुंडा, राजधाम साहू, रवि साहू, ओमप्रकाश साहू, प्रीतम साहू, सुबास साहू, विनोद प्रजापति, विनोद साहू, अनिल महतो, कृष्णा महतो, अक्ष्य कुमार, सचिन प्रजापति, अशेश्वर लाल गुप्ता, दिलीप प्रमाणिक सहित कई लोग शामिल थें।

नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्का नगड़ी। नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक पिस्का गोसाई टोली भवन में हुई। जिसमें संगठन सृजन 2025 एवं संविधान बचाओ रैली तीन मई को पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित रैली के विषय में परिचर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सहाबीर लोहरा ने किया। मौके पर हटिया विधानसभा प्रभारी शाहिद अहमद ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि नगड़ी प्रखंड में संगठन को 3 महीना में संगठन को मजबूत करना है। नगड़ी प्रखंड के पर्यवेक्षक एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव बेलस तिर्की ने कहा आगामी 3 महीना सबको टास्क दिया गया है 2025 संगठन सृजन के तहत प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन एवं सभी मंच मोर्चा के संगठन पंचायत कमेटी गांव कमेटी सभी मोर्चा के अध्यक्षों को बारह सदस्यों का कमेटी गठन करना है। श्री तिर्की ने कहा कि आगामी तीन मई 2025 को संविधान बचाओ रैली पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित किया गया है।

धन्यवाद ज्ञापन फिरोज आलम ने किया। इस बैठक में मंडल अध्यक्ष अख्तर अंसारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी, आदिवासी मोर्चा कांग्रेस अध्यक्ष विश्वा तिर्की, महिला कांग्रेस अध्यक्ष उषा देवी, शक्ति महतो, मकसूद अंसारी, मास्टर शाहिद अंसारी, जगन्नाथ उरांव, रश्मि तिर्की, निरुपमा तिग्गा, अनीता तिग्गा, शैली हेरेंज, खुशबू कुमारी, स्टीफन होरो, मरियम तिर्की, सरफूल अंसारी, अर्चना देवी, सुशीला उराईंन, हेमंत तिर्की, अशरफुल अंसारी, गुलशन टोप्पो, लक्ष्मी देवी, महावीर उरांव, जसीम अंसारी, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर में

मायुमं ने चेशायर होम में बच्चों को कराया भोजन

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी शाखा द्वारा आनंद सबके लिए' राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम के तहत रविवार को सुंदरनगर स्थित चेशायर होम में विशेष बच्चों को भोजन कराकर उनके साथ खुशियां बांटी गयी। यह मानवीय सेवा मंच की सामाजिक जिम्मेदारी एवं सेवा भावना का परिचायक है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों तक सहायता पहुंचाना और युवाओं को सेवा के लिए प्रेरित करना रहा। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष अनंत मोहनका, सचिव कौशिक चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रमेश अग्रवाल, अजय चेतानी, अंकुर मोदी, रिषव चेतानी, अनिमेष छापोलिया आदि का योगदान रहा।

आदित्यपुर ब्राह्मण समाज ने निकाला कैंडल मार्च

जमशेदपुर। रविवार को आदित्यपुर ब्राह्मण समाज के आह्वान पर कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा निहत्थे और निर्दोष भारतियों पर्यटकों को धर्म पूछकर निर्मम तरीके से हत्या पर विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन आकाशवाणी चौक, आदित्यपुर में किया गया। इस अवसर पर कैंडल मार्च भी निकाला गया। वक्ताओं ने कहा कि हमारे देश में धार्मिक रूप से देश वासियों को बांटकर लड़ाई लगवाने कि जो घृणित काम पाकिस्तान द्वारा किया गया है। इस विरोध प्रदर्शन के बाद ब्राह्मण समाज के डा पवन पांडेय ने कहा कि आज हम सभी भारतवासियों को जो दर्द पाकिस्तान ने दिया है। उसे हम सभी भारतवासी कभी नहीं भुला सकते हैं। हम केंद्र सरकार से यह मांग करते हैं कि देश के सभी धर्मों एवं जातियों एवं पार्टी के लोग एक स्वर में सरकार के समर्थन में हैं और सरकार से यह चाहते हैं कि पाकिस्तान को हर हाल में सबक सिखाया जाए। ताकि भविष्य में पाकिस्तान कि सरकार भारत में इस प्रकार कि किसी तरह की आतंकवादी हरकत करने से पहले हजार बार सोचे। साथ ही साथ इस आतंकी हमले में बेवजह ही मारे गए लोगों को सरकारी फंड से एक एक करोड़ रुपया की आर्थिक सहायता राशि दी जाए। जिससे मृत परिवारों को इस दुखद धटना से उबरने के लिए कुछ महरम लगाया जा सके। इस कार्यक्रम में आबकारी विभाग के निरक्षक आशीषरंजन मिश्रा, रामाशंकर पाण्डेय, बाला शंकर तिवारी, अजय ओझा, सतीश मिश्रा, धर्मेन्द्र तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भोजपुरी साहित्यकार नागेंद्र सिंह की जयंती पर अंगना संस्था का भव्य कवि सम्मेलन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। साहित्यिक संस्था 'अंगना' द्वारा भोजपुरी के मूर्धन्य साहित्यकार नागेंद्र सिंह की जयंती के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुंवर विजय प्रताप सिंह देव बालिका उच्च विद्यालय, सरायकेला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक नारायण कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गायत्री परिवार के राजेश साहू और डीएससी राजेश्वर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद माधवी उपाध्याय ने माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने सुंदर काव्य पाठ किया। साथ ही 11 कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं के उत्ष्ट प्रदर्शन के लिए अंगना संस्था द्वारा पाँचों छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डक्टर संध्या सिन्हा सूफी ने प्राचार्य, कार्यक्रम प्रतिनिधि अनामिका मिश्रा और सभी कवि-कवयित्रियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन विश्व रंजन त्रिपाठी ने अत्यंत सराहनीय ढंग से किया।

घाघीडीह सेंट्रल जेल के सामने फायरिंग करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, जेल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। परसूडीह थाना क्षेत्र के घाघीडीह सेंट्रल जेल के सामने 22 अप्रैल को हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने एक संवाददाता सम्मेलन में उक्तजानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के दिन दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने जेल के सामने फायरिंग की थी और मौके पर एक पर्ची फेंककर फरार हो गए थे। पर्ची में अभिजीत मंडल उर्फ कांडी का नाम लिखा हुआ था, जिसे लेकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। इस मामले की जांच में जुटी पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनमें शामिल हैं: गणेश कर्मकार एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा, ब्लू बेल्स हाई स्कूल के पास का निवासी अविनाश कुमार , तुरियाबेड़ा निवासी सौरभ सिंह उर्फ तोड़े और परसूडीह थाना क्षेत्र के गोल पहाड़ी निवासी, राजू मौर्य कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर निवासी। गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ सिंह उर्फ तोड़े का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ सीतारामडेरा थाना में हत्या और लूट के दो मामले दर्ज हैं। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं जांच कर रही है।

एमजीएम अस्पताल के लिए बन रहे नये इंटक वेल का काम छह महीने से बंद

जमशेदपुर। डिमना स्थित एमजीएम मेडिकल कलेज के प्रांगण में बने नए एम जी एम अस्पताल के भवन में सुचारू रूप से जलापूर्ति करने हेतु मानगो शंकोसाईं श्याम नगर स्थित नदी के तराई में इंटक वेल का निर्माण किया जा रहा है श्याम नगर स्थित स्वर्णरेखा नदी से पानी को संकोसाईं रोड नंबर एक होते हुए डिमना मुख्य सड़क के माध्यम से सीधे अस्पताल प्रांगण में ले जाने का योजना सरकार के द्वारा बनाया गया है योजना के नियमित छः महीना पूर्व संवेदक के द्वारा कार्य का शुभारंभ किया गया था निर्माण कार्य की शुरुआत शंकोसाई में नदी के जल स्तर बढ़ने पर नदी का पानी प्रवेश न करें इसके लिए बनाए गए कोपर डैम की मिट्टी को पूरी तरह काट किया गया है। कोपर डैंम की मिट्टी कटाई के समय स्थानीय लोगों ने विरोध करते हुए कहा था की डैम मिट्टी अगर काट दिया गया तो पूरा संकोसाई जलमग्न हो जाएगा। नदी का जलस्तर बढ़ने पर कई मकान नदी में समा जाएंगे। तब मौके में मौजूद संवेदक और कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा था की एक महीने के भीतर इंटक वेल का निर्माण कार्य पुरा कर लिया जाएगा और पूर्व की तरह बनाए गए कोपर डैम को मिट्टी भरकर सुद्दढ़ और मजबूत कर दिया जाएगा। मौके में मौजूद संवेदक ने स्थानीय लोगों को बताया था की पानी की किल्लत के कारण एमजीएम अस्पताल का नया भवन सुचारू रूप से चालू नहीं हो पा रहा है इसलिए सरकार ने नदी से पानी ले जाने के लिए योजना बनाया है इसके नियमित यह कार्य चल रहा है।

झारखंड में सॉफ्टबॉल स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने का निर्णय, हर जिले में बनेगी कमेटी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड सॉफ्टबॉल एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा 2025 की बैठक रविवार, जमशेदपुर के साक्ची स्थित पुराना कोर्ट परिसर के टी आई सी होटल के सभा कक्ष में आयोजित की गयी। बैठक का उद्घाटन अजय शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार, लक्ष्मण महतो, परम आशीष महतो, संरक्षक अनिल चौबे ने किया। बैठक की अध्यक्षता झारखंड सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के महासचिव बलराम कुमार तांती ने किया। बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं अध्यक्ष पूर्वी सिंहभूम सॉफ्टबॉल एसोसिएशन अजय शर्मा ने झारखंड राज्य सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा आज जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है उसे स्वीकार करते हुए मजबूत इरादों के साथ इस खेल को नई दिशा देने का भरपूर प्रयास करूंगा।

नारायण आईटीआई में पहलगाम में मृत पर्यटकों को दी गयी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। रविवार को नारायण प्राइवेट आईटीआई चांडिल में डा. जटाशंकर पांडे (प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा) के नेतत्व में जम्मू कश्मीर के अनंतनाग के पहलगाम में आतंकी हमले में जो निर्दोष पर्यटको की हत्या हुई उनलोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मन रखा गया।

भाजपा नेता जटाशंकर पांडे ने कहा कि जम्मू कश्मीर के अनंतनाग के पहलगाम में आतंकी हमले में जो निर्दोष पर्यटको की हत्या हुई उसके लिए हमलोग प्रधानमंत्री जी से आग्रह करते है कि खून के एक एक कतरा का हिसाब पाकिस्तान से लिया जाय और अब समय आ गया है कि भारत सरकार को इस आतंकी हमले के खिलाफ में सरकार को करवाई करना चाहिए और संभव हो पाकिस्तान के ऊपर चढ़ाई भी करना चाहिए। विश्वास है पीएम इस अभियान में सफल होंगे।

गुदड़ी के बांदु पंचायत का विकास शीघ्र : जोबा माझी

सोनुवा। पश्चिमी सिंहभूम के सबसे पिछड़े प्रखंड में शुमार गुदड़ी प्रखंड के बांदु पंचायत में रविवार को सांसद जोबा माझी और मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगत माझी पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार करीब दो दशक बाद बांदु की धरती पर विधायक और पहली बार किसी सांसद के कदम पड़े हैं। सांसद और विधायक को अपने बीच पाकर ग्रामीण खुशी से झूम उठे। गांव की महिला और पुरुषों ने ढोल नगाड़ों और पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया। गांव में सांसद और विधायक से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं जानी। इस दौरान ग्रामीणों ने सांसद और विधायक के समक्ष मोबाइल कनेक्टिविटी, एफसीआई गोदाम, अस्पताल, सभी गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल समेत सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यहां समस्याएं बहुत हैं और उम्मीद की किरण भी आप ही हैं। कहा कि बिना सांसद और विधायक का चेहरा देखे ही हम वोट देते हैं, इसलिए हमारी समस्याओं का समाधान जरूर करें। सांसद जोबा माझी ने कहा यहां के ग्रामीणों को हम परिवार की तरह मानते हैं।

शहीद परिवार एवं पूर्व सैनिकों के भारत माता की जय से गूंज उठा कालीमाटी रोड
पीएम मोदी की मन की बात से जुड़ा नमन परिवार

खबर मन्त्र ब्यूरो

शहीद परिवार और पूर्व सैनिकों संग मन की बात सुनती विधायक पूर्णिमा साहू दास व नमन के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले।

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें संस्करण से आज पूरे झारखंड में केवल जमशेदपुर के नमन संस्था को प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का गौरव प्राप्त हुआ। इस विशेष आयोजन में शहीद परिवारों और पूर्व सैनिकों को सीधे प्रधानमंत्री से जुड़ने और उनके विचार सुनने का अवसर मिला। आयोजन का उद्देश्य देश के लिए बलिदान देने वाले परिवारों के अदम्य साहस को सम्मानित करना और राष्ट्रीय एकता व गौरव की भावना को सशक्त करना था।

कार्यक्रम का आयोजन नमन संस्था के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में नमन के संस्थापक श्री अमरप्रीत सिंह काले ने उपस्थित सभी वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। श्री काले ने बताया कि झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित पूरे पूर्वी भारत से केवल नमन का चयन 'मन की बात' से प्रत्यक्ष जुड़ने के लिए हुआ, जो जमशेदपुर और पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम के दौरान हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करके श्री काले ने कहा कि इस दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी शहादत हमारे संकल्प को और मजबूत बनाती है और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम के दौरान वीर नारियों और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया।

मुंबई ने लखनऊ को 54 रन से हराया, बुमराह ने झटके चार विकेट

जीत के साथ टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंची हार्दिक की टीम

जसप्रीत बुमराह ने एक ही ओवर में तीन विकेट चटका लिए

एजेंसी

मुंबई। आइपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का दमदार खेल जारी है। लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर मुंबई ने आइपीएल 2025 में लगातार 5वां मुकाबला जीत लिया है। वानखेड़े स्टेडियम पर एक बार फिर मुंबई के गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों चमके। पहले खेलते हुए मुंबई ने 215 रन बनाए। जवाब में लखनऊ को 161 रनों पर रोककर मुकाबले को 54 रन से अपने नाम किया। इस जीत से हार्दिक पंड्या की टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। 10 मैच में टीम के 12 पॉइंट हो गए हैं।

सूर्यकुमार व रिकेल्टन की फिफ्टी

मुंबई इंडियंस ने विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) के तेज अर्धशतकों से इस स्कोर तक पहुंच पाई। सूर्यकुमार लगातार रन बटोरते हुए इस आइपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपने तीसरे अर्धशतक के साथ 400 रन का आंकड़ा पार किया। भारत के टी20 कप्तान ने आइपीएल में 4,000 रन भी पूरे किए। सूर्यकुमार ने 28 गेंदों में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। रिकेल्टन ने 25 गेंद में आईपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 32 गेंद की पारी के दौरान छह चौके और चार छक्के जड़े। उन्होंने विल जैक्स (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी निभाई। अंत में नमन धीर ने 11 गेंद में दो चौके और दो छक्के से नाबाद 25 रन और डेब्यू कर रहे कॉर्बिन बॉश ने 10 गेंद में 20 रन का योगदान दिया। एलएसजी के लिए आवेश खान और मयंक यादव ने दो दो विकेट हासिल किए।

रोहित शर्मा का बल्ला शांत रहा

लखनऊ ने टॉस हारने के बाद पहले बॉलिंग करने का फैसला किया। मुंबई इंडियंस ने फॉर्म में चल रहे रोहित शर्मा (12 रन) का विकेट भले ही शुरू में खो दिया हो लेकिन रिकेल्टन ने पावरप्ले में तेजी से रन जुटाये। लगातार दो अर्धशतक लगाने के बाद मैच में उतरे रोहित ने चोट के बाद वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव (40 रन देकर दो विकेट) का स्वागत लगातार दो छक्कों के साथ किया। लेकिन भारतीय कप्तान धीमी गेंद पर आउट हो गए। मयंक ने तीसरे ओवर में 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर रोहित को ऑफ स्टंप के बाहर कैच कराया। इस शुरूआती झटके का कोई असर नहीं हुआ और बाएं हाथ के दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज रिकेल्टन ने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की गेंदों पर शानदार शॉट लगाए। पर वह दिग्वेश राठी की गेंद पर आउट हो गए। अंत में नमन धीर और कॉर्बिन बॉश ने मुंबई इंडियंस को 200 रन का स्कोर पार कराया। नमन को गेज टेस्ट में विफल होने के कारण अपना बल्ला बदलना पड़ा। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ के शुरूआत में ही एडेन मार्करम के रूप में बड़ा झटका लग गया। तीसरे ओवर में वह जसप्रीत बुमराह का शिकार बन गए। इसके बाद मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने अच्छे शॉट खेले।

डेब्यू मैच में छाए कोर्बिन बॉश: 30 साल के कॉर्बिन बॉश को लखनऊ के खिलाफ अपने पहले मैच में ही बल्लेबाजी करने का मौका मिला। वह आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। बॉश ने 10 गेंद में 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज करते हुए 20 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और एक छक्का भी लगाया।

बुमराह ने रचा इतिहास

बुमराह आइपीएल 2013 में अपने डेब्यू के बाद से मुंबई के लिए खेल रहे हैं। जब फ्रैंचाइजी ने बुमराह को शामिल किया था। भारतीय तेज गेंदबाज आउटस्विंगर सीखने में मदद करने के लिए मलिंगा को बहुत श्रेय देते हैं क्योंकि दोनों का गेंदबाजी एक्शन बाकी गेंदबाजों से अलग और यूनिक है। इस मैच में एक विकेट लेते ही बुमराह मलिंगा से आगे निकल गये। 31 वर्षीय बुमराह के नाम अब मुंबई इंडियंस के लिए 138 मैचों में 171 विकेट दर्ज हो गए हैं। श्रीलंकाई दिग्गज मलिंगा के नाम 170 विकेट हैं। इस मैच में एक विकेट हासिल करते ही उन्होंने मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह ने दूसरी पारी के तीसरे ओवर में एडेन मार्कराम को आउट करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

मुंबई 215/7 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
रिकेल्टन कै. बदोनी बो. सिंह	58	32	06	04
रोहित कै. प्रिंस बो. मयंक	12	05	00	02
जैक्स बोल्ड प्रिंस यादव	29	21	03	01
सूर्यकुमार कै. मार्श बो. आवेश	54	28	04	04
तिलक कै. प्रिंस बो. बिश्नोई	06	05	01	00
हार्दिक पंड्या बो. मयंक	05	07	00	00
नमन धीर नाबाद	25	11	02	02
बॉश कै. पूरन बो. आवेश	20	10	02	01
दीपक चाहर नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त : 05

विकेट पतन : 1-33, 2-88, 3-116, 4-137, 5-157, 6-180, 7-208.

गेंदबाज : मयंक यादव : 4-0-40-2, प्रिंस यादव : 4-0-44-1, दिग्वेश सिंह : 4-0-48-1, रवि बिश्नोई : 4-0-41-1, आवेश खान : 4-0-42-2.

लखनऊ 161/10 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
मार्श कै. तिलक बो. बोल्ट	34	24	03	02
मार्करम कै. धीर बो. बुमराह	09	11	02	00
पूरन कै. यादव बो. जैक्स	27	15	01	03
पंत कै. कर्ण बो. जैक्स	04	02	01	00
बदोनी कै. जैक्स बो. बोल्ट	35	22	02	02
मिलर कै. बॉश बो. बुमराह	24	16	03	00
समद बो. बुमराह	02	04	00	00
बिश्नोई बो. बॉश	13	14	00	02
आवेश खान बो. बुमराह	00	01	00	00
प्रिंस यादव नाबाद	04	09	00	00
दिग्वेश सिंह बो. बोल्ट	01	03	00	00

अतिरिक्त : 08

विकेट पतन : 1-18, 2-60, 3-64, 4-110, 5-135, 6-141, 7-142, 8-142, 9-157, 10-161.

गेंदबाज : ट्रेंट बोल्ट : 4-0-20-3, दीपक चाहर : 3-0-38-0, जसप्रीत बुमराह : 4-0-22-4, विल जैक्स : 2-0-18-2, कर्ण शर्मा : 2-0-25-0, हार्दिक पंड्या : 1-0-10-0, कॉर्बिन बॉश : 4-0-26-1.

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	10	07	03	00	14	+0.521
गुजरात	08	06	02	00	12	+1.104
मुंबई	10	06	04	00	12	+0.889
दिल्ली	09	06	03	00	12	+0482
पंजाब	09	05	03	01	11	+0.177
लखनऊ	10	05	05	00	10	-0.325
कोलकाता	09	03	05	01	07	+0.212
हैदराबाद	09	03	06	00	06	-1.303
राजस्थान	09	02	07	00	04	-0.665
चेन्नई	09	02	07	00	04	-1.302

पर्पल कैप
18 विकेट
जोश हेजलवुड
बेंगलुरु

ऑरेंज कैप
443 रन
विराट कोहली
बेंगलुरु

सूर्यकुमार ने पूरे किये 4 हजार आइपीएल रन

सूर्यकुमार ने विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार भारतीय बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया। भारतीय टीम के टी20 कप्तान ने 2714 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की है। विराट और रोहित दोनों ने अपने 4000 आइपीएल रन पूरे करने के लिए सूर्या से ज्यादा गेंद खेली हैं। बता दें कि, क्रिस गेल सबसे तेज 4000 आइपीएल रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 2653 गेंदें खेली, जबकि दक्षिण अफ्रीकी स्टार एबी डिविलियर्स ने सिर्फ 2658 गेंदें खेली। इस तरह सूर्यकुमार आइपीएल में सबसे तेज 4000 रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इन तीनों के बाद डेविड वॉर्नर (2809 गेंदें) और सुरेश रैना (2881 गेंदें) हैं। मुंबई के बल्लेबाज को मैच से पहले अपने 4000 आइपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 34 रनों की जरूरत थी और उन्होंने 13वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ चौका लगाकर यह उपलब्धि हासिल कर ली। सूर्यकुमार अपना 160वां आइपीएल मैच खेल रहे थे और उनके करियर में दो शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। 4000 रन बनाने वाले शीर्ष क्लब में केवल डिविलियर्स (151.68) और गेल (148.96) का स्ट्राइक रेट उनसे बेहतर है। सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग में 150 छक्के भी पूरे किये।

राजस्थान को गुजरात के खिलाफ करना होगा संघर्ष

एजेंसी

जयपुर। साई सुदर्शन की शानदार फार्म से उत्साहित गुजरात टाइटन्स सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आइपीएल के मैच 47 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर अपना दबदबा कायम रखने मैदान में उतरेगी। वहीं प्लेऑफ से दूर होती जा रही राजस्थान रॉयल्स को इस मैच में जीत हासिल कर लगातार पांच हार की निराशा से निकलने के लिए संघर्ष दिखाना होगा। टूर्नामेंट के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही है आरआर के लिए इस मुकाबले को जीतने का अधिक दबाव होगा। आरआर को टूर्नामेंट में अब तक खेले गये नौ मैचों में से सात में हार का सामना करना पड़ा है। वह दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। वहीं गुजरात इस सत्र में राजस्थान के खिलाफ अपने सात मुकाबलों में से छह में जीत हासिल की है इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। उसके स्टार बल्लेबाज साई सुदर्शन नौ मैचों में 417 रन बनाकर चार्ट में सबसे आगे हैं। कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट में अब तक 153.26 की स्ट्राइक रेट से 305 रन बना चुके है। गुजरात के गेंदबाज भी सामूहिक रूप से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। गेंदबाजी विभाग में, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और दोनों ने मिलकर 28 विकेट लिए हैं। इस बीच रविश्रीनिवासन साई किशोर ने बीच के ओवरों में मात्र 8.22 रन प्रति ओवर दिए हैं और बल्लेबाजों पर शिकंजा कसा है। राशिद खान के फिर से लय में आने के साथ, गुजरात का गेंदबाजी आक्रमण जयपुर की परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जहां पिच में लगातार उछाल है लेकिन रोशनी में आसानी होती है।

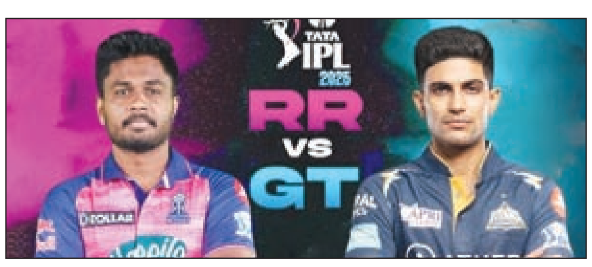

दिल्ली के घर में बेंगलुरु ने लिया हार का बदला

घर से बाहर छठी जीत, शीर्ष पर पहुंची आरसीबी, विराट-पांड्या के बीच चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आइपीएल 2025 के प्लेऑफ की तरफ पहला कदम बढ़ा दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आरसीबी ने अरुण जेटली स्टेडियम में 6 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ आरसीबी के 10 मैचों में 14 पॉइंट हो गए हैं। अब प्लेऑफ में जाने के लिए उसे सिर्फ एक जीत चाहिए। पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 8 विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने एक समय 26 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। यहां से विराट कोहली और क्रुणाल पंड्या ने फिफ्टी लगाकर टीम को 19वें ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। दिल्ली ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए लड़ने लायक स्कोर नहीं बना पाई। दिल्ली की तरफ से केएल राहुल ने थोड़ा धीमा अंदाज में खेलते हुए 39 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 41 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर दिल्ली को 150 के पार पहुंचाया। शुरूआत तो गजब की थी दिल्ली कैपिटल्स की। जिस तरह से पहले तीन ओवर खेले गए थे। लेकिन इसके बाद तो मध्य ओवरों में करुण नायर और फाफ डुप्लेसी के विकेट गिरने के बाद रन रेट गिरा था और जिम्मेदारी अब केएल राहुल और कप्तान अक्षर पटेल पर थी। अक्षर तो जल्दी आउट हुए लेकिन दो अहम विकेट भुवनेश्वर कुमार लेकर चले गए, जहां पर उन्होंने अहम समय पर केएल राहुल को आउट कर दिया। बाकी बची कहानी भुवी ने इस बीच आशुतोष का विकेट लेकर भी खत्म कर दी। दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल ने 11 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 28 रन ठोके। फाफ डुप्लेसी थोड़ा धीमे रहे। डुप्लेसी ने 26 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये। करुण नायर चार और कप्तान अक्षर पटेल 15 रन बनाकर आउट हुए। विप्रज निगम छह गेंदों पर एक छक्के की मदद से 12 रन बनाकर रन आउट हुए। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 54 रन जोड़े और चार विकेट गंवाए। आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि हेजलवुड ने चार ओवर में 36 रन देकर दो विकेट लिए जबकि यश दयाल और क्रुणाल पांड्या ने एक-एक विकेट लिया। खचाखच भरे अरुण जेटली स्टेडियम पर कोहली -कोहली के शोर के बीच विराट ने पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए 47 गेंद में चार चौकों की मदद से 51 रन बनाये जबकि क्रुणाल ने 47 गेंद में नाबाद 73 रन बनाये जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल थे। दिल्ली के गेंदबाज कुछ खास नहीं कर सके और खराब फील्डिंग तथा कैच टपकाने का भी उसे खामियाजा भुगतना पड़ा।

दिल्ली 215/7 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
पोरेल कै. जितेश बो. हेजलवुड	28	11	02	02
डु प्लेसिस कै. कोहली बो. क्रुणाल	22	26	02	00
करुण कै. कुमार बो. दयाल	04	04	01	00
राहुल कै. बेथेल बोल्ड कुमार	41	39	03	00
अक्षर पटेल बो. हेजलवुड	15	13	01	01
स्टब्स कै. हेजलवुड बो. कुमार	34	18	05	01
आशुतोष बो. भुवनेश्वर	02	03	00	00
निगम रन आउट	12	06	00	01
मिचेल स्टार्क नाबाद	00	00	00	00
दुशमंथा चमीरा नाबाद	00	01	00	00

अतिरिक्त : 04

विकेट पतन : 1-33, 2-44, 3-72, 4-102, 5-118, 6-120, 7-158, 8-162.

गेंदबाज : भुवनेश्वर कुमार : 4-0-33-3, यश दयाल : 4-0-42-1, जोश हेजलवुड : 4-0-36-2, सुयश शर्मा : 4-0-22-0, क्रुणाल पंड्या : 4-0-28-1.

बेंगलुरु 161/10 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
बेथेल कै. नायर बो. पटेल	12	06	01	01
कोहली कै. स्टार्क बो. चमीरा	51	47	04	00
पडिक्कल बो. अक्षर पटेल	00	02	00	00
रजत पाटीदार रन आउट	06	06	01	00
क्रुणाल पंड्या नाबाद	73	47	05	04
टिम डेविड नाबाद	19	05	03	01

अतिरिक्त : 04

विकेट पतन : 1-20, 2-20, 3-26, 4-145.

गेंदबाज : अक्षर पटेल : 4-0-19-2, मिचेल स्टार्क : 3-0-31-0, मुकेश कुमार : 3.3-0-51-0, विप्रज निगम : 1-0-12-0, कुलदीप यादव : 4-0-28-0, दुशमंथा चमीरा : 3-0-24-1

भारतीय महिला हॉकी टीम पर्थ में आस्ट्रेलिया ए से 2-3 से हारी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में आस्ट्रेलिया दौरे के अपने दूसरे मैच में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दृढ़ निश्चयी और धैर्यपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन 2-3 से हार गई। ज्योति सिंह (13वें मिनट) के गोल से भारत ने बढ़त बनाई, जिसके बाद आस्ट्रेलिया ए ने एवी स्टैंसबी (17वें मिनट), डेल डोल्केंस (48वें मिनट) और जेमी-ली सुरहा (52वें मिनट) के गोल की मदद से वापसी की। भारत का दूसरा गोल सुनीता टोप्पो (59वें मिनट) ने किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया ए की तुलना में तेजी से शुरूआत की। अपने आक्रमण में शानदार नियंत्रण दिखाया। शुरूआती दबाव मेजबानों पर था, क्योंकि भारत ने तेजी से आक्रमण किया। हालांकि, आस्ट्रेलिया ए ने अपनी स्थिति बनाए रखी और भारतीय महिला हॉकी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अंततः भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर के अंतिम चरण में एक पीसी जीता और ज्योति सिंह ने 13वें मिनट में बिना समय गंवाए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। आस्ट्रेलिया ए ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और उन्हें पेनाल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे एवी स्टैंसबी ने 17वें मिनट में गोल में बदल दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। ब्रेक के बाद, आस्ट्रेलिया ए और भारतीय महिला हॉकी टीम दोनों ही दूसरे गोल के लिए प्रयासरत थीं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों छोर पर हमलों की झड़ी लग गई। क्वार्टर के शुरूआती चरणों में आस्ट्रेलिया ए ने सबसे ज्यादा हमले किये।

भारत ने रिकार्ड 83 स्वर्ण पदक जीते

नयी दिल्ली। भारत ने दूसरी एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए रिकार्ड 83 स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल 84 पदकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल किया। 25 अप्रैल से इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव परिसर में आयोजित इस चैंपियनशिप में जापान, मंगोलिया, नेपाल, श्रीलंका, उज्बेकिस्तान और अन्य सहित 21 से अधिक देशों ने भाग लिया। भारत ने अभूतपूर्व 83 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष स्थान, जबकि जापान ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि मंगोलिया, ओमान और नेपाल शीर्ष पांच में है।

भारत ने श्रीलंका को हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी त्रिकोणीय सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया ने नौ विकेट से जीत लिया। अब भारत का सामना मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका से होगा। रविवार को कोलंबो में बारिश के कारण पहला मैच 39 ओवर का कर दिया गया था। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम ने 38.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 147 रन बनाए। जवाब में भारत ने 29.4 ओवर में एक विकेट गंवाकर 149 रन बनाए और 56 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। ऑफ स्पिनर राणा और बाएं हाथ की स्पिनर चरणी ने आठ-आठ ओवर के अपने कोटे को पूरा करते हुए क्रमशः 31 रन पर तीन और 26 रन पर दो विकेट चटकाए। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5.1 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट चटकाए।इस साल आयरलैंड के खिलाफ 154 रन की पारी खेलने वाली प्रतिका ने अपने सातवें वनडे में अर्धशतक जड़ शीर्ष क्रम पर अपना दावा मजबूत किया। इस 24 साल की खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी में पूरी परिपक्वता दिखाई। उन्होंने मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 59 गेंद में 54 रन की साझेदारी के दौरान संयमित बल्लेबाजी की। मंधाना के आउट होने के बाद उन्होंने अपनी स्ट्राइक रेट में सुधार करते हुए हरलीन के साथ 120 गेंद में 95 रन की अटूट साझेदारी की।

कोपा डेल रे फाइनल: बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया

एजेंसी

सेविले। बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया। ला कातूर्जा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई। मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाजक्वेज भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरूआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंततः लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

सुपरबेट रैपिड शतरंज : दो जीत से प्रज्ञानन्दा की शुरूआत

एजेंसी

वारशॉ, पोलैंड। भारतीय शतरंज जगत के चमकते सितारे और भविष्य की बड़ी उम्मीद आर प्रज्ञानन्दा और अरविंद चितांबरम इस समय दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ ग्रांड चैस टूर 2025 के पहले पड़ाव सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में भाग ले रहे है और पहले दिन रैपिड के तीन मुकाबलों के बाद प्रज्ञानन्दा 2 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है । प्रज्ञानन्दा नें दिन की शुरूआत फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी मकसीम लागरेव को पराजित करते हुए की और उसके बाद हमवतन अरविंद चितांबरम के खिलाफ एक बेहतर लग रही बाजी पहले हारने के करीब पहुंचे और फिर वापस उसे जीतने में सफल रहे जबकि दिन के आखिरी मुकाबले में उन्हे रोमानिया के बोगदान डेनियल से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल सर्बिया के व्लादिमीर फेडोसीव 2.5 अंक बनाकर पहले स्थान पर चल रहे है। भारत के अरविंद चितांबरम जिन्होने पहले राउंड में बोगदान डेनियल से ड्रॉ खेला और दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानन्दा से उन्हे हार मिली, उन्होने तीसरे राउंड में दिग्गज अमेरिकन खिलाड़ी लेवान अरोनियन को पराजित करते हुए अच्छी वापसी की और दिन का अंत 1.5 अंक बनाते हुए किया। अन्य खिलाड़ियों में फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा 2 अंक , पोलैंड के यान डूड़ा, रोमानिया के बोगदान डेनियल और डेविड गवेरीलेस्क्यू 1.5 अंक यूएसए के लेवान अरोनियन और बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव 1 अंक और फ्रांस के मकसीम लागरेव 0.5 अंक बनाकर खेल रहे है।

स्पीड न्यूज

प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने पर कृषक मित्रों में नाराजगी

ठाकुरगंगटी (गोड्डा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित शिव मंदिर परिसर में कृषक मित्र की बैठक संघ अध्यक्ष रविंदर यादव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें क्षेत्र के कृषक मित्रों ने भाग लिया। विभाग से प्रोत्साहन राशि व मानदेय न मिलने पर नाराजगी जतायी। इस दौरान कृषक मित्रों ने कहा कि काम के बदले में प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही है।

विद्यार्थियों ने दादा-दादी व नाना-नानी की उतारी आरती

बोकारो। नगर के सेक्टर-3सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में दादा-दादी व नाना-नानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन चास कॉलेज चास के पूर्व प्राचार्य प्रो पीएल वर्णवाल विद्यालय सचिव राजकुमार सिंह कोषाध्यक्ष स्वातिश्री प्राचार्य संजीव कुमार अभिभावक अंबिका प्रसाद फूल कुमारी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

कपरदार की चौथी पुण्यतिथि मनाई गयी

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के बगदा में दिवंगत सक्रिय समाजसेवी एवं पत्रकार रमेश चंचल के पिता स्व शंकरलाल कपरदार की चौथी पुण्यतिथि उनके आवास पर मनाई गई। इस दौरान उपस्थित परिजनों एवं ग्रामीणों ने स्व कपरदार की तस्वीर पर पुष्प माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य सड़क के किनारे मिला सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मी का शव

बेरमो। गांधीनगर थाना क्षेत्र के जरीडीह मोड़ के समीप मुख्य सड़क के किनारे हनुमान मंदिर के बगल में बीते देर शाम एक वृद्ध का शव पड़ा मिला जिसकी सूचना लोगों द्वारा तत्काल पुलिस को दी गई और आनन फानन में पुलिस भी मौके पर पहुच शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल मे जुट गई। हालांकि जांच-पड़ताल के दौरान शव के शरीर पर कोई भी चोट आदि का निशान नही पाया गया था।

साड़म पंचायत भवन को अतिक्रमण मुक्त करवाने की उठी मांग

गोमिया। गोमिया प्रखंड अंतर्गत साड़म पश्चिमी के मंडेय टोला में स्थित पुराना पंचायत भवन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पंसस विष्णु लाल सिंह ने गोमिया अंचलाधिकारी अफताब आलम को लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि मनसा युवा समिति नामक क्लब के द्वारा भवन का निर्माण करवाया गया था, जिसे बाद में सरकार द्वारा पंचायत भवन के रूप में चिन्हित किया गया था। हालांकि, राजकुमार करमाली नामक व्यक्ति ने इस भवन पर कब्जा कर लिया है। अंचलाधिकारी से अनुरोध किया है कि भवन को अतिक्रमण मुक्त कराकर पंचायत समिति सदस्य भाग 2 को कार्यालय आवंटित किया जाए, ताकि पंचायत स्तर के कार्यों का शीघ्र निष्पादन हो सके। उन्होंने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

एक दिवसीय टीकाकरण शिविर आयोजित

गोड्डा। सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आज हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय हज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। जहां शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। वहीं इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव ने कहा कि सिर्फ वही लोग हज पर जाते हैं जिनको बुलावा आता है। हज पर जाते समय दिखावे और गैर जरूरी खर्च से परहेज करें।

आतंकी हमले के विरोध में आक्रोश रैली

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत सुभाषनगर मे स्थानीय लोगो की ओर से रविवार को दुर्गा मंडप से फिल्ड क्वारी तक पहलगाम आतंकी हमले और निर्दोष पर्यटक की हत्या के खिलाफ आक्रोश रैली निकाला गया। इस दौरान हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व वार्ड पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल ने की। उन्होंने आतंकियों को कड़ी सजा और घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

एसकेएमयू कुलपति ने राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार से मुलाकात कर शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों पर की चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह ने रविवार को राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान कुलपति प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी कुलाधिपति को दी। उन्होंने विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों, शोध कार्यों और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए किए जा रहे प्रयासों से कुलाधिपति को अवगत कराया। कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की दिशा में निर्देश दिए।

कुलाधिपति से औपचारिक मुलाकात करते कुलपति

पिस्तौल के बल पर की लूटपाट, जांच में जुटी पुलिस

खबर मन्त्र संवाददाता

सरैयाहाट। दुमका जिला के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के बंदरी गांव में पुलिस की वर्दी में पिस्तौल की नोंक पर लूटपाट का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते रात करीब दस की संख्या में हथियार के साथ कुछ लोग मोहन यादव के घर पर पहुंच दरवाजा तोड़ घुस गए थे। जिसके बाद घर के लोगों को पिस्तौल के बल पर अपने कब्जे में लिया और लूटपाट की घटना को अंजाम दे चलते बने। गृह स्वामी के अनुसार घर से करीब 35 हजार रुपए नगद, 50 भर चांदी के जेवरात सहित करीब दो लाख रुपए मूल्य के सामनों की लूटपाट हुई है। लूटपाट के दौरान जब वर्दी धारियों ने घर के लोगों को कब्जे में लिया तब उनलोगों ने अपने आप को पुलिस पदाधिकारी बताया था। साथ वे लोग गाली गलौज भी कर रहे थे। मामलें को लेकर सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर लिखित शिकायत की गई है। सूत्रों के अनुसार सरैयाहाट के बंदरी सहित कई गांवों में बिना स्थानीय पुलिस को सूचना दिए सीमावर्ती बिहार की पुलिस रोजाना पहुंचती है और साईबर फ्रोड के नाम पर यहां के लोगों को उठा कर थाना लेजाकर फिर छोड़ देती है। बीते रात भी जब गांव में वर्दी पहने हुए लोग पहुंचे थे तो सभी को लगा कि बिहार पुलिस है। लेकिन उनलोगों ने जब लूटपाट शुरू किया तो सब को यह अहसास हुआ कि वर्दी में पहुंचे लोग पुलिस नहीं है।

घर का बिखरा समान

कोयला यार्ड अन्यत्र स्थानांतरण की मांग को लेकर कहा-सुनी

दुमका। रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे धरनार्थियों की रविवार को आरपीएफ इंचार्ज मनोज कुजूर की कहा सुनी हो गई। दरअसल रेलवे स्टेशन पर दो वर्षों से लगातार कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर स्थानीय निवासी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले में धरनार्थियों की एक ही मांग है कि कोयला डस्ट से लोगों को बचाने के लिए यहां से डंपिंग यार्ड को हटा लिया जाए। इस बात को लेकर आज आरपीएफ इंचार्ज मनोज कुजूर से धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को स्टेशन परिसर से हटा कर अन्यत्र करने को कहा गया। लेकिन धरनार्थियों ने उनकी अनसुना कर दी। इधर आसनसोल डीआरएम को भी एक मांग पत्र सौंप कर कोयला रैक हटाने की मांग की गई। जिस पर आठ माह के अंदर कोयला रैक हटाने का आश्वासन दिया गया। यहां बताते चलें कि इस संबंध में गोड्डा सांसद डॉ निशीकांत दूबे भी स्थानीय लोगों को आश्वासन दे चुके हैं। इस मामले को लेकर एनजीटी में एक मामला भी दर्ज है। धरना प्रदर्शन में रवि शंकर मंडल, हेमंत श्रीवास्तव,मनोज कुमार पंडित ,संजय मंडल ,ध्रुव कुमार, विष्णु यादव, मंजू गुप्ता, आशा देवी, आदि उपस्थित रहे।

युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

दुमका। जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती रामपुरहाट थाना के सालभादरा पेट्रोल पंप के समीप हथियारबंद अपराधियों ने गोलो मारकर हत्या कर दी। घटना रविवार के दिन के 11 बजे के आसपास की है। जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय पत्थर व्यवसायी सुदीप बास्की एक दुकान में बैठे थे। उस वक्त पांच बाइक में दस अपराधी जो नकाब में थे। वे वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियाँ चलाकर उसकी हत्या कर दी। जैसे ही घटना घटी चारों ओर सनसनी फैल गई। मामले में थाना प्रभारी अमित लकड़ा को भी यह सूचना मिलने पर फौरन मौके पर पहुंचे।

महिला कोषांग सदस्यों ने सात पारिवारिक विवादों का किया निपटारा

दुमका। महिला कोषांग की बैठक महिला थाना परिसर में रविवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रशिक्षु आईपीएस डॉ सैयद मुस्तफा हाशमी ने किया। कोषांग सदस्यों ने आपसी सुलह-समझौता से सात पारिवारिक वाद का निपटारा किया। जिसमें जिला के मसलिया थाना क्षेत्र के दलाही गांव के काजल पाल एवं नगर थाना क्षेत्र के मोरटंगा गांव निवासी राकेश पाल के बीच समझौता हुआ। वहीं जिले के रामगढ थाना क्षेत्र के कोनहारा गांव निवासी सकोदी हांसदा एवं थाना क्षेत्र के ही हाट गोड़ाचापड़ गांव निवासी बिनोद मरांडी के बीच सुलह हुआ। जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र बासकी गांव निवासी श्रीफुल सोरेन एवं धमनी गांव निवासी मिसर मरांडी के बीच समझौता हुआ। नगर थाना क्षेत्र के मोनालिसा निवेदिता मुर्मू एवं राकेश रंजन सोरेन के बीच सुलह हुआ। नगर थाना क्षेत्र के जिला स्कूल रोड निवासी अविनाश मोदी एवं धनबाद जिला के झरिया थाना क्षेत्र के राज हॉस्पिटल रोड निवासी आकांक्षा मोदी के बीच का वाद का निपटारा हुआ। इस अवसर पर एसडीपीओ, सदर विजय महतो, थाना प्रभारी अनुपमा सेरेंग, अधिवक्ता वीणा सिंह, कुमार प्रभात, समाजसेवी मनोज घोष, मेडिकल ऑफिसर डॉ बबिता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

'एलईओ' कार्यक्रम संपन्न

बोकारो। ऑपरेशनल पैरामीटर्स एंड बॉटम मैनेजमेंट इन बीओएफ पर आयोजित दो दिवसीय एलईओ कार्यक्रम का समापन किया गया। मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया था। अधिशासी निदेशक संकार्य सीआर महापात्रा अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा सुरेश रँगानी मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी स्टील अरविन्द कुमार मुख्य महाप्रबंधक एसएमएस - न्यू व एमआरडी आरके धवन के साथ विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक विभागाध्यक्ष तथा वरीय अधिशासी उपस्थित थे। बोकारो स्टील प्लांट के साथ सेल की सभी सहयोगी इकाइयाँ दुगार्पुर स्टील प्लांट भिलाई स्टील प्लांट इस्को बर्नपुर राउरकेला स्टील प्लांट तथा देश भर के इस्पात संयंत्रों जैसे टाटा स्टील जिंदल स्टील एनएमडीसी लिमिटेड आरआईएनएल के प्रतिभागियों ने अपने प्लांट परफॉर्मेंस बीओएफ संचालन कन्वर्टर के लांस का संचालन तथा अनुरक्षण हुड एंड स्कर्ट के अनुरक्षण जैसे विषय पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने अनुभवों को एक दूसरे के साथ साझा किए।

राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा बोकारो में शिक्षकों ने दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा बोकारो में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पहलगाम आतंकी हमले में हताहत हुए निर्दोष सैलानियों इसरो के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन एनजी+2 उच्च विद्यालय पत्थरगामा गोड्डा की युवा पीजीटी शिक्षिका आरती कुमारी एवं क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय चास के लिपिक बिनोद कुमार के निधन पर शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिक्षकों ने आतंकवादी हमले में हताहत हुए निर्दोष सैलानियों की निर्मम हत्या पर क्षोभ प्रकट किया एवं प्रभु से सभी सैलानियों के परिवारजनों को इस संकट की घड़ी में शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मानवता के एकीकृत प्रयास से आतंकवाद का समूल नाश होकर रहेगा। शिक्षक सत्य अहिंसा और पराक्रम का ज्ञान प्रदान कर देश को मजबूत करने का काम करते रहेंगे। संबोधित करते हुए झारखंड +2 शिक्षक संघ बोकारो के सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने दिवंगत अंतरिक्ष वैज्ञानिक पद्म भूषण एवं पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन के योगदान के लिए उनको आदर पूर्वक याद किया एवं उन्हें महान आत्मा बताया। डॉ झा ने गोड्डा जिले की दिवंगत युवा पीजीटी शिक्षिका आरती कुमारी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उपस्थित इंटरमीडिएट कॉलेजों के शिक्षकों एवं +2 उच्च विद्यालय के स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों ने क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय चास में पदस्थापित लिपिक बिनोद कुमार जी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया एवं उनके परिवारजनों की प्रति गहरी संवेदना प्रकट कीं। मौके पर मूल्यांकन केंद्र निदेशक कुमारी सविता +2 उच्च विद्यालय हरनाद के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार दत्ता वरीय शिक्षक कंचन कुमार संतोष कुमार सिंह धनंजय कुमार संतोष कुमार महतो राजीव रंजन तिवारी अर्चना कुमारी चंद्र नारायण सिंह मुकेश कुमार यादव रुकमणी गोराईं मो निसार अहमद मनीषा प्रिया बलजीत कौर राजेश कुमार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो। महिला समिति बोकारो की अध्यक्ष अनीता तिवारी के कुशल नेतृत्व में समिति ने बोकारो क्लब के अभिनंदन कक्ष में सदस्याओं के लिए एक पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया। पाक कला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। निर्णायक मंडली में अध्यक्ष अनीता तिवारी तथा उपाध्यक्ष इति रथ और देवजानी मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों के पाक कला का बारीकी से निरीक्षण किया तथा अपना निर्णय सुनाया। प्रथम व द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर क्रमशः शुक्ला बिस्वास ज्योति रंजना दीप यामिनी व मिन्नी विजेता रहीं तथा सभी को सहभागिता के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। मनोरंजक खेल तथा संगीत के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन श्वेता कुमार ने किया। समिति की सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी ने सदस्याओं को समाज सेवा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समिति की कार्यकारिणी दल के सदस्य अभिरुचि प्रिया अंजली अनिशा जया प्रीति सिम्मी एवं आशा ने पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

रतन चक आदिवासी बहुल गांव में गहराया पेयजल संकट

खबर मन्त्र संवाददाता

ठाकुरगंगटी (गोड्डा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत फुलबडिया पंचायत के आदिवासी बहुल गांव रतनचक में इन दिनों पेयजल संकट गहरा गया है। गांव के लोग पीने के पानी को लेकर त्राहिमाम हो रहे हैं। गांव में 40 घर में ढाई सौ की आबादी रहती है, जो कि मात्र एक जलमीनार पर आश्रित है। गांव सड़कों के दोनों किनारों तक लंबी दूरी तक बसा है। गांव के पूर्वी दिशा में गांव के बाहर एक जलमीनार लगी है, जहां गांव के ग्रामीणों को लंबी दूरी सफर कर पानी पीने के लिए अपने सिर पर ढोकर लाना पड़ता है। हालात में भी गांव के ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पाती है। भीषण गर्मी में लोगों की प्यास तक नहीं बुझ पाती है। ग्रामीण दिलीप हसदा, सोनेलाल टुड्डू, पृथा मरांडी, सुनील टुड्डू, बबलू मुर्मू ने बताया की पानी के लिए काफी हाहाकार मचा है। गांव के चारों तरफ पानी के लिए ग्रामीण परेशान है।

गांव के बाहर नदी है, पूरी तरह से सुख चुकी है। इसके पूर्व इस नदी में सालों भर पानी भरा हुआ रहता था। जिससे की गांव के लोग स्नान करने के साथ साथ मवेशियों को भी पानी पिलाने का काम किया करते थे, पर बारिश नहीं होने के कारण परेशानी बढ़ गयी है। अब तो गांव के ग्रामीण काफी चिंतित होने लगे हैं, इस साल कौन-सी आफत आ गयी है। ऐसा लगता है कि भोजन करने से पहले गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था हो जाये। गांव के सैकड़ों की आबादी पीने के पानी को लेकर हलकान है। इन दिनों पेयजल की घनघोर किल्लत के कारण ग्रामीणों के साथ साथ मवेशियों को भी काफी कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर यही हाल रहा तो पानी के बगैर लोग तपड़ने लगेंगे। बीच गांव में एक चापाकल है परंतु दो चार बाल्टी पानी देते देते बंद हो जाता है।

34वें वार्षिक उत्सव 'इंद्रधनुष' धूमधाम से मना

बच्चों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो में मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल सेक्टर 4/ई का 34वां वार्षिकोत्सव इन्द्रधनुष धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों शिक्षकों अभिभावकों और अतिथियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि मिथिला सांस्कृतिक परिषद हमारे शहर की बहुत ही प्रतिष्ठित संस्था है। यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में देश समाज और इस शहर की आवश्यकता की बहुत बड़ी पूर्ति कर रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य- दोनों ऐसे मुद्दे हैं जहां राष्ट्र को अभी और आगे जाना है और ये सारे काम हम सरकार के भरोसे नहीं छोड़ सकते। राष्ट्र के निर्माण में विद्यालय की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सभी सदस्यों व पदाधिकारियों के अलावा विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन अगर हम देखें तो एक निवेश का समय है-जब एक व्यक्ति अपने अन्दर ज्ञान का संस्कार का निवेश करता है और यह निवेश उसका जितना ज्यादा होता है उतना वह मानव के नजदीक होता है पशुता से दूर होता है और देवतुल्य हो जाता है। इसलिए यह समय आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण समय है। इसके पूर्व विद्यालय के अध्यक्ष हरि मोहन झा सचिव प्रमोद कुमार झा संरक्षक प्रभात कुमार झा मिथिला सांस्कृतिक परिषद के महासचिव नीरज चौधरी प्राचार्य अशोक कुमार पाठक एवं गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम इस समारोह के मुख्य आकर्षण रहे जिसमें भगवती वंदना माटी के रंग कव्वाली वामन अवतार पंचतत्व लोक नृत्य एवं नन्हें बच्चों द्वारा राज कपूर की अविस्मरणीय यादों को नृत्य में पिरोकर प्रस्तुत किए गए। साथ ही विद्यालय की शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए मेधावी छात्रों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने स्वागत भाषण देकर सभी को विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। सचिव प्रमोद कुमार झा ने कहा कि प्रयास और अनुशासन हमें आश्वस्त करते हैं जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए। मंच का संचालन आर्यन संजीव पीयूसी सानिया एवं एकता ने किया जबकि कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एक नजर में

टीएनए टेस्ट परीक्षा शुरू, शैक्षणिक दक्षता की होगी जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा /महागामा। बीआरसी परिसर स्थित पीएम श्री मिडिल स्कूल बालक परिसर में छह दिवसीय टीएनए टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। बीपीओ मनोज बालहंस ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता को परखना और उन्हें प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए तैयार करना है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रखंडस्तरीय टीम का गठन किया है। टीम में बीआरपी शमीम इकबाल, सीआरपी राकेश ठाकुर, सुभाष चंद्र शुक्ला, अब्दुल रशीद और ईश्वर चंद्र मंडल शामिल है। इनकी देखरेख में परीक्षा का संचालन किया जा रहा है। परीक्षा में पहली कक्षा से लेकर 12वीं तक के शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। सभी शिक्षकों का टेस्ट सेंटअप के माध्यम से लिया जा रहा है, जो डिजिटल माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाता है।

हर दिन 149 शिक्षक परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। बीपीओ मनोज बालहंस ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी और गुणवत्ता-संपन्न बनाना है, इससे शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का पता लगाया जा सकेगा, उन्हें उपयुक्त प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। यह प्रयास शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने और शिक्षकों की क्षमताओं को मजबूत करने में सहायक होगा।

हादसे में मृतकों के आश्रितों को मिला तीन तीन लाख का चेक

बेरमो /खेतको। 29 जुलाई 2023 का दिन खेतको वासियों के लिये काफी दुख भरा था जबकि मुहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान ताजिया का उपरी हिस्सा 11 हजार बिजली के तार से टकरा गया जिसमें 13 लोग बुरी तरह झुलस गए जबकि इस घटना चार युवाओं क्रमशः गुलाम हुसैन, इनामुल रब, आसिफ रजा तथा साजिद अंसारी का नाम शामिल था। इस घटना के बाद खेतको ही नहीं आसपास के क्षेत्रों में मातम पसर गया था। घटना की सूचना पाते ही पुलिस प्रशासन के अलावे क्षेत्र के सांसद, विधायक के अलावे दर्जनों समाजसेवी पहुचे और दुखी परिजनों का दुख का हिस्सा बना जबकि इस घटना की सबसे अधिक पिड़ा बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप कुमार सिंह के चेहरे पर देखने को मिली जो लाजमी था क्योंकि घटना स्थल उनके ही विधानसभा का हिस्सा था और मरने वाले युवा उन्ही के वेटर थे। घटना के बाद बिजली विभाग और अन्य लोगो द्वारा मदद के अलावे पीड़ित परिजनों के दुखों को कम करने का हर संभव प्रयास किया।

बेरमो कोयलांचल क्षेत्र में इस वर्ष 100 माइनिंग स्टाफ की प्रोमोशन होगी: विजय

बेरमो। इनमोसा ढ़ोरी क्षेत्र द्वारा एसडीओसीएम परियोजना से सेवानिवृत्त सिनियर ओवरमैन मुरारी प्रसाद सिंह और माइनिंग सरदार सरयू चौहान को सम्मान समारोह आयोजित कर सेन्ट्रल कॉलोनी स्थित आफिसर्स क्लब में रविवार को भावभीनी विदाई दी गई। इनमोसा नें इस विदाई समारोह को यादगार बनाया। उपस्थित इनमोसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह और सीसीएल अघिकारियो ने दोनो को फूल माला पहनाकर ढेरो उपहार एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इनमोसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा का दोनो बेदाग सेवानिवृत्त हुए, यह इनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। कहा कि मुरारी प्रसाद सिंह और सरयू चौहान सरल स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। कहा कि माईनिंग स्टाफ के हित में हमेशा तत्पर रहते थे। इनके आदर्शो को आत्मसात करने की जरूरत है। एक लंबी अवधी तक नौकरी में रहकर सबका बेहतरी के लिए सहयोग किए है। यही वजह है इस विदाई समारोह में सभी ने भरपूर प्यार दिखा रहे है। सिंह ने बताया कि बेरमो कोयलांचल क्षेत्र के ढोरी, बीएंडके और कथारा क्षेत्र के 100 माइनिंग स्टाफ की प्रोमोशन इस वर्ष होगी।

माई तोहरी चुंदरी बा लाल लाल रे बघवा चलेली कमाल चाल रे...

बेरमो /फुसरो। चैती छठ एवं रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य पर महावीर क्लब रेस्ट हाउस कॉलोनी करगली गेट के द्वारा शनिवार की देर रात को माता जागरण कराया गया. यहाँ सर्वप्रथम पंडित नंदकिशोर पांडेय ने विधिवत पूजन किया. इसके बाद माता रानी का ज्योत स्थानीय मंदिर से बेरमो सीओ संजीत कुमार सिंह, बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह, फुसरो नप के पूर्व वार्ड पार्षद रशिम सिंह व कैलाश ठाकुर, युवा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष बैभव चौरसिया, मारवाडी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, समाजसेवी चिकू सिंह, अजय रवानी आदि ने गगनभेदी जयकारा लगाते हुए लाये एवं अतिथियों ने फीता काटकर जागरण का शुभारंभ किया. इसके पश्चात माता जागरण में हाजरी लगाने के लिए सर्वप्रथम गायक मुन्ना यशस्वी व बबलू बवाली ने गणेश बंदना से शुभारंभ किया. इसके पश्चात स्वागतम मईया तेरा स्वागतम मईया... आदि एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को खूब झुमाया. भजन गायक अनीश सिंह भोजपुरिया, जुगनू, जितेन कुमार और गायिकाओ में श्वेता तिवारी व अमृता रॉय ने 'तुम्हे प्रथम पुकारू आज गजानन्द आ जायो..., गणपति आयो बाबा रिद्धि सिद्धि लायो गजानन्द आयो रिद्धि सिद्धि लायो..., माई तोहरी चुंदरी बा लाल लाल रे बघवा चलेली कमाल चाल रे..., लेके पूजा के थाली में ज्योत मन की जलाली तेरी आरती उतारू भोली माँ..., मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है... सहित अनेको भजन प्रस्तुत किए।

भेड़मुक्का बस्ती स्थित गैसिया जमा मस्जिद कमेटी का चुनाव संपन्न

बेरमो /फुसरो। भेड़मुक्का बस्ती स्थित गैसिया जमा मस्जिद कमेटी का चुनाव रविवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यहां सदर मनिर अंसारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी ताहिर अंसारी को 18 वोट से हरा कर जीत हाशिल किया। वहीं सेक्रेटरी के चुनाव में अबुल कलाम ने अपने प्रतिद्वंद्वी शहादत कादरी को 69 वोट से शिकस्त दिया। जबकि निर्विरोध में उपसदर श्यामुद्दीन, उपसेक्रेटरी जमील अंसारी व खजांची मो. करीम अंसारी ने जीत दर्ज किया। सभी विजेता पदाधिकारियों को चुनाव पदाधिकारी जसीम रजा, साजिद हुसैन, जाविद अख्तर, मसीर आलम, तैसिफ अंसारी व गुलाम जिलानी ने प्रशस्ति पत्र व माला पहना कर स्वागत किया। सदर पद पर मनिर अंसारी व ताहिर अंसारी के बीच मतदान हुआ। जिसमें 156 मतदाताओं में 129 मतदाओं ने मतदान किया। जिसमें मनिर अंसारी को 71 वोट मिले जबकि ताहिर अंसारी को 53 मत प्राप्त हुआ एवं पांच मत रद्द हुआ।

स्पीड न्यूज

ईरान के बंदरगाह पर धमाके में अब तक 25 मरे और 800 घायल

तेहरान। ईरान के दक्षिणी प्रांत होर्मोजगन में शनिवार को एक बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गयी और 800 अन्य घायल हो गये। मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

दंतेवाड़ा में 61 लाख की ठगी, पांच गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के गीदम निवासी भूपेंद्र तेलामी से 61 लाख रुपए की ठगी मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। दिनेश दताराम साबले मलाड वेस्ट मुंबई महाराष्ट्र, वैशाली गणेश नगर पुणे महाराष्ट्र, नूर मोहम्मद साखोनाका मुंबई महाराष्ट्र, अंसारी असद महमूद जिला नासिक महाराष्ट्र, अबु तलहा अब्दुल अली जिला नासिक, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पांच बैंक पासबुक एवं अन्य सामान आदि भी मिले।

मुंबई ईडी ऑफिस में भीषण आग

मुंबई। दक्षिण मुंबई स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में रविवार तड़के भीषण आग लग गयी। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुंबई दमकल सूत्रों ने यहां बताया कि आग दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित केंद्रीय एजेंसी कार्यालय कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग में लगी। दमकलकर्मी और बचाव दल घटनास्थल पर तड़के करीब 02:39 बजे पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि आग पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल तक ही सीमित रही।

इजरायल के हमले से 34 फिलिस्तीनी मरे

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली सेना की ओर से किए गए हवाई हमलों में कम से कम 34 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए हुए हैं। नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने शनिवार को चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली सेना ने तटीय परिक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में कई आवासीय घरों, सभाओं और विस्थापित व्यक्तियों के तंबुओं को निशाना बनाया।

वडोदरा में 300 घुसपैठिये गिरफ्तार

वडोदरा। राज्य के अहमदाबाद और सूरत के बाद अब अन्य शहरों में बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों को पकड़ने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। वडोदरा शहर के पूर्व क्षेत्र एकतानगर में पुलिस की 10 टीम ने सर्च ऑपरेशन कर 300 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसमें 200 पुरुषों के वैरिफिकेशन के लिए थाने ले जाया गया है। इस क्षेत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आकर लोग बसे हैं। 26 अप्रैल की देर रात अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन जब वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो इसकी जांच में 5 बांग्लादेशी नागरिक मिले थे।

मंदसौर : कुएं में गिरी वैन, नौ की मौत व चार घायल

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक वैन मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उससे टकराकर सड़क किनारे खेत में स्थित एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी, जिससे मोटर साइकिल सवार सहित नौ लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गए। वैन सवार लगभग दस लोग नीमच जिले में स्थित माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के कचारिया चौपाटी के समीप वैन सामने से आ रहे मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उससे टकरा गयी और इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में बने एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी।

अटारी सीमा पर वाहनों की लंबी कतार

मेरी मां भारतीय हैं और उन्हें पाकिस्तान जाने की नहीं दी जा रही अनुमति : सरिता

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के नागरिकों के वीजा रद्द किए जाने की समयसीमा रविवार को समाप्त होने के बीच स्वदेश लौट रहे पाकिस्तानी अपने रिश्तेदारों से विदा होते समय भावुक हो गए। पाकिस्तानी किशोरी सरिता ने रोते हुए कहा कि मेरी मां भारतीय हैं और उन्हें हमारे साथ पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सरिता नहीं जानतीं कि अब वह अपनी मां से व्यक्तिगत रूप से कब मिल पायेंगी।

सरिता, उनके भाई और पिता रविवार को भारत से पाकिस्तान जाने के लिए अटारी सीमा पर कतार में खड़े सैकड़ों लोगों में शामिल थे। भारत ने घोषणा की है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा 27 अप्रैल से रद्द माने जाएंगे तथा पाकिस्तान में रहने वाले भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने की सलाह दी गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी मेडिकल वीजा 29 अप्रैल

▸▸ पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किये गये सभी वीजा 27 अप्रैल से रद्द माने जायेंगे
▸▸ अटारी में कई भारतीय अपने पाकिस्तानी रिश्तेदारों को विदा करने आए थे, बिछड़ने का दर्द साफ झलक रहा था

तक वैध हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। अमृतसर जिले में अटारी सीमा पर वाहनों की कतार लग गई, क्योंकि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक अपने देश जाने के लिए पहुंचे।

अटारी में कई भारतीय अपने पाकिस्तानी रिश्तेदारों को विदा करने आए थे और बिछड़ने का दर्द साफ झलक रहा था। सरिता का परिवार 29 अप्रैल को होने वाली एक रिश्तेदार की शादी के लिए भारत आया था। सरिता ने कहा कि हम नौ साल बाद भारत आए हैं। सरिता, उनका भाई और उनके पिता

पाकिस्तानी हैं, जबकि उनकी मां भारतीय है। भावुक हुई सरिता ने कहा कि वे (अटारी के अधिकारी) हमें बता रहे हैं कि वे मेरी मां को साथ नहीं जाने देंगे। मेरे माता-पिता की शादी 1991 में हुई थी। वे कह रहे हैं कि भारतीय पासपोर्ट धारकों को अनुमति नहीं दी जाएगी। कई पाकिस्तानी नागरिकों ने बताया कि वे भारत में अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे। कुछ लोग यहां शादी में शामिल होने आए थे, लेकिन अब उन्हें शादी में शामिल हुए बिना ही घर लौटना पड़ रहा है। जैसलमेर के एक व्यक्ति ने बताया कि उसके मामा, मामी और बच्चे 36 साल बाद उनसे मिलने आए थे, लेकिन वीजा रद्द होने से उन्हें समय सीमा से पहले ही वापस जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वे 15 अप्रैल को अमरकोट से 45 दिन के वीजा पर आए थे। किसी को नहीं पता था कि स्थिति ऐसी हो जाएगी। उन्हें अपने सभी रिश्तेदारों से मिलने का समय भी नहीं मिला।

भारत नहीं छोड़ने वाले पाकिस्तानियों को तीन साल जेल

नयी दिल्ली। कोई भी पाकिस्तानी नागरिक, जो सरकार की तरफ से निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जायेगा, उस पर मुकदमा चलाया जायेगा और उसे तीन साल तक की जेल या अधिकतम तीन लाख रुपये का जुर्माना या दोनों सजाओं का सामना करना पड़ सकता है।

झेलम में अचानक बढ़ा जलस्तर, पीओके में बाढ़ जैसे हालात

इस्लामाबाद। झेलम नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों ने पूरी रात जागकर काटी है। इससे घबराए पाकिस्तान प्रशासन ने हट्टियन बाला क्षेत्र में वाटर इमरजेंसी की घोषणा तक कर दी है। साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। मस्जिदों से भी लगातार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान ने भारत पर जानबूझ कर नदी में अधिक पानी छोड़े जाने का आरोप लगाया है। हालांकि भारत की ओर से अभी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है। मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर फारुक के मुताबिक अचानक शनिवार की शाम को झेलम नदी का जल स्तर बढ़ने लगा। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर सकेंड 22 हजार घन फीट पानी बह रहा है, जिससे गारी दुपट्टा, मझोई व मुजफ्फराबाद आदि इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा गए हैं। फारुक ने आरोप लगाया कि भारत ने जानबूझकर झेलम नदी में एकाएक जल को छोड़ा है।

पाकिस्तान ने एलओसी पर लगातार तीसरी बार की गोलीबारी

सेना ने दिया करारा जवाब

एजेंसी

श्रीनगर। पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। सेना के सूत्रों ने रविवार को बताया कि यह गोलीबारी लगातार तीसरी रात हुई है। उन्होंने बताया कि कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर और बारामूला जिले के बोनियार सेक्टर में गोलीबारी की खबर है। सेना ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। सेना के सूत्रों ने कहा कि 26 से 27 अप्रैल की रात को पाकिस्तान सेना की चौकियों ने तुतमारी गली (नौगाम सेक्टर) और

रामपुर (बोनियार उरी) सेक्टरों के सामने के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के गोलीबारी की। और हमारे जवानों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि नौगाम सेक्टर में करीब दो घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। गोलीबारी

कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर और बारामूला जिले के बोनियार सेक्टर में की नापाक हरकत

रात करीब एक बजे शुरू हुई। गोलीबारी के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह लगातार तीसरी रात है जब पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और नियंत्रण रेखा के कई स्थानों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हुई है। इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय की जान चली गई थी।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में अभाविप ने लहराया परचम

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के 42 काउंसलर पदों में से 23 पदों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह किसी भी अन्य छात्र संगठन की तुलना में सर्वाधिक है। अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है, जिससे जेएनयूएसयू द्वारा किए जाने वाले फैसलों में अब अभाविप की अहम जगह प्राप्त हो सकेगी।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में नयी ऊंचाइयां जल्द छूयेगा भारत : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आने वाला समय अंतरिक्ष के क्षेत्र में बहुत सारी नई संभावनाएं लेकर आ रहा है और भारत इस क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छूने वाला है। मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में महान वैज्ञानिक डॉ के. कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दो दिन पहले हमने देश के महान वैज्ञानिक डॉ के. कस्तूरीरंगन को खो दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी डॉ. कस्तूरीरंगन से मुलाकात हुई, हम भारत के युवाओं के प्रतिभा, आधुनिक शिक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान ऐसे विषयों पर काफी चर्चा करते थे। विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नयी ऊंचाई देने में उनके योगदान को हमेशा याद किया

▸▸ मन की बात में पीएम मोदी ने महान वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन को दी श्रद्धांजलि

जाएगा। उनके नेतृत्व में इसरो को एक नयी पहचान मिली। उनके मार्गदर्शन में जो अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़े, उससे भारत के प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली। उन्होंने कहा कि आज भारत जिन सैटेलाइट का उपयोग करता है, उनमें से कई कस्तूरीरंगन की देखरेख में ही लांच की गई थी। उनके व्यक्तित्व की एक और बात बहुत खास थी, जिससे युवा-पीढ़ी उनसे सीख सकती है। उन्होंने हमेशा नवाचार को महत्व दिया। कस्तूरीरंगन ने देश की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।

नीतीश ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का लिया जायजा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पाटलिपुत्र खेल परिसर में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का रविवार को निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नीतीश ने उद्घाटन समारोह में होनेवाल कार्यक्रम के लिए खिलाड़ियों और कलाकारों द्वारा किए जा रहे अभ्यास का निरीक्षण किया। बिहार में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घा टन 4 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 28 खेलों के लिये 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 8500 खिलाड़ी तथा 1500 प्रशिक्षक और तकनीकी अधिकारी शामिल होंगे।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा होगी कड़ी

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच पड़ोसी देश नेपाल ने बेहतर रिश्तों और सीमा सुरक्षा को लेकर एक पहल शुरू की है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र के अधिकारियों ने भारतीय क्षेत्र के अधिकारियों के बैठक में सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की। रविवार को भारत और नेपाल के बीच आपसी विश्वास और सीमा सुरक्षा को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से पलिया में स्थित 39 बटालियन एसएसबी गदनिया में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने सुरक्षित और अपराधमुक्त सीमाएं बनाए रखने का साझा संकल्प लिया। बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी जिले के डीएम

▸▸ पहलगाम में हमले के बाद दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा को सुरक्षित बनाने का लिया संकल्प

दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, वन विभाग तथा एसएसबी के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नेपाल की ओर से कैलाली और कंचनपुर अंचल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच केवल भौगोलिक सीमाएं नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों की एक गहरी और मजबूत नींव भी है। दोनों देश ऐसे मित्र राष्ट्र हैं, जिनके बीच सीमाएं तो हैं, लेकिन दिलों की दूरियां कभी नहीं रहीं। हमारी साझा सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत हमें जोड़ती है। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को सुरक्षित रखते हुए

अपनी सीमाओं को भी पूरी तरह सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाएं। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा तभी संभव है जब दोनों देशों की एजेंसियां एक-दूसरे के साथ निरंतर संवाद करें, सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो और संयुक्त कार्रवाई की प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए। हमें तस्करी, मानव तस्करी, अवैध शिकार और अन्य अपराधों पर मिलकर सख्त नियंत्रण करना होगा। नेपाल के सीडीओ कैलाली गोगन बहादुर हमाल व सीडीओ कंचनपुर लक्ष्मण ढकल ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने, गहरे और विश्वास से भरे हुए हैं। दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा स्तंभ, नो मैन्स लैंड पर अतिक्रमण, सीमा पर संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने के उपाय, सीमा चौकी, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, वाहन चोरी, आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, अवैध शिकार, अवैध वनों की कटाई पर गहन मंथन किया। बैठक में अधिकारियों ने मादक पदार्थों की तस्करी, अपराधियों की धर पकड़ करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और कार्ययोजना बनाई।

आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चीन से होने वाले आयात पर शुल्क (टैरिफ) में कमी किये जाने के संकेत और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तरलता बढ़ाने के उपाय की बदौलत स्थानीय स्तर पर हुई दमदार लिवाली से बीते सप्ताह आधे प्रतिशत से अधिक चढ़े घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह आर्थिक आंकड़ों के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफएफआई) के रुख पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 659.33 अंक अर्थात 0.83 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 79212.53 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का

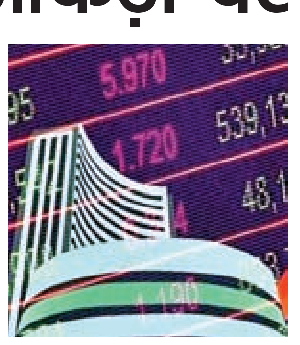

निफ्टी 187.7 अंक यानी 0.8 प्रतिशत की तेजी के साथ 24039.35 अंक हो गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 548.51 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 42528.71 अंक और स्मॉलकैप 58.96 अंक यानी 0.12 प्रतिशत बढ़कर 48005.62

▸▸ अगले हफ्ते जीडीपी व वाहन बिक्री के आंकड़े जारी होंगे

अंक पर बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी होने वाला है। साथ ही अप्रैल 2025 के वाहन बिक्री के आंकड़े भी आने वाले हैं। इन आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी। इसके अलावा अगले सप्ताह एफएफआई के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा। इस वर्ष अप्रैल में अबतक बाजार से एफएफआई 2,175.26 करोड़ रुपये निकाल चुके है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 22,249.47 करोड़ रुपये की लिवाली की है। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी जबकि दो दिन गिरावट रही। ट्रंप के भारत समेत 75 देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के निर्णय को 09 जुलाई तक टालने से स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 860.06 अंक की छलांग लगाकर 79,413.26 अंक और निफ्टी 273.90 अंक उछलकर 24125.55 अंक पर बंद हुआ। आरबीआई की तरलता से एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और रियल्टी समेत ग्यारह समूहों में हुई लिवाली से मंगलवार को शेयर बाजार में लगातार छठे दिन तेजी रही।

छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

देश की शीर्ष 10 मूल्यवान फर्मों में छह का संयुक्त मार्केट कैप पिछले सप्ताह 1,18,626.24 करोड़ रुपये बढ़ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को सबसे अधिक लाभ हुआ। इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस और आईसीआई का मूल्यांकन बढ़ा। दूसरी ओर भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में कमी आई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 53,692.42 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,281.40 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 34,507.55 करोड़ रुपये जोड़े, और उसका मूल्यांकन 17,59,276.14 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 24,919.58 करोड़ रुपये बढ़कर 6,14,766.06 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 2,907.85 करोड़ रुपये बढ़कर 14,61,842.17 करोड़ रुपये हो गया।